

जयंती के किताब

अध्याय 1 के बा

1 आ इजराइल के लोग के मिस्र से निकले के पहिला साल में, तीसरा महीना में, महीना के सोलहवाँ दिन, [2450 अन्नो मुंडी], भगवान मूसा से कहले कि, 'पहाड़ पर हमरा लगे चढ़ जा, आ हम तोहरा के नियम आ आज्ञा के दू गो पत्थर के पाटी देब, जवन हम लिखले बानी, ताकि तू ओह लोग के सिखा सकीले।'
2 मूसा भगवान के पहाड़ पर चढ़ गइलन आ प्रभु के महिमा सिनै पहाड़ पर रह गइल आ छह दिन ले बादल ओकरा पर छा गइल।
3 सातवाँ दिन बादल के बीच से मूसा के बोलवले आ प्रभु के महिमा पहाड़ के चोटी पर ज्वालामुखी आग निहन रहे।
4 मूसा चालीस दिन चालीस रात पहाड़ पर रहले आ भगवान उनका के पहिले आ बाद के इतिहास सिखवले कि व्यवस्था आ गवाही के सब दिन के बँटवारा भइल।
5 आ उ कहले कि, 'हम एह पहाड़ पर जवन भी शब्द तोहरा से कहब, ओकरा खातिर आपन दिल झुकाईं आ ओकरा के एगो किताब में लिखीं ताकि ओह लोग के पीढ़ी देख सके कि कइसे हम ओह लोग के ओह सब बुराई खातिर ना छोड़ले बानी जवन ऊ लोग ओह वाचा के उल्लंघन करत कइले बा जवन हम आज सिनाई पहाड़ पर हमरा आ तोहरा बीच ओह लोग के पीढ़ियन खातिर बनवले बानी।'
6 आ एह तरह से ई होई कि जब ई सब बात ओह लोग पर आई, त ऊ लोग ई पहिचान करी कि हम ओह लोग से अधिका धर्मी बानी, ओह लोग के सब न्याय आ सब काम में, आ ऊ लोग ई पहचान ली कि हम सही मायने में ओह लोग के साथे रहल बानी।
7 आ तू ई सब बात जवन हम आज तोहरा के बतावत बानी, तू अपना खातिर लिखऽ, काहे कि हम ओह लोग के विद्रोह आ ओह लोग के कड़ा गर्दन के जानत बानी, एहसे पहिले कि हम ओह लोग के ओह देश में ले अइनी जवना के हम ओह लोग के पूर्वज, अब्राहम आ इसहाक आ याकूब के कसम खइले रहीं कि: ' हम तोहरा संतान के दूध आ शहद से बहत देश देब।'
8 ऊ लोग खा के तृप्त हो जाई आ ऊ लोग परदेसी देवता लोग के ओर मुड़ जाई, जे ओह लोग के कवनो संकट से मुक्त ना कर सके, आ ई गवाही ओह लोग के खिलाफ गवाह के रूप में सुनल जाई। काहे कि उ लोग हमार सब आज्ञा, (इहाँ तक कि) हम जवन भी आज्ञा देत बानी, उ सब भूला जईहे, अवुरी उ लोग गैर-यहूदी के पीछे-पीछे चल जईहे, अवुरी उनुका अशुद्धता अवुरी अपना शर्म के पीछे चल जईहे अवुरी अपना देवता के सेवा करीहे, अवुरी इ उनुका खाती अपराध अवुरी कष्ट अवुरी कष्ट अवुरी जाल साबित होई।
9 बहुत लोग नाश हो जइहें आ बंदी हो जइहें आ दुश्मन के हाथ में गिर जइहें, काहे कि ऊ लोग हमार नियम आ हमरा आज्ञा, हमरा वाचा के परब, हमरा सब्त के दिन, आ आपन पवित्र स्थान जवन हम ओह लोग के बीच में अपना खातिर पवित्र कइले बानी, आ अपना तम्बू आ आपन पवित्र स्थान के छोड़ दिहले बा, जवना के हम अपना खातिर पवित्र कइले बानी, जवन हम ओह देश के बीच में पवित्र कइले बानी हमार नाम ओकरा पर, आ कि ऊ (उहाँ) रहे।
10 ऊ लोग अपना खातिर ऊँच जगह आ बगीचा आ उकेरल मूर्ति बनाई आ हर केहू आपन आपन मूर्ति के पूजा करी ताकि भटक जा सके आ अपना लइकन के राक्षसन के बलिदान करी आ अपना मन के गलती के सब काम खातिर।
11 हम ओह लोग के लगे गवाह भेजब कि हम ओह लोग के खिलाफ गवाही देब, लेकिन उ लोग ना सुनाई अवुरी गवाहन के भी मार दिहे, अवुरी उ लोग कानून के खोज करेवाला लोग के सताईहे अवुरी उ लोग सबकुछ के नष्ट क दिहे अवुरी बदल दिहे ताकि हमरा नजर में बुराई हो सके।
12 हम ओह लोग से आपन चेहरा छिपा के ओह लोग के कैद आ शिकार आ खाए खातिर गैर-यहूदी लोग के हाथ में सौंप देब आ ओह लोग के देश के बीच से हटा देब आ गैर-यहूदी लोग के बीच बिखेर देब।
13 ऊ लोग हमार सगरी नियम आ हमार सगरी आज्ञा आ हमार सगरी फैसला भुला जइहें आ अमावस्या, सब्त के दिन, परब, जयंती आ नियम के बारे में भटक जइहें.
14 आ एकरा बाद ऊ लोग गैर-यहूदी लोग के बीच से पूरा मन से आ पूरा आत्मा से आ पूरा ताकत से हमरा ओर मुड़ जाई आ हम ओह लोग के सब गैर-यहूदी लोग के बीच से एकट्ठा करब, आ ऊ लोग हमरा के खोजी, ताकि हम ओह लोग के मिल जाईं, जब ऊ लोग हमरा के पूरा मन से आ पूरा आत्मा से खोजत होई।
15 हम ओह लोग के धार्मिकता के साथे भरपूर शांति के खुलासा करब आ अपना पूरा मन आ पूरा प्राण से ओह लोग के सोझपन के पौधा हटा देब आ ऊ लोग आशीष खातिर ना बलुक आशीर्वाद खातिर होखी आ ऊ लोग माथा होखी आ पूंछ ना.
16 हम ओह लोग के बीच में आपन पवित्र स्थान बनाइब, आ हम ओह लोग के साथे रहब, आ हम ओह लोग के भगवान होखब आ ऊ लोग सच्चाई आ धार्मिकता में हमार लोग होई।
17 हम ओह लोग के ना छोड़ब आ ना ही ओह लोग के ना छोड़ब। काहे कि हम प्रभु उनकर भगवान हईं।'
18 मूसा मुँह पर गिर के प्रार्थना कइलन आ कहलन कि हे प्रभु हमार परमेस् वर, अपना लोग आ आपन विरासत के मत छोड़ीं, ताकि ऊ लोग अपना मन के भटकल में भटक जाव आ ओह लोग के अपना दुश्मनन, गैर-यहूदी लोग के हाथ में मत सौंप दीं, कहीं ऊ लोग ओह लोग पर राज ना कर के तोहरा खिलाफ पाप ना कर देव।
19 हे प्रभु, तोहार दया अपना लोग पर उठल जाव आ ओह लोग में एगो सीधा आत्मा पैदा करऽ आ बेलियार के आत्मा ओह लोग पर राज ना करे कि ऊ ओह लोग पर तोहरा सामने आरोप लगा सके आ ओह लोग के धर्म के सब राह से फँसा सके, जेहसे कि ऊ लोग तोहरा चेहरा से नाश हो सके.
20 बाकिर ऊ लोग तोहार प्रजा आ तोहार विरासत ह, जवना के तू अपना बड़हन शक्ति से मिस्र के हाथ से बचा लिहले बाड़ऽ, ओह लोग में एगो साफ दिल आ पवित्र आत्मा पैदा करऽ आ अब से अनन्त काल तक अपना पाप में ना फंसल जाव।'
21 प्रभु मूसा से कहलन, 'हम ओह लोग के विपरीतता आ उनकर विचार आ अकड़न के जानत बानी आ जबले ऊ लोग आपन पाप आ अपना बाप-दादा के पाप के कबूल ना करी तबले ऊ लोग आज्ञाकारी ना होई.
22 आ एकरा बाद उ लोग पूरा सीधापन से आ पूरा (अपना) दिल से आ पूरा (अपना) आत्मा से हमरा ओर मुड़ जइहें, आ हम ओह लोग के दिल के अग्रचमड़ी आ ओह लोग के संतान के दिल के अग्रचमड़ा के खतना करब, आ हम ओह लोग में एगो पवित्र आत्मा पैदा करब, आ हम ओह लोग के साफ करब ताकि ऊ लोग ओह दिन से अनन्त काल तक हमरा से दूर ना होखे।

23 आ ओह लोग के आत्मा हमरा आ हमरा सब आज्ञा से चिपकल रही आ ऊ लोग हमार आज्ञा के पूरा करी आ हम ओह लोग के पिता होखब आ ऊ लोग हमार संतान हो जइहें.
24 आ उ सब के जिंदा परमेश्वर के संतान कहल जाई, आ हर स्वर्गदूत आ हर आत्मा के पता चल जाई, हँ, उ लोग जान जाई कि ई हमार संतान हवें, आ हम ओह लोग के पिता हईं, सीधापन आ धार्मिकता में, आ हम ओह लोग से प्यार करत बानी।
25 आ ई सब बात तू अपना खातिर लिख लीं जवन हम एह पहाड़ पर तोहरा के पहिला आ आखिरी बतावत बानी, जवन दिन के सभ बंटवारा में व्यवस्था, गवाही में, हफ्ता में आ जुबली में अनन्त काल तक होई, जब तक कि हम उतर के अनन्त काल तक ओह लोग के साथे ना रहब।'
26 उ सामने के दूत से कहलन कि सृष्टि के शुरुआत से लेके जब तक हमार पवित्र स्थान ओह लोग के बीच अनन्त काल तक ना बन जाई तब तक मूसा खातिर लिखीं।
27 प्रभु सबके नजर में प्रकट हो जइहें आ सभे जान जइहें कि हम इस्राएल के परमेश्वर आ याकूब के सब संतान के पिता हईं आ सियोन पहाड़ पर अनन्त काल तक राजा हईं। आ सिय्योन आ यरूशलेम पवित्र हो जाई।'
28 इस्राएल के खेमा के सामने गइल मौजूद स्वर्गदूत व्यवस्था के सालन के बंटवारा के फलक -सृष्टि के समय से- व्यवस्था के आ जुबली के हफ्ता के गवाही के तालिका लेके, अलग-अलग साल के अनुसार, जुबली के सभ संख्या के अनुसार [अलग-अलग साल के अनुसार], [नया] सृष्टि के दिन से लेके जब आकाश आ धरती के नवीकरण होई उनकर सब सृष्टि स्वर्ग के शक्ति के अनुसार, आ धरती के सब सृष्टि के अनुसार, जब तक कि यरूशलेम में सिय्योन पहाड़ पर प्रभु के पवित्र स्थान ना बन जाई, आ सब प्रकाशक के नवीकरण ना हो जाई, ताकि इस्राएल के सब चुनल लोग खातिर चंगाई आ शांति आ आशीर्वाद खातिर आशीष ना दिहल जा सके, आ ताकि उ दिन से लेके धरती के पूरा दिन तक अइसन होखे।

अध्याय 2 के बा

1 तब मौजूद के दूत प्रभु के वचन के अनुसार मूसा से कहलन, सृष्टि के पूरा इतिहास लिखीं कि कइसे छह दिन में प्रभु परमेश्वर आपन सब काम आउर सब कुछ पूरा कर दिहलन, आ सातवाँ दिन सब्त के दिन मनले आ हर युग खातिर पवित्र कइलन, आ ओकरा के अपना सब काम खातिर एगो निशानी के रूप में नियुक्त कइले।
2 काहे कि पहिला दिन उ ऊपर के आकाश आ धरती आ पानी आ उनकरा सामने सेवा करे वाला सब आत्मा - उपस्थिति के स्वर्गदूत, पवित्रता के स्वर्गदूत, आ हवा के आत्मा के स्वर्गदूत [आग के आत्मा आ स्वर्गदूत के], आ बादल के आत्मा के स्वर्गदूत, आ अन्हार के, बर्फ आ ओला आ ठंढा के ठंढा के स्वर्गदूत के रचले रहले आवाज आ गरज आ बिजली के, आ ठंडा आ गर्मी के आत्मा के स्वर्गदूतन के, आ जाड़ा के आ बसंत के आ शरद आ गर्मी के आ अपना प्राणी के सभ आत्मा के जवन आकाश आ धरती पर बा, (उ रचले) रसातल आ अन्हार, साँझ के <आ रात>, आ रोशनी, भोर आ दिन के, जवन ऊ अपना दिल के ज्ञान में तइयार कइले बाड़न।
3 तब हमनी के उनकर काम देखनी जा, उनकर स्तुति कइनी जा आ उनकर सब काम के कारण उनकरा सामने उनकर प्रशंसा कइनी जा। काहे कि ऊ पहिला दिन सात गो बड़हन काम बनवले रहले.
4 आ दूसरा दिन ऊ पानी के बीच में आकाश बनवले, आ ओह दिन पानी के बँटवारा भइल -आधा ऊपर चढ़ल आ आधा आकाश (जवन कि) के नीचे पूरा धरती के ऊपर बीच में नीचे उतरल। आ इहे एकमात्र काम (भगवान) रहे जवन दूसरा दिन रचल गईल रहे।
5 तीसरा दिन उ पूरा धरती से पानी के एक जगह पर निकले आ सूखा जमीन के प्रकट होखे के आदेश दिहलन।
6 पानी उनकर आज्ञा के मुताबिक अईसन कईलस अवुरी उ धरती से दूर होके ए आकाश के बाहर एक जगह प आ गईल अवुरी सूखल जमीन देखाई देलस।
7 आ ओह दिन ऊ ओह लोग खातिर सभ समुंदर के अलग-अलग जुटान स्थल के हिसाब से, आ सगरी नदी, आ पहाड़ आ पूरा धरती पर पानी के जमाव, आ सगरी झील, आ धरती के सगरी ओस, आ बीज जवन बोवल जाला, आ सब अंकुरित चीज, आ फलदार पेड़, जंगल के पेड़, आ अदन के बगइचा, अदन में आ सब कुछ बनवले अपना तरह के पौधा के बाद।
8 ई चारो बड़हन काम के भगवान तीसरा दिन बनवले। आ चउथा दिन ऊ सूरज आ चंद्रमा आ तारा के रचना कइलन आ आकाश के आकाश में सेट कइलन कि ऊ पूरा धरती पर रोशनी दे सके आ दिन आ रात पर राज कर सके आ रोशनी के अन्हार से अलग कर सके.
9 भगवान सूरज के धरती पर दिन खातिर, सब्त के दिन खातिर, महीना भर खातिर, भोज खातिर, सालन खातिर, सालन के सब्त के दिन खातिर, जुबली खातिर आ सालन के हर मौसम खातिर एगो बड़हन निशानी बने खातिर नियुक्त कइले बाड़न।
10 ऊ रोशनी के अन्हार से अलगा कर देला आ समृद्धि खातिर, ताकि धरती पर जवन भी चीज उगेला आ उगेला, उ सब कुछ समृद्ध होखे।
11 इ तीन तरह के उ चउथा दिन बनवले। आ पांचवा दिन ऊ पानी के गहिराई में बड़हन-बड़हन समुद्री राक्षस बनवले, काहे कि ई सब पहिला मांस के चीज रहे जवन उनकर हाथ से बनल रहे, मछरी आ पानी में चले वाला हर चीज, आ उड़त हर चीज, चिरई आ ओकर सभ तरह के।
12 आ सूरज ओह लोग के ऊपर उठ के समृद्ध होखे खातिर आ धरती पर जवन भी चीज रहे, धरती से निकले वाला सब कुछ, फल देवे वाला पेड़ आ सब मांस से ऊपर उठल।
13 इ तीन प्रकार के उ पांचवा दिन बनवले। आ छठवाँ दिन ऊ धरती के सभ जानवर, आ सब मवेशी, आ धरती पर चले वाला हर चीज के रचना कइले।
14 आ एह सब के बाद उ आदमी के रचले, एगो मरद मेहरारू के रचले, आ ओकरा के धरती पर, समुंदर में, उड़त हर चीज पर, जानवर आ मवेशी पर, आ धरती पर चले वाला हर चीज पर, आ पूरा धरती पर आ एह सब पर प्रभुत्व दिहलन।
15 आ छठवाँ दिन ऊ एह चारो तरह के रचना कइले बाड़न। आ कुल मिला के दू बीस तरह के रहे।
16 छठवाँ दिन ऊ आपन सब काम पूरा कइलन -आकाश आ धरती पर, समुंदर आ खाई में, रोशनी आ अन्हार में आ हर चीज में जवन कुछ बा।

17 उ हमनी के एगो बड़हन चिन्ह, सब्त के दिन, कि हमनी के छह दिन काम करे के चाहीं, लेकिन सातवाँ दिन सब्त के दिन के हर काम से मनावे के चाहीं।
18 आ सामने के सब स्वर्गदूत, आ पवित्रता के सब स्वर्गदूत, इ दुनो बड़ वर्ग -उ हमनी के स्वर्ग आ धरती पर अपना साथे सब्त के दिन मनावे के आज्ञा देले बाड़े।
19 उ हमनी से कहले, 'देखऽ, हम अपना खातिर एगो लोग के सब लोग के बीच से अलग करब, आ ई लोग सब्त के दिन के पालन करी आ हम ओह लोग के अपना लोग के रूप में अपना खातिर पवित्र करब आ ओह लोग के आशीर्वाद देब; जइसे हम सब्त के दिन के पवित्र कइले बानी आ अपना खातिर पवित्र कइले बानी, ओइसहीं हम ओह लोग के आशीष देब, आ ऊ लोग हमार लोग होई आ हम ओह लोग के भगवान होखब।
20 हम जवन कुछ देखले बानी ओकरा में से याकूब के वंशज के चुनले बानी आ ओकरा के आपन पहिला बेटा के रूप में लिखले बानी, आ ओकरा के हमेशा खातिर अपना खातिर पवित्र कइले बानी। आ हम ओह लोग के सब्त के दिन सिखा देब ताकि उ लोग सब्त के दिन के हर काम से मना सके।'
21 आ एह तरह से उ ओह में एगो चिन्ह बनवले जवना के अनुसार उ लोग सातवाँ दिन हमनी के साथे सब्त के दिन मनावे, खाए-पीये खातिर, आ ओकरा के आशीर्वाद देवे खातिर जे सब चीजन के ओइसहीं बनवले बा जइसे कि उ अपना खातिर सब लोग से ऊपर एगो विशिष्ट लोग के आशीष आ पवित्र कइले बा, अउर उ लोग हमनी के साथे मिल के सब्त के दिन मनावे।
22 आ उ आपन आज्ञा के पूरा दिन अपना सामने स्वीकार्य मीठ गंध के रूप में ऊपर उठवले . . .
23 आदम से लेके याकूब तक के दू-बीस गो आदमी रहले आ सातवाँ दिन तक दू बीस तरह के काम भइल। ई धन्य आ पवित्र बा; आ पहिलका भी धन्य आ पवित्र बा। आ ई ओह आदमी के साथे पवित्रता आ आशीर्वाद खातिर सेवा करेला।
24 आ एही (याकूब आ उनकर वंशज) के ई अनुमति दिहल गइल कि ऊ लोग हमेशा पहिला गवाही आ व्यवस्था के धन्य आ पवित्र लोग रहे, ठीक ओइसहीं जइसे ऊ सातवाँ दिन सब्त के दिन के पवित्र आ आशीर्वाद दिहले रहले।
25 ऊ छह दिन में आकाश आ धरती आ ऊ सब कुछ बनवले बाड़न आ सातवाँ दिन के पवित्र कइले बाड़न, अपना सब काम खातिर। एह से ऊ एकरा ओर से आज्ञा दिहलन कि, जे ओकरा पर कवनो काम करी ऊ मर जाई आ जे ओकरा के अशुद्ध करी ऊ जरूर मर जाई.
26 एही से तू इस्राएल के लोग के एह दिन के मनावे के आज्ञा देत बाड़ऽ कि ऊ लोग एकरा के पवित्र राखे आ ओकरा पर कवनो काम ना करे आ एकरा के अशुद्ध ना करे, काहे कि ई बाकी दिन से भी पवित्र बा।
27 जे एकरा के अपवित्र करी ऊ जरूर मर जाई आ जे ओकरा पर कवनो काम करी ऊ अनन्त काल खातिर मर जाई जेहसे कि इस्राएल के लोग अपना पीढ़ी-दर-पीढ़ी एह दिन के पालन कर सके आ देश से जड़ से ना उखाड़ल जा सके. काहे कि ई एगो पवित्र दिन ह आ धन्य दिन ह।
28 जे केहू एकरा के पालन करी आ सब्त के दिन अपना पूरा काम से मना करी, उ हमनी के जइसन दिन भर पवित्र आ आशीर्वादित रही।
29 इस्राएल के लोग के आज के नियम के घोषणा करीं आ कह दीं कि उ लोग सब्त के दिन के पालन करे आ ओकरा के अपना मन के गलती से ना छोड़े। (आ) कि ओह पर कवनो काम जवन अनुचित होखे, ओकरा पर अपना मन से कइल जायज नइखे आ ओह पर कवनो खाए भा पीये खातिर कवनो चीज ना बनावल जाय आ (कि ई जायज नइखे) पानी निकालल, भा अपना फाटक से कवनो बोझ ले आवे भा निकालल जायज नइखे, जवन ऊ लोग अपना आवास में छठवाँ दिन अपना खातिर ना तइयार कइले रहुवे.
30 ओह दिन ऊ लोग घर-घर ना ले आवे के चाहीं आ ना ही बाहर निकाले के चाहीं। काहे कि ऊ दिन जुबली के कवनो जुबली दिन से भी पवित्र आ धन्य बा। एही पर हमनी के स्वर्ग में सब्त के दिन मनावत रहनी जा, ओकरा पहिले कि कवनो शरीर के धरती पर सब्त के दिन मनावे के जानकारी ना मिल जाव।
31 सब कुछ के रचयिता एकरा के आशीष दिहलन, लेकिन उ सब लोग आ राष्ट्र के सब्त के दिन मनावे खातिर पवित्र ना कईले, बल्कि अकेले इस्राएल के ही पवित्र कईले।
32 आ सब चीजन के रचयिता एह दिन के आशीष दिहलन जवन ऊ सब दिन से अधिका आशीष आ पवित्रता आ महिमा खातिर बनवले बाड़न।
33 इ व्यवस्था आ गवाही इस्राएल के लोग के पीढ़ी-दर-पीढ़ी तक हमेशा खातिर कानून के रूप में दिहल गईल।

अध्याय 3 के बा

1 दूसरा हफ्ता के छह दिन में हमनी के भगवान के वचन के अनुसार आदम के लगे सब जानवर, मवेशी, सब चिरई, धरती पर चले वाला हर चीज आ पानी में चले वाला हर चीज के अपना प्रकार आ प्रकार के अनुसार ले अइनी जा: पहिला दिन जानवरन के। दूसरा दिन मवेशी के; तीसरा दिन चिरई-चुरुंग के; आ चउथा दिन धरती पर चले वाला सब कुछ। आ जवन पांचवा दिन पानी में चलेला।
2 आदम ओह सब के नाम अपना-अपना नाम से रखले आ जइसे-जइसे उ लोग के नाम रखले, ओइसहीं ओकर नाम भी रखले।
3 एह पांच दिन में आदम धरती पर मौजूद हर तरह के नर-मादा के देखले, लेकिन उ अकेले रहले अवुरी उनुका खाती कवनो सहायक ना मिलल।
4 प्रभु हमनी से कहलन कि आदमी के अकेले रहला से बढ़िया बात नइखे, हमनी के ओकरा खातिर एगो सहायक बनावल जाव।'
5 हमनी के परमेश्वर प्रभु ओकरा पर गहिराह नींद आ गइलन आ ऊ सुत गइलन आ ऊ ओह औरत खातिर ओकरा पसलियन के बीच से एगो पसली ले लिहलन आ ई पसली ओकरा पसलियन के बीच से ओह औरत के उत्पत्ति रहे आ ओकरा जगहा ऊ मांस बनवले आ ओह औरत के बनवले.
6 आदम के नींद से जगवलन आ जागला पर छठवाँ दिन उठलन आ ओकरा के अपना लगे ले अइलन आ ओकरा के जान गइलन आ कहलन कि ई अब हमार हड्डी के हड्डी आ मांस के मांस ह; उनुका के [हमार] पत्नी कहल जाई। काहे कि उनुका के अपना पति से लिहल गईल रहे।'

7 एही से मरद मेहरारू एक हो जइहें आ एही से आदमी अपना बाप-माई के छोड़ के अपना मेहरारू से चिपक जाई आ दुनु एक शरीर हो जइहें।
8 पहिला हफ्ता में आदम के रचना भइल, आ पसली -उनकर मेहरारू: दूसरा हफ्ता में ऊ ओकरा के देखा दिहलन, आ एही से आज्ञा दिहल गइल कि ऊ लोग ओह लोग के अशुद्धता में सात दिन खातिर आ मादा खातिर दू बेर सात दिन ले रहे के चाहीं।
9 आदम के चालीस दिन पूरा भइला के बाद जहाँ आदम के रचना भइल रहे, हमनी के ओकरा के अदन के बगीचा में ले अइनी जा कि ऊ ओकरा के जोते आ रखे, लेकिन अस्सीवाँ दिन उनकर मेहरारू के ले अइले आ ओकरा बाद ऊ अदन के बगइचा में घुस गइली।
10 आ एही कारण से स्वर्ग के पाटी पर बच्चा पैदा करे वाली के बारे में आज्ञा लिखल बा कि, 'अगर उ नर के जन्म देवेले त उ दिन के पहिला सप्ताह के मुताबिक सात दिन अपना अशुद्धता में रही, अवुरी तीस दिन तक उ अपना शुद्धि के खून में रही, अवुरी जब तक उ इ दिन पूरा ना करी, तब तक उ कवनो पवित्र चीज़ के ना छूई अवुरी ना ही पवित्र स्थान में प्रवेश करी, जवन कि (अयील बा।' आज्ञा दिहल गइल) नर बच्चा के मामला में।
11 लेकिन मादा बच्चा के मामला में उ पहिला दु सप्ताह के मुताबिक दु सप्ताह अवुरी छियासठ दिन तक अपना अशुद्धि में रहे के चाही, अवुरी उ सब अस्सी दिन में होई।'
12 जब उ अस्सी दिन पूरा कईली त हमनी के उनुका के अदन के बगीचा में ले गईनी, काहेकी इ धरती के अलावे पूरा धरती से भी पवित्र बा अवुरी ओकरा में लगावल हर पेड़ पवित्र बा।
13 एह से जे नर भा मादा बच्चा पैदा करेले ओकरा बारे में ओह दिन के नियम तय कइल गइल रहे कि जबले ऊ नर भा मादा बच्चा पूरा ना हो जाव तबले ऊ कवनो पवित्र चीज के ना छुवे के चाहीं आ ना ही पवित्र स्थान में प्रवेश करे के चाहीं.
14 इहे उ व्यवस्था आ गवाही ह जवन इस्राएल खातिर लिखल गईल रहे ताकि उ लोग पूरा दिन (एकर) पालन करस।
15 पहिला जयंती के पहिला हफ्ता में आदम आ उनकर मेहरारू सात साल तक अदन के बगइचा में खेती आ रखरखाव करत रहले, आ हमनी के उनुका के काम दिहनी जा आ हमनी के उनुका के हर काम करे के निर्देश दिहनी जा जवन खेती के अनुकूल होखे।
16 ऊ (बगइचा) के जोतत रहले आ नंगा रहले आ ना जानत रहले, आ कवनो शर्म ना लागत रहले, आ ऊ बगइचा के चिरई-चुरुंग आ पशु-पक्षी से बचावत रहले आ ओकर फल बटोर के खात रहले आ बचे वाला हिस्सा के अपना आ अपना मेहरारू खातिर अलगा कर दिहलन [आ जवन कुछ राखल रहे ओकरा के अलगा कर दिहलन]।
17 सात साल पूरा भइला के बाद, जवन उ उहाँ पूरा कइले रहले, ठीक सात साल, [8 AM] आ दूसरा महीना में, सतरहवाँ दिन (महीना के) साँप आके ओह औरत के लगे पहुँचल आ साँप ओह औरत से कहलस, 'का भगवान तोहके आज्ञा देले बाड़न कि, 'तू बगइचा के हर पेड़ के फल ना खाईं?'
18 ऊ ओकरा से कहली, 'बगइचा के पेड़न के सब फल में से भगवान हमनी से कहले बाड़न कि खाईं; लेकिन बगइचा के बीच में जवन पेड़ बा ओकर फल के बारे में भगवान हमनी से कहले बाड़े कि, 'तू ओकरा के ना खाब अवुरी ना छूब, ना त मर जाईब।'
19 साँप ओह औरत से कहलस कि, 'तू जरूर मरब, काहेकि भगवान जानत बाड़े कि जवना दिन तू एकरा के खईब, तोहार आँख खुल जाई अवुरी देवता निहन होखब अवुरी नीमन अवुरी बुराई के जान जाईब।'
20 औरत देखली कि उ पेड़ आंख के मनभावन आ सुखद बा, आ ओकर फल खाए खातिर बढ़िया बा, त उ ओकरा के लेके खा गईली।
21 जब ऊ पहिला बेर अपना लाज के अंजीर के पत्ता से ढंक लिहली त ऊ आदम के ओकरा के दे दिहली आ ऊ खा गइलन आ ओकर आँख खुल गइल आ ऊ देखलन कि ऊ नंगा बा.
22 उ अंजीर के पत्ता लेके (ओकनी के) सिलाई क के अपना खातिर एप्रन बनवले, अवुरी ,अपना लाज के ढंक देले।
23 भगवान साँप के श्राप दिहलन आ ओकरा पर हमेशा खातिर गुस्सा आ गइलन। . .
24 ऊ ओह औरत पर नाराज हो गइलन काहे कि ऊ साँप के आवाज सुन के खाना खइले रहे। आ ऊ ओकरा से कहले, 'हम तोहार दुख आ तोहार पीड़ा के बहुते बढ़ा देब, दुख में तू संतान पैदा करबऽ आ तोहार वापसी तोहरा पति के हो जाई आ ऊ तोहरा पर राज करी।'
25 आदम से भी कहलन, ' काहेकि तू अपना मेहरारू के आवाज सुनले बाड़ आ जवना पेड़ के हम तोहरा के ना खाए के आदेश देले रहनीं, ओकर फल खइले बाड़, तोहरा खातिर जमीन के शापित होखे के चाहीं, जबले तू ना लवटब तबले ऊ तोहरा खातिर काँटा आ ठंढा पैदा करी।' जवना धरती से तू ले जाइल गइल बाड़। काहे कि तू धरती हउअ आ धरती पर लवटब।'
26 उ ओह लोग खातिर चमड़ा के कोट बना के कपड़ा पहिन के अदन के बगीचा से भेज दिहलन।
27 जवना दिन आदम बगीचा से निकलल रहले, उ दिन से सुगंध के रूप में चढ़ावे, लोबान, गैलबनम अवुरी स्टेक्टे अवुरी मसाला के संगे सबेरे सूरज के उगला के संगे जब उ अपना लाज के ढंकले रहले।
28 ओह दिन सब जानवरन, मवेशी, चिरई-चुरुंग के मुँह बंद हो गइल रहे आ जवन भी चले-चलत रहेला आ जवन भी हिलत-डुलत रहेला ओकर मुँह बंद हो गइल रहे, जवना से ऊ लोग अब बोल ना पावत रहे, काहे कि सब लोग एक होंठ आ एक जीभ से एक दूसरा से बोलत रहे।
29 ऊ अदन के बगीचा से अदन के बगीचा में मौजूद सब मांस के भेज दिहलन आ सब मांस अपना तरह के आ प्रकार के हिसाब से ओह जगहन पर बिखराइल रहे जवन ओह लोग खातिर बनावल गइल रहे।
30 आऊ खाली आदम के आपन लाज ढाँके खातिर (सामान) देले रहले, सब जानवर आ मवेशी के।
31 एही से स्वर्ग के पाटी पर इ नियम बा कि व्यवस्था के न्याय के जाने वाला सब लोग के संबंध में कहल गईल बा कि उ लोग आपन लाज के ढंकस अवुरी अपना के ओईसन ना उजागर करस, जईसे गैर-यहूदी लोग अपना के उजागर करेले।
32 चउथा महीना के अमावस्या के दिन आदम आ उनकर मेहरारू अदन के बगीचा से निकल गइलन आ ऊ लोग अपना सृष्टि के देश में एल्दा देश में रह गइलन।
33 आदम अपना मेहरारू के नाम हव्वा रखले।
34 पहिला जुबली [8 बजे] तक उ लोग के कवनो बेटा ना रहे अवुरी एकरा बाद उ उनुका के जान गईले।

35 अब उ अदन के बगीचा के निर्देश के मुताबिक जमीन के खेती कईले।

अध्याय 4 के बा

1 तीसरा हफ्ता में दूसरा जयंती [64-70 AM] में उ कैन के जनम कईली, आ चउथा [71-77 AM] में उ हाबिल के जन्म देली, आ पांचवा [78-84 AM] में उ अपना बेटी Âwân के जन्म देली।
2 आ तीसरा जयंती के पहिला (साल) में [99-105 AM] कैन हाबिल के मार दिहलन काहे कि (परमेशवर) हाबिल के बलिदान के स्वीकार कइलन, आ कैन के बलिदान ना स्वीकार कइलन।
3 ऊ ओकरा के खेत में मार दिहलन आ ओकर खून जमीन से स्वर्ग तक चिल्लात रहे आ ओकरा के मार दिहला के चलते शिकायत करत रहे।
4 प्रभु हाबिल के चलते कैन के डांटले, काहेकी उ कैन के मार देले रहले अवुरी अपना भाई के खून के चलते उनुका के धरती प भगोड़ा बना देले अवुरी धरती प उनुका के गारी देले रहले।
5 आ एही खातिर स्वर्ग के फलक पर लिखल बा कि, 'शापित बा ,जे अपना पड़ोसी के धोखाधड़ी से मार देला, आ जे देखले आ सुनले बा, उ सब कहे कि अईसन होखे; आ जे आदमी देखले बा आ ना घोषित कइले बा, ओकरा के दोसरा जइसन अभिशप्त होखे के चाहीं.'
6 एही से हमनी के जब हमनी के प्रभु परमेश्वर के सामने आवेनी जा त उ सब पाप के घोषणा करेनी जा जवन आकाश आ धरती पर, उजाला आ अन्हार में आ हर जगह होला।
7 आदम आ उनकर मेहरारू चार हफ्ता [99-127 AM] हाबिल खातिर शोक कइलन आ पांचवा हफ्ता के चउथा साल [130 AM] में ऊ लोग खुश हो गइलन आ आदम अपना मेहरारू के फेर से जान गइलन आ ऊ उनका खातिर एगो बेटा जनम दिहलन आ उनकर नाम सेठ रखलन। काहे कि ऊ कहले रहले कि 'परमेशवर हमनी खातिर हाबिल के जगह धरती पर दूसरा संतान खड़ा कइले बाड़न; काहे कि कैन ओकरा के मार दिहले.'
8 छठवाँ हफ्ता [134-40 AM] में उनकर बेटी अज़ूरा के जनम भइल।
9 कैन अपना बहिन के आपन मेहरारू बना लिहले आ चउथा जयंती के अंत में ऊ हनोक के जनम दिहली। [190-196 AM] आ पांचवीं जयंती के पहिला हफ्ता के पहिला साल में [197 AM] धरती पर घर बनल आ कैन एगो शहर बनवले आ ओकर नाम अपना बेटा हनोक के नाम पर रखले।
10 आदम आपन मेहरारू हव्वा के जान गइलन आ उनकर नौ गो बेटा भइल।
11 पांचवा जयंती के पांचवा हफ्ता [225-31 AM] सेत अपना बहिन के अज़ूरा के आपन पत्नी बना लेले अवुरी चउथा (छठवां सप्ताह के साल) [235 AM] में उनुका से एनोस के जन्म भईल।
12 उ धरती पर प्रभु के नाम पुकारे लगले।
13 सातवाँ जयंती पर तीसरा हफ्ता [309-15 AM] एनोस अपना बहिन के नोआम के आपन मेहरारू बना लिहलन आ पाँचवा हफ्ता के तीसरा साल में ऊ एगो बेटा के जनम दिहलन आ ऊ उनकर नाम केनान रखलन।
14 आठवीं जयंती के अंत में [325, 386-3992 AM] केनान अपना बहिन के मुअलेलेट के आपन मेहरारू बना लिहले आ ऊ नौवीं जयंती में, एह हफ्ता के तीसरा साल के पहिला हफ्ता में, [395 AM] ओकरा खातिर एगो बेटा पैदा कइली आ ऊ आपन नाम महलालेल रखले।
15 दसवीं जुबली के दूसरा हफ्ता [449-55 AM] महलालेल अपना पिता के भाई के बेटी बरकीएल के बेटी दीना के पत्नी के रूप में बियाह कईले अवुरी छठवां साल में तीसरा सप्ताह में उनुका के एगो बेटा पैदा कईले, [461 AM] अवुरी उ उनुकर नाम यारेद रखले, काहेंकी उनुका दिन में प्रभु के दूत धरती प उतरत रहले, उ लोग जे... के नाम पहरेदार रखल गइल बा कि ऊ लोग मनुष्य के संतान के शिक्षा देवे आ धरती पर न्याय आ सीधापन करे।
16 आ एगारहवीं जयंती में [512-18 AM] यारेद अपना एगो मेहरारू के बियाह कइलें आ ओकर नाँव बरका रहे, जे अपना पिता के भाई के बेटी रसूजाल के बेटी रहली, एह जयंती के चउथा हफ्ता [522 AM] आ ऊ पाँचवा हफ्ता में, जयंती के चउथा साल में एगो बेटा के जनम दिहली आ ऊ उनकर नाम रखले हनोक के ह।
17 ऊ धरती पर जनमल आदमी में से पहिला आदमी रहलन जे लेखन आ ज्ञान आ बुद्धि सीखलस आ स्वर्ग के चिन्हन के महीना के क्रम के अनुसार एगो किताब में लिखले रहलन ताकि लोग सालन के मौसम के अपना अलग-अलग महीना के क्रम के अनुसार जान सके।
18 उ सबसे पहिले गवाही लिखले रहले अवुरी उ धरती के पीढ़ी-दर-पीढ़ी के बीच में आदमी के बेटा के गवाही देले, अवुरी जुबली के हफ्ता के बारे में बतवले अवुरी साल के दिन के बारे में बतावत रहले अवुरी महीना के क्रम में बतवले अवुरी साल के सब्त के दिन बतवले, जईसे हमनी के उनुका के जानत रहनी।
19 उ अपना नींद के दर्शन में का देखले अवुरी का होई, जईसे कि आदमी के संतान के संगे-संगे न्याय के दिन तक होई। उ सब कुछ देख के समझ गईले अवुरी आपन गवाही लिखले अवुरी उ गवाही के धरती प सभ आदमी के संतान अवुरी उनुका पीढ़ी खाती रख देले।
20 बारहवाँ जयंती [582-88] में सातवाँ हफ्ता में ऊ एगो मेहरारू बियाह कइलन आ ओकर नाम एडना रहे, जवन कि अपना पिता के भाई के बेटी दानेल के बेटी रहली आ छठवाँ साल में एह हफ्ता [587 AM] में ऊ एगो बेटा भइली आ ऊ ओकर नाम मथुसेला रख दिहलन।
21 एह छह साल के जुबली पर उ परमेश्वर के स्वर्गदूतन के साथे रहले आ उ लोग उनका के धरती आ आकाश में जवन कुछ भी बा, सूरज के शासन के बारे में देखावत रहले आ उ सब कुछ लिखले रहले।
22 ऊ चौकीदार लोग के गवाही दिहलन जे लोग आदमी के बेटी लोग के साथे पाप कइले बा। काहे कि ई लोग आदमी के बेटी लोग के साथे एकजुट होखे लागल रहे, ताकि उ लोग अशुद्ध हो जास, आ हनोक (ओकनी के) सब के खिलाफ गवाही देले रहले।
23 ओकरा के आदमी के संतान के बीच से ले जाइल गइल आ हमनी के ओकरा के अदन के बगीचा में महिमा आ सम्मान से ले अइनी जा, आ देखऽ कि उहाँ ऊ दुनिया के निंदा आ न्याय आ आदमी के संतान के सब बुराई लिखत बाड़न।
24 ओकरा चलते (परमेशवर) बाढ़ के पानी पूरा अदन देश पर ले अइले। काहे कि उहाँ उनुका के एगो निशानी के रूप में राखल गईल रहे अवुरी उ सभ मनुष्य के संतान के खिलाफ गवाही देवे,

कि उ सजा के दिन तक पीढ़ी-दर-पीढ़ी के सभ काम के बारे में बतावे।
25 ऊ पवित्र स्थान के धूप, (इहाँ तक कि) पहाड़ पर प्रभु के सामने स्वीकार्य मीठ मसाला जरा दिहले।
26 काहेकि प्रभु के धरती पर चार जगह बा, अदन के बगीचा आ पूरब के पहाड़ आ ई पहाड़ जवना पर तू आज बानी, सिनाई पहाड़ आ सिय्योन पहाड़ (जवन धरती के पवित्र करे खातिर नया सृष्टि में पवित्र कइल जाई। एकरा माध्यम से धरती के दुनिया के पूरा पीढ़ी तक सभ (अपना) अपराध अवुरी ओकर अशुद्धता से पवित्र कईल जाई।
27 चौदहवाँ जुबली [652 AM] में मथुसेल तीसरा हफ्ता में, एह हफ्ता के पहिला साल [701-7 AM] में अपना पिता के भाई के बेटी अग्रियल के बेटी एडना के बियाह कइलन आ उनकर एगो बेटा भइल आ उनकर नाम लामेक रखलस।
28 तीसरा हफ्ता में पन्द्रहवाँ जयंती में लामेक एगो मेहरारू बियाह कइलन आ ओकर नाम बेतेनोस रहे जवन अपना पिता के भाई के बेटी बरकील के बेटी रहली आ एही हफ्ता उनुका के एगो बेटा भइल आ ऊ ओकर नाम नूह रखले आ कहलन कि ई हमरा के हमरा परेशानी आ हमार सगरी काम आ जमीन खातिर दिलासा दिही जवना के प्रभु श्राप दिहले बाड़न.
29 उन्नीसवीं जुबली के अंत में, छठवाँ साल [930 AM] के सातवाँ हफ्ता में आदम के मौत हो गइल आ उनकर सब बेटा उनका के अपना सृष्टि के देश में दफना दिहलन आ ऊ सबसे पहिले धरती पर दफनावल गइलन।
30 ओकरा में एक हजार साल के सत्तर साल के कमी रहे। काहे कि एक हजार साल आकाश के गवाही में एक दिन निहन बा अवुरी एहीसे ज्ञान के पेड़ के बारे में लिखल गईल रहे कि, 'जवना दिन तू ओकरा के खाईब, ओ दिन मरब।' एही कारण से उ एह दिन के साल पूरा ना कईले; काहे कि ओकरा दौरान उनुकर मौत हो गईल रहे।
31 एह जयंती के अंत में कैन के उनकरा बाद ओही साल मार दिहल गइल। काहे कि ओकर घर ओकरा पर गिर गइल आ ऊ ओकरा घर के बीच में मर गइल आ ओकरा पत्थर से ओकर मौत हो गइल. काहे कि ऊ पत्थर से हाबिल के मार दिहले रहले आ धार्मिक न्याय में पत्थर से मारल गइल रहले.
32 एही से स्वर्ग के पाटी पर लिखल रहे कि जवना वाद्ययंत्र से आदमी अपना पड़ोसी के ओही से मार देला, ओकरा के मारल जाई। जवना तरह से उ ओकरा के घायल कईले बाड़े, ओसही उ लोग ओकरा संगे व्यवहार करीहे।'
33 पच्चीसवाँ [1205 AM] जयंती में नूह अपना खातिर एगो मेहरारू बियाह कइलन आ ओकर नाम इमजारा रहे, जे अपना पिता के भाई के बेटी रहली, पांचवा हफ्ता [1207 AM] में पहिला साल में, आ तीसरा साल में ऊ ओकरा से पांचवा साल [1209] में शेम के जनम दिहली AM] ऊ ओकरा के हाम के जनम दिहली आ छठवाँ हफ्ता [1212 AM] में पहिला साल में ऊ ओकरा के याफेत के जनम दिहली।

अध्याय 5 के बा

1 जब मनुष्य के संतान धरती पर बढ़े लगले आ बेटी के जनम भइल त भगवान के दूत एह जयंती के एगो साल में ओह लोग के देखले कि ऊ लोग देखे में सुन्दर रहे। उ लोग जेकरा के चुनले रहे, ओकरा के अपना के पत्नी बना लेले अवुरी उ लोग के बेटा पैदा भईल अवुरी उ लोग दिग्गज हो गईले।
2 आ धरती पर अराजकता बढ़ल आ सब मांस ओकर रास्ता खराब कर दिहलस, जइसे कि आदमी, मवेशी, जानवर आ चिरई आ धरती पर चले वाला हर चीज -सब आपन रास्ता आ आदेश के बिगाड़ दिहलस, आ एक दूसरा के खाए लागल, आ धरती पर अराजकता बढ़ल आ सभ आदमी के विचार के हर कल्पना (होत) लगातार बुरा रहल।
3 भगवान धरती के देखलन त देखलन कि ऊ धरती खराब हो गइल बा आ सब शरीर ओकर व्यवस्था के खराब कर दिहले बा आ धरती पर मौजूद सब लोग उनुका नजर में तरह तरह के बुराई कइले बा.
4 ऊ कहलन कि ऊ आदमी आ ओह धरती पर मौजूद सगरी मांस के नाश कर दीहें जवन ऊ बनवले बाड़न.
5 लेकिन नूह के प्रभु के नजर में अनुग्रह मिलल।
6 आ जवना स्वर्गदूतन के ऊ धरती पर भेजले रहले, ओह लोग पर ऊ बहुते गुस्सा में आ गइलन आ ऊ आज्ञा दिहलन कि ओह लोग के अपना पूरा राज से जड़ से उखाड़ फेंकल जाव आ ऊ हमनी के आदेश दिहलन कि ओह लोग के धरती के गहिराई में बान्हल जाव आ देखल जाव कि ऊ लोग ओह लोग के बीच में बान्हल बा आ अलगा (रहल) बा.
7 उनकरा बेटा लोग के खिलाफ उनकर चेहरा से एगो आज्ञा निकलल कि उ लोग के तलवार से मार दिहल जाव आ स्वर्ग के नीचे से हटा दिहल जाव।
8 ऊ कहलन कि हमार आत्मा हमेशा आदमी पर ना रही; काहे कि ऊ लोग भी मांस हवे आ ओह लोग के दिन एक सौ बीस साल होखी'।
9 ऊ आपन तलवार ओह लोग के बीच भेजलन कि हर केहू अपना पड़ोसी के मार देव आ ऊ लोग एक दोसरा के तबले मारे लागल जबले कि ऊ सब तलवार से ना गिर गइल आ धरती से नाश ना हो गइल.
10 आ उनकर बाप-दादा (ओकनी के विनाश के) गवाह रहलन, आ एकरा बाद ऊ लोग धरती के गहराई में हमेशा खातिर बान्हल रहलन, जब तक कि बड़का दण्ड के दिन तक, जब तक कि प्रभु के सामने आपन रास्ता आ काम के बिगाड़ल सब लोग पर न्याय हो जाला।
11 उ सबके अपना जगह से नष्ट क देले अवुरी ओ लोग में से एकहु ना रह गईल, जेकरा के उ ओ लोग के पूरा बुराई के मुताबिक न्याय ना कईले।
12 उ अपना सब काम खातिर एगो नया आ धर्मी स्वभाव बनवले, ताकि उ लोग हमेशा खातिर अपना पूरा स्वभाव में पाप ना करे, बल्कि हर एक अपना तरह से हमेशा धर्मी रहस।
13 आ सभकर न्याय धर्म के रूप में स्वर्ग के पाटी पर निर्धारित आ लिखल गइल बा -इहाँ तक कि (न्याय) सभ जे ओह रास्ता से हट जाला जवना पर चले खातिर तय कइल गइल बा; आ अगर ऊ लोग ओहमें ना चले त हर प्राणी आ हर तरह के न्याय लिखल बा.
14 आऊ आकाश में, ना धरती पर, ना रोशनी में, ना अन्हार में, ना शीओल में, ना गहिराई में, आ अन्हार के जगह पर (जवना के न्याय ना कइल जाला)। आ ओह लोग के सगरी फैसला निर्धारित आ लिखल आ उकेरल बा.

15 उ सब के बारे में न्याय करीहे,बड़ के अपना महानता के हिसाब से, छोट के अपना छोटपन के हिसाब से अवुरी हरेक के अपना तरीका के मुताबिक।
16 आ ऊ अइसन ना हवें जे (केहू के व्यक्ति के) परवाह करीहें आ ना ऊ वरदान पावे वाला हवें, अगर ऊ कहत बाड़न कि ऊ हर आदमी पर न्याय करीहें, अगर केहू धरती पर मौजूद सब कुछ दे दिहलस त ऊ वरदान भा व्यक्ति (केहू के) के परवाह ना करी, ना ही ओकरा हाथ से कुछ भी स्वीकार करी, काहे कि ऊ एगो धर्मी न्यायाधीश हवे।
17 आ इस्राएल के लोग के बारे में लिखल आ नियुक्त कइल गइल बा कि अगर उ लोग धार्मिकता में उनकरा ओर मुड़ जास त उ उनकर सब अपराध माफ कर दिहे आ उनकर सब पाप माफ कर दिहे।
18 लिखल आ नियम बा कि उ हर साल एक बेर अपना सब अपराध से मुक्त होखे वाला सब पर दया करीहे।
19 जलप्रलय से पहिले आपन राह आ विचार के बिगाड़ल सब लोग के बात खाली नूह के छोड़ के केहू के आदमी के स्वीकार ना कइल गइल। काहे कि उनकर व्यक्ति उनकर बेटा लोग के खातिर स्वीकार कइल गइल, जेकरा के (परमेशवर) उनकरा चलते जलप्रलय के पानी से बचा लिहले। काहेकि उनकर मन अपना सब रास्ता में धर्मी रहे, जइसन कि उनकरा बारे में आज्ञा दिहल गइल रहे, आ उ अपना खातिर निर्धारित कवनो चीज से ना हटले रहले।
20 प्रभु कहलन कि ऊ धरती पर मौजूद हर चीज के नष्ट कर दीहें, आदमी आ पशु, जानवर, हवा के चिरई आ धरती पर चले वाला चीज। आऊ नूह के आज्ञा दिहलन कि ऊ ओकरा खातिर एगो जहाज बनावस, ताकि ऊ अपना के जलप्रलय के पानी से बचा सके।
21 नूह हर तरह से जहाज बनवले जइसन कि ऊ अपना आज्ञा दिहले रहले, साल के सत्ताईसवाँ जुबली में, पांचवा साल के पांचवा हफ्ता में (पहिला महीना के अमावस्या के दिन)। [1307 बजे से बा]।
22 ओकरा छठवाँ (साल) में, [1308 AM] दूसरा महीना में, दूसरा महीना के अमावस्या के दिन, सोलहवाँ महीना तक प्रवेश कइलन। ऊ आ हमनी के जवन कुछ भी उनका लगे ले अइनी जा, ओकरा में घुस गइलन आ सतरहवीं साँझ के प्रभु ओकरा के बाहर से बंद कर दिहलन।
23 प्रभु स्वर्ग के सात गो बाढ़ के फाटक खोल दिहलन, आ बड़हन गहिराई के फव्वारा के मुँह खोल दिहलन, जवना के संख्या सात मुँह रहे।
24 बाढ़ के फाटक से चालीस दिन चालीस रात तक पानी बहे लागल आ गहिराह के फव्वारा से पानी भी बहत रहे जब तक कि पूरा दुनिया पानी से भरल ना हो गईल।
25 पानी धरती पर बढ़ल, पानी सब ऊँच पहाड़न से पन्द्रह हाथ ऊपर उठल आ जहाज धरती से ऊपर उठल आ पानी के ऊपर सरक गइल।
26 पानी धरती पर पांच महीना -एक सौ पचास दिन तक बहल।
27 जहाज जाके अरारात के पहाड़न में से एगो लुबर के चोटी पर टिक गइल।
28 अमावस्या के दिन चउथा महीना में बहुत गहिराह के फव्वारा बंद हो गइल आ स्वर्ग के बाढ़ के फाटक बंद हो गइल। सातवाँ महीना के अमावस्या पर धरती के खाई के सब मुँह खुल गइल आ पानी नीचे के गहिराई में उतरे लागल।
29 दसवाँ महीना के अमावस्या पर पहाड़ के चोटी लउकल आ पहिला महीना के अमावस्या पर धरती लउकल।
30 सातवाँ साल में पांचवा हफ्ता में धरती के ऊपर से पानी गायब हो गइल आ दूसरा महीना के सतरहवाँ दिन धरती सूख गइल।
31 ओकरा सत्ताईसवाँ दिन ऊ सन्दूक खोललन आ ओकरा में से जानवर, मवेशी, चिरई आ हर हिलत-डुलत चीज भेजलन।

अध्याय 6 के बा

1 तीसरा महीना के अमावस्या के दिन ऊ जहाज से निकल के ओह पहाड़ पर एगो वेदी बनवले।
2 ऊ धरती खातिर प्रायश्चित कइलन आ एगो बछड़ा के लेके ओकरा खून से धरती के सब अपराध के प्रायश्चित कइलन। काहेकि ओकरा पर जवन कुछ रहे उ सब कुछ नाश हो गईल रहे, सिवाय ओह लोग के जे नूह के साथे जहाज में रहे|
3 ओकर चर्बी वेदी पर रख के एगो बैल, बकरी, भेड़ आ बच्ची, नमक, कछुआ कबूतर आ कबूतर के बच्चा लेके वेदी पर होमबलि डाल के ओकरा पर तेल मिला के बलिदान डाल दिहलन आ हर चीज पर शराब छिड़क के लोबान छिड़क के एगो बढ़िया स्वाद लेहले उठ, प्रभु के सामने स्वीकार्य।
4 प्रभु सुगंध के गंध सुंघले आ ओकरा से एगो वाचा कइलन कि अब धरती के नाश करे खातिर बाढ़ ना आवे। कि धरती के बीज-समय आ फसल के सब दिन कबो ना रुके। ठंडा आ गर्मी, आ गर्मी आ जाड़ा, आ दिन-रात के क्रम ना बदले के चाहीं, ना हमेशा खातिर बंद होखे के चाहीं.
5 'आउर तू लोग, धरती पर बढ़ीं आ बढ़ीं आ ओकरा पर ढेर हो जाईं आ ओकरा पर आशीर्वाद बनीं।' तोहरा से डर आ तोहरा भय के हम धरती आ समुंदर में जवन कुछ बा ओकरा में प्रेरित करब।
6 हम तोहनी के सब जानवर, पाँख वाला सब चीज, धरती पर चले वाला हर चीज, पानी में मछरी आ सब कुछ भोजन खातिर देले बानी। हरियर जड़ी-बूटी के रूप में, हम तोहरा के खाए खातिर सब कुछ देले बानी।
7 लेकिन मांस, ओकर जान आ खून के साथे, तू लोग ना खाईं। काहेकि सब शरीर के जान खून में बा, ताकि तोहनी के जीवन के खून के जरूरत ना पड़े। हर आदमी के हाथ से, हर (जानवर) के हाथ से हम आदमी के खून के मांग करब।
8 जे आदमी के खून आदमी के द्वारा बहावेला, ओकर खून बहल जाई, काहेकि उ परमेश्वर के प्रतिरूप में आदमी बनवले बाड़े।
9 आ तू लोग बढ़ीं आ धरती पर बढ़त जा।'
10 नूह आ उनकर बेटा कसम खइले कि उ लोग कवनो खून में होखे वाला कवनो खून ना खाईहे, आ उ एह महीना में धरती के सब पीढ़ी में हमेशा खातिर प्रभु परमेश्वर के सामने एगो वाचा कईले।
11 एही से उ तोहरा से कहले रहले कि तू एह महीना में इस्राएल के संतान के संगे शपथ के संगे पहाड़ प एगो वाचा करीं अवुरी उनुका प खून छिड़क दिही, काहेंकी उ वाचा के सभ बात के चलते, जवन कि प्रभु उनुका संगे हमेशा खाती कईले रहले।
12 तोहनी के बारे में इ गवाही लिखल बा कि तू लोग लगातार एकर पालन करीं, ताकि धरती के पूरा दिन में कवनो दिन जानवर

चाहे चिरई चाहे मवेशी के खून ना खाए के चाही अवुरी जवन आदमी धरती के दिन में जानवर चाहे मवेशी चाहे चिरई के खून खाई, उ अवुरी ओकर संतान देश से जड़ से उखाड़ फेंकल जाई।
13 आ तू इस्राएल के लोग के आज्ञा दीं कि ऊ लोग खून ना खाए, ताकि उनकर नाम आ संतान हमेशा हमनी के परमेश्वर प्रभु के सामने रहे।
14 एह व्यवस्था खातिर दिन के कवनो सीमा नइखे, काहे कि ई हमेशा खातिर बा। उ लोग अपना पीढ़ी-दर-पीढ़ी एकरा के पालन करीहे ताकि वेदी के सामने खून से तोहरा खातिर निहोरा करत रहस। हर दिन आ सबेरे आ साँझ के समय ऊ लोग रउरा ओर से हमेशा खातिर प्रभु के सामने माफी मांगी ताकि ऊ लोग एकरा के रख सके आ जड़ से ना उखाड़ल जा सके।
15 ऊ नूह आ उनकर बेटा लोग के एगो निशानी दिहलन कि धरती पर फेर से जलप्रलय ना होखे।
16 ऊ अनन्त वाचा के निशानी खातिर बादल में आपन धनुष रखलन कि धरती पर फेर से जलप्रलय ना होखे जवन धरती के पूरा दिन ओकरा के नाश कर सके।
17 एही से स्वर्ग के पाटी पर इ नियम आ लिखल बा कि उ लोग साल में एक बेर एह महीना में हफ्ता के परब मनावे, ताकि हर साल वाचा के नवीकरण हो सके।
18 आ ई पूरा परब सृष्टि के दिन से लेके नूह के दिन तक स्वर्ग में मनावल गइल -छब्बीस जयंती आ पांच हफ्ता के साल [1309-1659 AM]: आ नूह आ उनकर बेटा लोग सात जयंती आ एक हफ्ता के साल तक, नूह के मौत के दिन तक, आ नूह के मौत के दिन से लेके, अब्राहम के दिन तक एकरा के खतम कर दिहल। आ खून खात बाड़े।
19 लेकिन इब्राहीम एकरा के पालन कईले अवुरी इसहाक, याकूब अवुरी उनुकर संतान आपके दिन तक एकरा के पालन कईले अवुरी तोहरा जमाना में इस्राएल के लोग एकरा के तब तक भूला गईले, जब तक कि तू एकरा के नाया से ए पहाड़ प ना मनवले।
20 तू इस्राएल के लोग के आज्ञा देके कि उ लोग के आज्ञा के रूप में पूरा पीढ़ी में ई परब मनावे के चाहीं, साल में एक दिन एह महीना में उ लोग परब मनावे के चाहीं।
21 काहेकि ई हफ्ता के परब आ पहिला फल के परब ह, ई परब दू तरह के बा आ दुगो प्रकृति के बा, जवना के बारे में लिखल आ उकेरल बा, ओकरा अनुसार एकरा के मनाईं।
22 काहे कि हम पहिला व्यवस्था के किताब में लिखले बानी जवन हम तोहरा खातिर लिखले बानी कि तू एकरा के अपना समय में, साल में एक दिन मनावे के चाही, अवुरी हम तोहरा के एकर बलिदान के बारे में बता देले बानी, ताकि इस्राएल के लोग याद राखे अवुरी ए महीना में अपना पीढ़ी तक एकरा के मनावे, हर साल एक दिन।
23 पहिला महीना के अमावस्या, चउथा महीना के अमावस्या, सातवाँ महीना के अमावस्या आ दसवाँ महीना के अमावस्या के दिन याद के दिन होला आ साल के चार भाग में मौसम के दिन होला। ई सब लिखल आ हमेशा खातिर गवाही के रूप में नियुक्त कइल गइल बा।
24 नूह उ लोग के पीढ़-पीढ़ी खातिर हमेशा खातिर भोज के रूप में अपना खातिर तय कईले, ताकि उ लोग उनुका के यादगार बन गईले।
25 पहिला महीना के अमावस्या के दिन उनुका के एगो जहाज बनावे के कहल गईल, अवुरी ओ दिन धरती सूख गईल अवुरी उ जहाज खोल के धरती के देखले।
26 चउथा महीना के अमावस्या पर नीचे के खाई के गहिराई के मुँह बंद हो गइल। सातवाँ महीना के अमावस्या पर धरती के खाई के सब मुँह खुल गइल आ पानी ओहमें उतरे लागल।
27 दसवाँ महीना के अमावस्या पर पहाड़न के चोटी लउकल आ नूह खुश हो गइलन।
28 एही से ऊ ओह लोग के हमेशा खातिर स्मारक के रूप में अपना खातिर भोज के रूप में नियुक्त कइले बाड़न आ एही तरह से ओह लोग के नियुक्ति कइल गइल बा.
29 ऊ लोग ओकरा के स्वर्ग के पाटी पर रख दिहल, हर पाटी के तेरह हफ्ता के समय रहे। एक से दूसरा (पास) आपन स्मारक, पहिला से दूसरा, आ दूसरा से तीसरा, आ तीसरा से चउथा।
30 आज्ञा के सब दिन दु-पचास हफ्ता के दिन के होई अवुरी (इहे पूरा साल पूरा क दिही। एह तरह से एकरा के स्वर्गीय पाटी पर उकेरल आ नियुक्त कइल गइल बा।
31 आ एक साल भा साल दर साल (एह आज्ञा) के कवनो उपेक्षा ना होला।
32 आ तू इस्राएल के लोग के आज्ञा दीं कि ऊ लोग एह हिसाब से सालन के पालन करे- तीन सौ चौंसठ दिन, आ (ई) एगो पूरा साल के गठन करी, आ ऊ लोग एकर समय के ओकरा दिन से आ ओकर भोज से ना परेशान करी। काहे कि ओह लोग में सब कुछ ओह लोग के गवाही के हिसाब से गिर जाई आ ऊ लोग कवनो दिन ना छोड़ी आ ना कवनो भोज के परेशान करी.
33 लेकिन अगर उ लोग उनकर आज्ञा के अनुसार उपेक्षा करी आ उनकर पालन ना करी त उ लोग आपन सब मौसम के परेशान करी आ साल के एह (क्रम से हटा दिहल जाई), [आ उ लोग मौसम के परेशान करी आ साल के बेदखल हो जाई] आ उ लोग अपना नियम के उपेक्षा करी।
34 इस्राएल के सब लोग भुला जइहें आ सालन के रास्ता ना पाईहें आ अमावस्या, मौसम आ सब्त के दिन भुला जइहें आ सालन के क्रम के हिसाब से गलत हो जइहें।
35 काहे कि हम जानत बानी आ अब से हम एकरा के तोहरा के बता देब, आ ई हमरा खुद के योजना से ना ह। काहे कि हमरा से पहिले लिखल किताब (झूठ) आ स्वर्ग के पाटी पर दिन के बँटवारा तय कइल गइल बा, कहीं ऊ लोग वाचा के परब के भुला के अपना गलती आ अज्ञानता के बाद गैर-यहूदी लोग के परब के अनुसार ना चले।
36 काहे कि अइसनो लोग होई जे चंद्रमा के निरीक्षण जरूर करी -कइसे (ई) मौसम के परेशान करेला आ साल दर साल दस दिन बहुत जल्दी आवेला।
37 एही से ओह लोग पर अइसन साल आई जब ऊ लोग (क्रम के भंग करी), आ एगो घिनौना (दिन) के गवाही के दिन बनाई, आ एगो अशुद्ध दिन के परब के दिन बनाई, आ ऊ लोग सब दिन के, पवित्र दिन के अशुद्ध से, आ अशुद्ध दिन के पवित्र दिन के साथ, भ्रमित करी। काहे कि महीना आ सब्त आ भोज आ जुबली के बारे में उ लोग गलत हो जइहें।
38 एही से हम तोहरा के आज्ञा देत बानी आ गवाही देत बानी कि तू ओह लोग के गवाही दीं। काहे कि तोहार मरला के बाद तोहार लइका (ओकनी के) परेशान करीहें कि ऊ लोग साल के खाली तीन सौ चौंसठ दिन ना बनाई आ एही से अमावस्या आ मौसम आ

सब्त आ परब के बारे में गलत हो जइहें आ हर तरह के खून के हर तरह के मांस खा जइहें।

अध्याय 7 के बा

1 एकरा पहिला साल [1317 AM] में सातवाँ हफ्ता में, एह जयंती में, नूह ओह पहाड़ पर बेल लगवले जवना पर जहाज टिकल रहे, ओकर नाम लुबर रहे, जवन अरारात पर्वत में से एगो रहे, आ चउथा साल [1320 AM] में फल पैदा भइल आ ऊ ओह लोग के फल के पहरा दिहलन आ एह साल सातवाँ महीना में एकरा के बटोर लिहलन।
2 ओकरा से शराब बना के एगो बर्तन में डाल के पांचवा साल [1321 AM] तक पहिला महीना के अमावस्या के पहिला दिन तक रखले।
3 ऊ एह भोज के दिन खुशी से मनावत रहले आ प्रभु खातिर होमबलि चढ़वले, एगो बैल के बच्चा आ एगो मेढ़ा, आ सात गो भेड़, हर एक साल के उमिर आ एगो बकरी के बकरी, ताकि ऊ अपना आ अपना बेटा लोग के प्रायश्चित कर सकस।
4 ऊ पहिले बछड़ा के तइयार कइलन आ ओकर खून में से कुछ ओह मांस पर डाल दिहलन जवन ऊ ओह वेदी पर रहे जवन ऊ बनवले रहले आ ऊ सब चर्बी ओह वेदी पर डाल दिहलन जहाँ ऊ होमबलि चढ़वले रहले, बैल आ मेढ़क आ भेड़न के, आ ओह लोग के पूरा मांस वेदी पर रख दिहलन.
5 ओकरा पर तेल मिला के ओह लोग के सब बलिदान डाल दिहलन आ ओकरा बाद वेदी पर जवन आग पहिले बनवले रहले ओकरा पर शराब छिड़क दिहलन आ वेदी पर धूप डाल के एगो मीठ गंध के चढ़ा दिहलन जवन अपना परमेस् वर के सामने स्वीकार्य होखे.
6 ऊ आउर उनकर लइका-लइकी खुशी से खुश होके एह शराब से पी लिहले।
7 साँझ हो गइल आ ऊ अपना डेरा में घुस गइलन आ नशा में धुत्त होके लेट गइलन आ सुतत घरी अपना डेरा में उघार हो गइलन.
8 हाम अपना बाप नूह के नंगा देख के बाहर निकल के अपना दुनो भाई के बतवले।
9 शेम आपन कपड़ा लेके उठले, उ आ याफेत, उ लोग कपड़ा के अपना कंधा प रख के पीछे मुड़ के अपना पिता के लाज के ढंक देले अवुरी चेहरा पीछे मुड़ गईले।
10 नूह नींद से जाग के जान गइलन कि उनकर छोटका बेटा उनका साथे का कइले बा, आ ऊ अपना बेटा के गारी देत कहलन कि कनान के शाप दिहल गइल बा; उ अपना भाई लोग के गुलाम सेवक होई।'
11 ऊ शेम के आशीष दिहलन आ कहलन कि शेम के परमेश्वर प्रभु के धन्य होखे आ कनान ओकर सेवक होई।
12 परमेस् वर याफेत के बड़ करीहें आ शेम के निवास में परमेस् वर रहिहें आ कनान उनकर सेवक हो जइहें।'
13 हाम के पता चल गईल कि ओकर बाप अपना छोट बेटा के गारी देले बाड़े अवुरी उ नाराज रहले कि उ अपना बेटा के गारी देले बाड़े। उ अपना पिता से अलग हो गईले, उ अवुरी उनुका संगे उनुकर बेटा कुश, मिस्राईम, पुत अवुरी कनान।
14 उ अपना खातिर एगो शहर बनवले अवुरी ओकर नाम अपना पत्नी नेएलातमाउक के नाम प रखले।
15 याफेत एकरा के देख के अपना भाई से ईर्ष्या करे लगले अवुरी उहो अपना खाती एगो शहर बनवले अवुरी ओकर नाम अपना पत्नी के नाम से रखले।
16 शेम अपना पिता नूह के संगे रह गईले अवुरी उ पहाड़ प अपना पिता के नजदीक एगो शहर बनवले अवुरी उनुकर नाम भी अपना पत्नी सेदेकेतेलेबाब के नाम प रखले।
17 ई तीनों शहर लुबार पहाड़ के लगे बा। सेदेकेतेलेबाब अपना पूरब में पहाड़ के सामने; आ दक्खिन में ना'एलतमाउक; 'अदातन'सेस पश्चिम के ओर।
18 शेम के बेटा इहे हवें: एलाम, अशूर, अर्पचशाद -ई (बेटा) जलप्रलय के दू साल बाद पैदा भइल रहे- आ लुद आ अराम।
19 याफेत के बेटा गोमेर, मागोग, मदई, यावन, तुबल, मेशेक आ तीरास रहलन, ई लोग नूह के बेटा हवें।
20 आ अठाइसवाँ जयंती [1324-1372 AM] में नूह अपना बेटा लोग के नियम आ आज्ञा आ सभ न्याय के आज्ञा देवे लगलन जवन ऊ जानत रहलन, आ ऊ अपना बेटा लोग के धार्मिकता के पालन करे आ अपना शरीर के लाज के ढंक के अपना सृष्टिकर्ता के आशीष देवे, आ बाप-माई के आदर करे, आ अपना पड़ोसी से प्यार करे, आ... व्यभिचार आ अशुद्धि आ सब अधर्म से उनकर आत्मा के रक्षा करीं।
21 काहेकि एह तीनों चीजन के कारण धरती पर जलप्रलय आइल, यानी कि व्यभिचार के वजह से जवन पहरेदार लोग अपना नियम के नियम के खिलाफ आदमी के बेटी के पीछे वेश्यावृत्ति करत रहे आ उ लोग के चुनल सब के मेहरारू बना लेले रहले आ उ लोग अशुद्धता के शुरुआत कईले।
22 ऊ लोग नफीदीम के बेटा भइल आ ऊ सब एक दोसरा के अलगा हो गइल आ दिग्गज लोग नाफिल के मार दिहल आ नाफिल एल्जो आ एल्जो के मनुष्य आ एक आदमी के मार दिहल.
23 हर केहू अधर्म के काम करे आ बहुते खून बहावे खातिर बेच दिहलस आ धरती अधर्म से भर गइल।
24 एकरा बाद ऊ लोग जानवर आ चिरई आ धरती पर चले वाला सब चीजन के खिलाफ पाप कइल आ धरती पर बहुत खून बहल आ आदमी के हर कल्पना आ इच्छा लगातार आडंबर आ बुराई के कल्पना करत रहे।
25 प्रभु धरती पर से सब कुछ नष्ट कर दिहलन। ओह लोग के करनी के बुराई के चलते आ धरती के बीच में जवन खून बहवले रहले ओकरा चलते उ सब कुछ नष्ट क देले।
26 'हम आ तू, हमार बेटा आ हमनी के साथे जहाज में घुसल सब कुछ रह गईनी जा, आ देखऽ कि हम तोहार काम हमरा सामने देखत बानी कि तू लोग धार्मिकता से ना चले, काहे कि विनाश के रास्ता पर तू लोग चले लागल बाड़ऽ, आ तू लोग एक दूसरा से अलगा हो रहल बाड़ऽ, आ एक दूसरा से ईर्ष्या करत बाड़ऽ, आ (अइसन होला) कि तू लोग, हमार बेटा, हर एक अपना भाई के साथे मेल ना खात बाड़ऽ।
27 काहे कि हम देखत बानी, आ देखत बानी कि दानव तोहरा आ तोहरा लइकन के खिलाफ (अपना) बहकावा शुरू कर दिहले बा आ अब हमरा तोहरा ओर से डर लागत बा कि हमरा मरला के बाद तू लोग धरती पर आदमी के खून बहाईब आ तोहनी के भी धरती से नाश कर दिहल जाई।
28 काहेकि जे आदमी के खून बहावेला आ जे कवनो मांस के खून खाई, उ सब धरती से नाश हो जाई।

29 केहू खून खाए वाला आ धरती पर आदमी के खून बहावे वाला केहु ना रह जाई आ ना ही ओकरा खातिर स्वर्ग के नीचे रहे वाला कवनो संतान भा वंशज ना रह जाई। काहे कि ऊ लोग पाताल में जाई, आ दोषी ठहरावे के जगह पर उतरी, आ गहिराह के अन्हार में ऊ सब लोग हिंसक मौत से दूर हो जाई।
30 तोहनी पर ओह सब खून से कवनो खून ना लउकी जब तूँ धरती पर कवनो जानवर भा मवेशी भा जवन कुछ उड़त ओकरा के मारबऽ आ धरती पर जवन कुछ बहल बा ओकरा के ढंक के अपना आत्मा खातिर एगो बढ़िया काम करबऽ।
31 तू लोग खून से खाए वाला के जइसन ना होखब, बलुक अपना के रखीं कि तोहनी के सामने केहू खून ना खा सके, खून के ढंकल जाव, काहे कि हमरा के एह तरह से आज्ञा दिहल गइल बा कि हम तोहनी आ तोहनी के लइकन के साथे गवाही देब।
32 आ प्राण के मांस के साथे ना खाए दीं ताकि तोहार खून जवन तोहार जान ह, ओकरा के धरती पर बहावे वाला कवनो मांस के हाथ से ना माँगे।
33 काहे कि धरती पर जवन खून बहल बा ओकरा से साफ ना होई। काहे कि (केवल) ओकरा खून बहावे वाला के खून से धरती अपना पूरा पीढ़ी में शुद्ध हो जाई।
34 आ अब हे हमार लइका लोग, सुनीं, न्याय आ धार्मिकता के काम करीं कि शायद तू लोग पूरा धरती पर धार्मिकता में रोपले होखब, आ तोहार महिमा हमरा भगवान के सामने ऊपर उठ गइल, जे हमरा के जलप्रलय के पानी से बचा लिहले।
35 आ देखऽ, तू लोग जाके अपना खातिर शहर बनाइबऽ आ ओहमें धरती पर मौजूद सब पौधा रोपबऽ आ ओकरा अलावा फल देवे वाला सब पेड़ भी रोपबऽ।
36 तीन साल तक जवन कुछ भी खाइल जाला ओकर फल ना बटोरी, चउथा साल में ओकर फल पवित्र मानल जाई [आ उ लोग पहिला फल के चढ़ा दिहे], जवन परम परमेश्वर के सामने स्वीकार्य होई, जे आकाश आ धरती आ सब कुछ के रचना कइले बाड़न। शराब आ तेल (जइसे) पहिला फल के पहिला फल प्रभु के वेदी पर भरपूर मात्रा में चढ़ावे, जे ओकरा के पावेला, आ जवन कुछ बचल बा, ओकरा के पावे वाला वेदी के सामने प्रभु के घर के नौकर खाए।
37 पांचवा साल में तू लोग मुक्ति के अइसन बनाईं कि ओकरा के धार्मिकता आ सीधापन में छोड़ दीं, त तू लोग धर्मी होखब आ जवन कुछ भी रोपब उ सब फलित हो जाई।
38 काहे कि तोहार बाप के बाप हनोक अपना बेटा मथुसेला आ ओकर बेटा मथुसेला लामेक के आज्ञा देले रहले आ लामेक हमरा के उ सब बात के आज्ञा देले रहले जवन कि उनुकर पूर्वज उनुका के देले रहले।
39 हे बेटा लोग, हम तोहनी के आज्ञा देब, जईसे हनोक अपना बेटा के पहिला जयंती में आज्ञा देले रहले, उ अपना पीढ़ी में सातवाँ जयंती के जिंदा रहले, उ अपना बेटा अवुरी अपना बेटा के बेटा के मौत के दिन तक आज्ञा देले अवुरी गवाही देले।'

अध्याय 8 के बा

1 उनइसवाँ जयंती में पहिला हफ्ता [1373 AM] एकर शुरुआत में अर्पचशाद एगो मेहरारू ले लिहलन आ ओकर नाम रसुएजा रहे, ऊ एलाम के बेटी सुसान के बेटी रहली आ एह हफ्ता [1375 AM] के तीसरा साल में उनुका खातिर एगो बेटा भइल आ ऊ ओकर नाम कैनाम रख दिहलन।
2 बेटा बड़ हो गइल आ ओकर बाप ओकरा के लिखे के सिखवले आ ऊ अपना खातिर एगो अइसन जगह खोजे गइलन जहाँ ऊ अपना खातिर एगो शहर जब्त कर सके.
3 ओकरा एगो लेख मिलल जवन पहिले (पीढ़ी) चट्टान पर उकेरले रहे, आ ऊ ओकरा पर जवन रहे ओकरा के पढ़ के ओकरा के लिख के पाप कइलस। काहे कि एह में चौकीदार लोग के शिक्षा रहे जवना के अनुसार ऊ लोग स्वर्ग के सभ राशि में सूरज आ चंद्रमा आ तारा के शगुन के पालन करत रहे।
4 ऊ ओकरा के लिख के ओकरा बारे में कुछ ना कहलन। काहे कि ऊ नूह से एह बारे में बात करे से डेरात रहले कि कहीं ऊ एह बात से ओकरा पर नाराज ना हो जाव.
5 तीसवाँ जुबली [1429 AM] में दूसरा हफ्ता, पहिला साल में, उ अपना पत्नी के बियाह कईले अवुरी ओकर नाम मेलका रहे, जवन कि याफेत के बेटा मदाई के बेटी रहली अवुरी चउथा साल [1432 AM] में उनुकर एगो बेटा भईल अवुरी उनुकर नाम शेला रखल गईल। काहे कि ऊ कहले रहले कि, 'साँचहू हमरा के भेजल गइल बा।'
6 [चउथा साल में उनकर जनम भइल] आ शेला बड़ होके एगो मेहरारू के बियाह कइली आ ओकर नाम मुआक रहे, जे उनकर बाप के भाई केसेद के बेटी रहली।
7 ओकरा पाँचवा साल [1503 AM] में ऊ एगो बेटा के जनम दिहली आ ऊ ओकर नाम एबर रख दिहलन आ ऊ अपना मेहरारू के बियाह कइलन आ ओकर नाम नब्रोद के बेटी अजूराद रहे, बत्तीसवाँ जयंती में सातवाँ हफ्ता में तिसरका साल में। [1564 बजे] के बा।
8 छठवाँ साल [1567 AM] में उनकर बेटा भइल आ ऊ ओकर नाम पेलेग रख दिहलस। काहे कि जब उनकर जनम भइल रहे तबहिए नूह के संतान धरती के आपस में बाँटे लगले, एही से ऊ उनकर नाम पेलेग रखले रहले।
9 उ लोग गुप्त रूप से आपस में बांट के नूह के बतवले।
10 तेतीसवाँ जयंती के शुरुआत में ऊ लोग धरती के तीन भाग में बाँट दिहल, काहे कि शेम आ हाम आ याफेत हर एक के विरासत के हिसाब से पहिला हफ्ता में पहिला साल में जब हमनी में से केहू भेजल गइल रहे, ओह लोग के साथे रहे।
11 ऊ अपना बेटा लोग के बोलवले आ ऊ लोग आ अपना लइकन के ओकरा लगे आ गइल आ ऊ धरती के चिट्ठी में बाँट दिहलन जवना के ओकर तीनों बेटा अपना कब्जा में लेबे वाला रहले आ ऊ लोग हाथ बढ़ा के आपन बाप नूह के छाती से लिखल लेख निकाल लिहले.
12 आ लेखन पर शेम के भाग्य के रूप में धरती के बीच के हिस्सा निकलल जवना के ऊ अनन्त काल तक अपना आ अपना बेटा लोग खातिर विरासत के रूप में लेबे के चाहीं, राफा के पहाड़ी श्रृंखला के बीच से, टीना नदी से पानी के मुहाना से, आ ओकर हिस्सा एह नदी के बीच से पश्चिम के ओर जाला, आ ऊ तब तक फइलल बा जबले कि ऊ 1990 के पानी तक ना पहुँच जाव खाई, जवना से ई नदी निकल के आपन पानी समुंद्र मेअत में डालेले आ ई नदी बड़का समुन्दर में बहेले। आ उत्तर के ओर जवन कुछ बा ऊ याफेत के ह आ दक्खिन ओर जवन कुछ बा ऊ शेम के ह.

13 आ ई करसो तक ले फइलल बा, ई दक्खिन के ओर देखे वाली जीभ के छाती में बा।
14 ओकर हिस्सा बड़का समुंदर के किनारे फइलल बा आ ई सीधा रेखा में फइलल बा जबले कि ऊ दक्खिन के ओर देखे वाला जीभ के पच्छिम में ना पहुँच जाला, काहे कि एह समुंदर के नाम मिस्र के सागर के जीभ रखल गइल बा।
15 आ इहाँ से दक्खिन ओर मुड़ के (अपना) पानी के किनारे बड़हन समुन्दर के मुहाना के ओर मुड़ के पश्चिम के ओर अफ्रा तक ले फइलल बा आ गिहोन नदी के पानी तक ले फइलल बा आ गिहोन के पानी के दक्खिन ओर एह नदी के किनारे तक ले फइलल बा।
16 आ ई पूरब के ओर फइलल बा, जबले कि ऊ अदन के बगीचा में ना पहुँच जाला, ओकरा दक्खिन में, [दक्खिन में] आ पूरा अदन देश के पूरब से आ पूरा पूरब के ओर से, पूरब के ओर मुड़ के राफा नाम के पहाड़ के पूरब में पहुँचे ले आ टीना नदी के मुहाना के किनारे नीचे उतरे ला।
17 ई हिस्सा शेम आ उनकर बेटा लोग खातिर चिट्ठी से निकलल कि ऊ लोग एकरा के हमेशा खातिर उनकर पीढ़ियन तक हमेशा खातिर अपना कब्जा में ले लेव।
18 नूह के खुशी भइल कि ई हिस्सा शेम आ उनकर बेटा लोग खातिर मिलल आ ऊ सब बात याद कइलन जवन ऊ भविष्यवाणी में अपना मुँह से कहले रहले। काहे कि ऊ कहले रहले कि, 'शेम के भगवान प्रभु के धन्य होखे आ प्रभु शेम के निवास में रहस।'
19 ऊ जान गइलन कि अदन के बगीचा पवित्र जगहन के पवित्र जगह ह, आ प्रभु के निवास ह, आ सिनाई पहाड़ रेगिस्तान के केंद्र ह, आ सियोन पहाड़ -पृथ्वी के नाभि के केंद्र ह: ई तीनों एक दोसरा के सामने पवित्र जगह के रूप में बनावल गइल बा।
20 ऊ देवता लोग के भगवान के आशीष दिहलन, जे प्रभु के वचन के उनकरा मुँह में डाल दिहले बाड़न आ प्रभु के हमेशा खातिर आशीष दिहलन।
21 आ ऊ जानत रहलन कि शेम आ उनकर बेटा लोग खातिर पीढ़ियन खातिर एगो धन्य हिस्सा आ आशीर्वाद मिलल बा -पूरा अदन के देश आ पूरा लाल सागर के देस, आ पूरा पूरब आ भारत के देश, आ लाल सागर आ ओकर पहाड़ पर, आ पूरा बाशान देश, आ पूरा लेबनान के देश आ कफ्तूर द्वीप, आ पूरा सनीर के पहाड़ आ... 'अमाना, आ उत्तर में अशूर के पहाड़, आ एलाम, अशूर, बाबेल के पूरा देश, सूसान आ माएदाई के सभ पहाड़, आ समुंदर के पार के पूरा इलाका, जवन उत्तर के ओर अशूर के पहाड़ से आगे बा, एगो धन्य आ विशाल भूमि ह, आ ओकरा में जवन कुछ बा उ सब बहुत बढ़िया बा।'
22 काहे कि हाम दूसरा हिस्सा निकलल, गिहोन के पार दक्खिन ओर बगीचा के दाहिने ओर, आ ई दक्खिन ओर फइलल बा आ ई आग के सभ पहाड़न तक फइलल बा, आ ई पश्चिम के ओर अटेल के समुंदर तक फइलल बा आ ई पश्चिम के ओर तब तक फइलल बा जब तक कि ऊ मऊक के समुंदर में ना पहुँच जाला -जवना (समुद्र) में ऊ सब कुछ उतर जाला।
23 ई उत्तर के ओर बढ़ के गादीर के सीमा तक जाला आ समुंदर के पानी के किनारे से लेके बड़का समुंदर के पानी तक जाला जबले कि ऊ गिहोन नदी के नजदीक ना पहुँच जाला आ गिहोन नदी के किनारे तब तक जाला जब तक कि ऊ अदन के बगीचा के दाहिना ओर ना पहुँच जाला।
24 आ इहे ऊ देश ह जवन हाम खातिर ऊ हिस्सा बनल रहे जवना पर ऊ अपना आ अपना बेटा लोग खातिर हमेशा खातिर अपना पीढ़ियन खातिर हमेशा खातिर कब्जा करे वाला रहले.
25 काहे कि याफेत टीना नदी के पार ओकर पानी के बहाव के उत्तर में तीसरा हिस्सा निकलल आ ई उत्तर-पूरुब ओर गोग के पूरा इलाका आ ओकरा पूरब के पूरा देस में फइलल बा।
26 आ ई उत्तर के ओर उत्तर ओर फइलल बा आ उत्तर के ओर क्वेल्ट के पहाड़ सभ ले आ माउक के समुंद्र के ओर फइलल बा आ गदीर के पूरब ओर समुंद्र के पानी के इलाका ले पहुँचल बा।
27 आ ई तब ले फइलल बा जबले ऊ फारा के पच्छिम के नजदीक ना आ जाला आ अफेराग के ओर वापस ना आ जाला आ ई पूरब के ओर मीअत के समुन्दर के पानी तक ले फइलल बा।
28 आ ई उत्तर-पूरुब ओर टीना नदी के इलाका ले फइलल बा जबले कि ई अपना पानी के सीमा के लगे राफा पहाड़ के ओर ना पहुँच जाले आ उत्तर के ओर गोल हो जाले।
29 इहे ऊ देश ह जवन याफेत आ उनकर बेटा लोग खातिर उनकर विरासत के हिस्सा के रूप में निकलल रहे जवन उ अपना आ अपना बेटा लोग खातिर, ओह लोग के पीढ़ियन खातिर हमेशा खातिर रखे के चाहीं। पांच गो बड़हन द्वीप आ उत्तर में एगो बड़हन भूमि।
30 लेकिन ठंडा बा, हाम के देश गरम बा, आ शेम के देश ना त गरम बा, ना ठंडा बा, लेकिन उ ठंडा अवुरी गर्मी के मिश्रण से बनल बा।

अध्याय 9 के बा

1 हाम अपना बेटा लोग के बीच में बँट गइलन आ पहिला हिस्सा पूरब के ओर कुश खातिर आ पश्चिम में मिज्राइम खातिर आ पश्चिम में पुत खातिर आ पश्चिम में समुंद्र पर कनान खातिर निकलल।
2 शेम भी अपना बेटा लोग के बीच बाँटल गइल आ पहिला हिस्सा हाम आ उनकर बेटा लोग खातिर दग्रिस नदी के पूरब में तब तक निकलल जब तक कि ऊ पूरब के नजदीक ना पहुँचल, पूरा भारत के देश आ ओकरा तट पर लाल सागर, आ देदान के पानी, मेबरी आ एला के सब पहाड़, आ सूसान के पूरा देश आ फरनाक के किनारे के सब कुछ लाल सागर आ टीना नदी तक।
3 अशूर के दूसरा हिस्सा अशूर, नीनवे, शिनार के पूरा देश आ भारत के सीमा तक निकलल आ ई नदी के चढ़ के चारों ओर से घेरले बा।
4 अरपचशाद के तीसरा हिस्सा, यूफ्रेटिस के पूरब में कल्दी के इलाका के पूरा देश, लाल सागर के सीमा से निकलल, आ समुंदर के जीभ के नजदीक रेगिस्तान के सब पानी जवन मिस्र के ओर देखेला, पूरा लेबनान अवुरी सनीर अवुरी अमाना के पूरा देश यूफ्रेटिस के सीमा तक।
5 अराम खातिर चउथा हिस्सा निकलल, जवन कि दग्रिस आ फरात के बीच में कल्दीयन के उत्तर में अशूर पहाड़ आ अररा के सीमा तक के पूरा मेसोपोटामिया के देश निकलल।
6 लुद खातिर पांचवा हिस्सा अशूर के पहाड़ आ ओकर सब कुछ निकलल जब तक कि ऊ महान सागर तक ना पहुँचल आ जबले ऊ उनकर भाई अशूर के पूरब में ना पहुँचल।

7 याफेत भी अपना उत्तराधिकार के देश के अपना बेटा लोग के बीच बांट दिहलन।
8 पहिला हिस्सा पूरब में गोमेर खातिर उत्तर ओर से टीना नदी तक निकलल। आ उत्तर में उत्तर के सब भीतरी हिस्सा मगोग खातिर निकलल जबले ऊ मीअत के समुंदर तक ना पहुँच जाव।
9 काहेकि मदई अपना दुनो भाई के पश्चिम से लेके द्वीप आ द्वीप के किनारे तक अपना हिस्सा के रूप में निकलल।
10 जवान खातिर हर द्वीप आ लुद के सीमा के ओर के द्वीप के चउथा हिस्सा निकलल।
11 तुबल खातिर जीभ के बीच में पांचवा हिस्सा निकलल जवन लुद के हिस्सा के सीमा के ओर दूसरा जीभ तक पहुंचल, दूसरा जीभ के पार से तीसरा जीभ तक।
12 मेशेक के छठवाँ हिस्सा निकलल, जवन तीसरा जीभ से आगे के पूरा इलाका रहे जब तक कि ऊ गादीर के पूरब के ओर ना पहुँचल।
13 तिरास खातिर सातवाँ हिस्सा निकलल, समुंदर के बीच में चार गो बड़हन द्वीप, जवन हाम के हिस्सा तक पहुँचल रहे [आ कामतुरी द्वीप अर्पचशाद के बेटा लोग खातिर चिट्ठी से निकलल रहे।
14 एह तरह से नूह के बेटा लोग अपना बेटा नूह के सामने अपना बेटा के बंटवारा कईले अवुरी उ सभके किरिया से बान्ह देले, जवन कि उनुका भाग्य से जवन हिस्सा (उनुका) ना मिलल रहे, ओकरा के जब्त करे के कोशिश करत रहे, ओकरा प गारी देले।
15 उ सब कहले, 'अइसन होखे। अइसहीं होखे ' अपना आ ओह लोग के बेटा लोग खातिर हमेशा खातिर ओह लोग के पीढ़ियन में न्याय के दिन तक, जवना पर प्रभु परमेश्वर ओह लोग के गलती के सब अशुद्ध बुराई खातिर तलवार आ आग से न्याय करीहें, जवना से ऊ लोग धरती के अपराध आ अशुद्धता आ व्यभिचार आ पाप से भर दिहले बा।

अध्याय 10 के बा

1 एह जयंती के तीसरा हफ्ता में अशुद्ध राक्षस नूह के संतान के भटकावे लगले अवुरी गलती क के नाश करे लगले।
2 नूह के बेटा लोग अपना बाप नूह के लगे गईले अवुरी उनुका बेटा के बेटा के भटकावे अवुरी ओकरा के आन्हर अवुरी मारे वाला राक्षस के बारे में बतवले।
3 ऊ अपना परमेस् वर यहोवा से प्रार्थना कइलन आ कहलन कि, 'सब शरीर के आत्मा के परमेश्वर, जे हमरा पर दया कइले बाड़न। आ हमरा आ हमरा बेटा लोग के जलप्रलय के पानी से बचा लिहलस, आ हमरा के नाश ना कइलस जइसे तू नाश के बेटा लोग के नाश कइले रहलू। काहे कि तोहार कृपा हमरा पर बहुते भइल बा आ हमरा आत्मा पर तोहार दया बहुते भइल बा. तोहार कृपा हमरा बेटा लोग पर उठल होखे आ दुष्ट आत्मा ओह लोग पर राज ना करे। कहीं उ लोग धरती से नाश ना करस।
4 बाकिर तू हमरा आ हमरा बेटा लोग के आशीष दऽ कि हमनी के बढ़े आ बढ़े आ धरती के भरपाई कर सकीले।
5 आ तू जानत बाड़ऽ कि हमरा जमाना में तोहार पहरेदार, ई आत्मा के बाप, कइसे काम करत रहलन, आ रहल बात ई जिन्दा आत्मा के, ओह लोग के जेल में डाल के निंदा के जगह पर मजबूती से पकड़ के राखऽ, आ तोहरा सेवक, हमार भगवान के बेटा लोग पर विनाश मत करऽ। काहे कि ई सब घातक हवें, आ नष्ट करे खातिर बनावल गइल बाड़ें।
6 उ लोग जिंदा लोग के आत्मा पर राज ना करे। काहे कि तू अकेले ओह लोग पर प्रभुत्व कर सकेनी। आ अब से आ हमेशा खातिर धर्मी लोग के बेटा पर अधिकार ना होखे।'
7 हमनी के परमेश्वर प्रभु हमनी के सबके बान्हे के आदेश देले।
8 आ आत्मा के मुखिया मस्तेमा आके कहलस, 'प्रभु, सृष्टिकर्ता, ओहमें से कुछ लोग हमरा सामने रहऽ आ हमरा आवाज के सुनस आ हम जवन कहब ऊ सब करऽ; काहे कि अगर ओहमें से कुछ हमरा पर ना छोड़ल जाई त हम आदमी के बेटा पर आपन इच्छा के शक्ति ना पूरा कर पइब. काहे कि ई सब हमरा न्याय के सामने भ्रष्ट होखे आ भटकावे खातिर बा, काहे कि मनुष्य के संतान के दुष्टता बहुत बड़ बा।'
9 उ कहले कि, उनुकर दसवां हिस्सा उनुका सोझा रह जाए अवुरी नौ हिस्सा निंदा के जगह प उतर जाए।'
10 हमनी में से एगो के उ आज्ञा दिहलन कि हमनी के नूह के उनकर सब दवाई सिखावे के चाहीं। काहे कि उ जानत रहले कि उ लोग सीधा-सीधा ना चले, ना धर्म में झगड़ा करीहे।
11 हमनी के उनकर सब बात के मुताबिक काम कईनी जा: हमनी के निंदा के जगह प सभ घातक बुराई के बान्ह देनी अवुरी ओकरा में से दसवां हिस्सा छोड़ देनी ताकि उ लोग धरती प शैतान के अधीन हो सके।
12 हमनी के नूह के ओह लोग के बेमारी के सब दवाई आ ओकर बहकावा के बारे में समझवनी जा कि ऊ कइसे धरती के जड़ी-बूटी से ओह लोग के ठीक कर सकेला।
13 नूह हर तरह के दवाई के बारे में हमनी के निर्देश के मुताबिक सब बात के एगो किताब में लिखले। एह तरह से बुरी आत्मा के नूह के बेटा के (आहत) करे से रोकल गईल।
14 उ जवन कुछ लिखले रहले, उ सब अपना बड़का बेटा शेम के दे देले। काहेकि उ अपना सब बेटा से जादे प्यार करत रहले।
15 नूह अपना पुरखन के संगे सुत गईले अवुरी उनुका के अरारात के देश में लुबार पहाड़ प दफना दिहल गईल।
16 उ अपना जीवन में नौ सौ पचास साल पूरा कईले, उन्नीस जयंती अवुरी दु सप्ताह पांच साल। [1659 बजे के समय]।
17 उ धरती पर अपना जीवन में हनोक के छोड़ के मनुष्य के संतान से बेहतर रहलन, काहे कि उ धार्मिकता के कारण सिद्ध रहले। काहेकि हनोक के पद दुनिया के पीढ़ी-दर-पीढ़ी के गवाही के रूप में नियुक्त कईल गईल रहे, ताकि उ न्याय के दिन तक पीढ़ी-दर-पीढ़ी के सभ काम के बखान करस।
18 तीसवाँ जुबली में, दूसरा हफ्ता के पहिला साल में पेलेग एगो मेहरारू के बियाह कइलन, जेकर नाम सीनार के बेटी लोमना रहे आ एह हफ्ता के चउथा साल में ऊ एगो बेटा के जनम दिहली आ ऊ ओकर नाम रेउ रख दिहलस। काहे कि ऊ कहले रहले कि, 'देखऽ, शिनार के देश में अपना खातिर एगो शहर आ बुर्ज बनावे के दुष्ट मकसद से मनुष्य के संतान दुष्ट हो गइल बाड़े।'
19 उ लोग अरारात के देश से पूरब के ओर शिनार के ओर निकल गईले। काहे कि उनकर जमाना में ऊ लोग शहर आ बुर्ज बनवले आ कहत रहे कि, जा, हमनी के ओकरा से स्वर्ग में चढ़ जाईं जा।
20 ऊ लोग निर्माण करे लगलन आ चउथा हफ्ता में आग से ईंट बनवले आ ईंट ओह लोग के पत्थर के काम करत रहे आ जवना माटी से ऊ लोग एकरा के सीमेंट कइले रहे ऊ डामर रहे जवन

समुंदर से निकलेला आ शिनार देश में पानी के फव्वारा से निकलेला।
21 ऊ लोग एकरा के बनवले, तेतालीस साल [1645-1688 AM] के निर्माण कइले। एकर चौड़ाई 203 ईंट के रहे आ ऊँचाई (एक ईंट के) एक के तीसरा रहे; एकर ऊँचाई 5433 हाथ आ 2 गो हथेली के रहल आ (एक देवाल के बिस्तार) तेरह गो स्टेड (आ बाकी तीस गो स्टेड) रहल।
22 आ हमनी के परमेश्वर प्रभु हमनी से कहले, देखऽ, ऊ लोग एके गो लोग हवे, आ (ई) ऊ लोग करे लागेला, आ अब ओह लोग से कुछ ना रोकल जाई। जा, हमनी के नीचे जाके ओह लोग के भाषा के भ्रमित कर दीं जा, ताकि उ लोग एक दूसरा के बात ना समझे अवुरी शहर अवुरी राष्ट्र में बिखरा जास अवुरी अब न्याय के दिन तक ओ लोग के संगे एक मकसद ना रही।'
23 प्रभु उतरलन आ हमनी के उनकरा साथे उतर के ओह शहर आ बुर्ज के देखनी जा जवन मनुष्य के संतान बनवले रहले।
24 ऊ ओह लोग के भाषा में गड़बड़ी कर दिहलन आ ऊ लोग अब एक दोसरा के बात ना समझ पवलसि आ तब ऊ लोग शहर आ बुर्ज के निर्माण बंद कर दिहल.
25 एही से पूरा शिनार देश के बाबेल कहल जाला, काहे कि प्रभु उहाँ से मनुष्य के संतान के सब भाषा के भ्रमित क देले अवुरी उहाँ से उ लोग अपना-अपना शहर में बिखरा गईले।
26 तब प्रभु एगो तेज हवा भेज के बुर्ज के धरती पर उखाड़ दिहलन आ देखऽ कि ऊ शिनार देश में अशूर आ बाबुल के बीच में रहे आ ऊ लोग एकर नाम 'उखाड़ फेंक' रखले।
27 पहिला साल [1688 AM] के चउथा हफ्ता में चार तीसवीं जयंती के शुरुआत में उ लोग शिनार देश से तितर-बितर हो गईले।
28 हाम आ ओकर बेटा ओह देश में चल गइलन जवना पर ऊ कब्जा करे वाला रहले, जवन ऊ दक्खिन के देश में आपन हिस्सा के रूप में हासिल कइले रहले.
29 कनान मिस्र नदी तक लेबनान के देश के देखले कि उ बहुत बढ़िया बा, अवुरी उ अपना विरासत के देश में ना गईल, जवन कि पश्चिम (यानी) समुंदर के ओर रहे अवुरी उ लेबनान के देश में, यरदन के सीमा से पूरब अवुरी पच्छिम के ओर अवुरी समुंदर के सीमा से रहत रहले।
30 ओकर बाप हाम आ ओकर भाई कुश आ मिज्राईम ओकरा से कहलन कि तू अइसन देश में बस गइल बाड़ू जवन तोहार ना ह आ जवन हमनी के चिट्ठी से ना गिरल रहे। काहे कि अगर तू अयीसन करब त तू अवुरी तोहार बेटा देश में गिर जाईब अवुरी देशद्रोह के चलते अभिशप्त होखब। काहे कि विद्रोह से तू लोग बसल बाड़, आ बगावत से तोहार लइका गिर जइबऽ आ तोहके हमेशा खातिर जड़ से उखाड़ दिहल जाई।
31 शेम के निवास में मत रहऽ। काहे कि ई शेम आ उनकर बेटा लोग के भाग्य से मिलल रहे।
32 तू शापित बाड़ आ नूह के सभ बेटा से परे शापित होखब, जवना अभिशाप से हमनी के पवित्र न्यायाधीश के सोझा अवुरी हमनी के पिता नूह के सोझा किरिया से बान्हल बानी।'
33 लेकिन उ लोग के बात ना मनले अवुरी हमत से लेके मिस्र के प्रवेश तक लेबनान के देश में, उ अवुरी उनुकर बेटा आज तक रहले।
34 एही से ओह देश के नाम कनान रखल गइल बा।
35 याफेत आ ओकर बेटा समुंदर के ओर बढ़ के अपना हिस्सा के देश में रह गईले अवुरी मदाई समुंदर के देस देखले अवुरी उनुका पसंद ना आईल, अवुरी उ अपना पत्नी के भाई हाम अवुरी अशूर अवुरी अर्पचशाद से (भाग) मंगले अवुरी उ आज तक अपना पत्नी के भाई के नजदीक मीडिया देश में रहले।
36 ऊ अपना बेटा के निवास स्थल आ अपना बेटा लोग के निवास स्थल के मीडिया रखलन, जवना के नाम ओह लोग के बाप मदाई के नाम पर रखले बा।

अध्याय 11 के बा

1 पंतीसवाँ जयंती में, तीसरा हफ्ता, ओकर पहिला साल [1681 AM] में रेउ एगो मेहरारू बियाह कइलन आ ओकर नाम 'Ôrâ रहे, ऊ केसेद के बेटा 'Ûr के बेटी रहली आ ओकरा से एगो बेटा भइल आ ऊ एह जयंती में एह हफ्ता के सातवाँ साल में ओकर नाम सेरो रख दिहलन। [1687 बजे] के बा।
2 नूह के बेटा लोग एक दूसरा से युद्ध करे लगले, बंदी बना के एक दूसरा के हत्या करे लगले, आ धरती पर आदमी के खून बहावे लगले, खून खाए लगले, आ मजबूत शहर, देवाल, बुर्ज, आ व्यक्ति के निर्माण करे लगले, आ राज्य के शुरुआत के स्थापना करे लगले, आ लोग के खिलाफ लोग, आ राष्ट्र के राष्ट्र, शहर के खिलाफ लड़ाई करे लगले शहर के खिलाफ, आ सब (शुरुआत) बुराई करे, आ हथियार हासिल करे, आ अपना बेटा लोग के युद्ध सिखावे, आ ऊ लोग शहर पर कब्जा करे लागल, आ नर-मादा गुलाम बेचे लागल।
3 केसेद के बेटा 'उर कदीयन के आरा शहर बनवले आ ओकर नाम अपना नाम आ अपना पिता के नाम पर रखले। आ ऊ लोग अपना खातिर पिघलल मूर्ति बनवले आ हर केहू मूर्ति के पूजा कइल, ऊ पिघलल मूर्ति जवन ऊ लोग अपना खातिर बनवले रहे, आ ऊ लोग उकेरल मूर्ति आ अशुद्ध अनुकरण बनावे लागल आ घातक आत्मा (ओकनी के) अपराध आ अशुद्धता करे में सहायता आ बहकावे लागल.
4 आ राजकुमार मस्टेमा ई सब करे खातिर पूरा मेहनत कइलन आ ऊ दोसरा आत्मा के भेज दिहलन, जवन उनका हाथ के नीचे राखल गइल रहे, कि ऊ तरह तरह के गलत आ पाप आ हर तरह के उल्लंघन करसु, नाश करसु आ नष्ट करसु आ धरती पर खून बहावसु.
5 एही से उ सेरोह के नाम सेरुग रखलन काहे कि हर केहू हर तरह के पाप आ अपराध करे खातिर मुड़त रहे।
6 ऊ बड़ होके अपना मेहरारू के महतारी के पिता के लगे कल्दी के उर में रह गइलन आ मूर्तियन के पूजा कइलन आ छत्तीसवाँ जयंती में, पांचवा हफ्ता में, पहिला साल में [1744 AM] एगो मेहरारू के बियाह कइलन आ ओकर नाम मेलका रहे, जे अपना पिता के बेटी काबेर के बेटी रहली भाई।
7 एह हफ्ता के पहिला साल में ऊ ओकरा के नाहोर के जनम दिहली आ ऊ कदीयन के उर में बढ़ के रह गइलन आ ओकर पिता ओकरा के स्वर्ग के निशानी के अनुसार कसदी लोग के भविष्यवाणी आ शुभकामना सिखवले।
8 छठवाँ हफ्ता में सत्तीसवाँ जयंती के पहिला साल [1800 AM] में ऊ एगो मेहरारू के बियाह कइलन आ ओकर नाम 'कल्दीयन के नेस्ताग के बेटी इजास्का' रहे।

9 एह हफ्ता के सातवाँ साल में ऊ ओकरा से तेरा के जनम दिहली। [1806 AM] के बा।
10 राजकुमार मस्टेमा काग आ चिरई भेजलन कि ऊ देश में बोवल बीज के खा जाव, ताकि ऊ देश के नष्ट कर सके आ आदमी के लइकन के मेहनत लूट सके। बीज में जोतला से पहिले काग जमीन के सतह से (एकरा) उठा लेले।
11 एही से ऊ ओकर नाम तेरा रखले काहे कि काग आ चिरई ओह लोग के गरीबी में बदल दिहले आ ओह लोग के बीज के खा गइले.
12 चिरई के वजह से साल बंजर होखे लागल आ पेड़न के सब फल के खा गईल, बहुत मेहनत से ही उ लोग अपना दिन में धरती के सब फल में से तनी-मनी बचा सकत रहे।
13 आ एह उनतीसवाँ जयंती में, पहिला साल के दूसरा हफ्ता में, [1870 AM] तेरा अपना खातिर एगो मेहरारू बिया आ ओकर नाम 'एदना, 'अब्राम के बेटी, अपना पिता के बहिन के बेटी।' आ एह हफ्ता के सातवाँ साल [1876 AM] में उनकर एगो बेटा भइल आ ऊ उनकर नाम अब्राम रखलन, अपना महतारी के पिता के नाम से;
14 काहेकि बेटी के बेटा पैदा होखे से पहिले उ मर गईल रहले।
15 आ लइका धरती के गलती के समझे लागल कि सब लोग उकेरल मूर्ति आ अशुद्धि के बाद भटक गइल, आ ओकर पिता ओकरा के लिखे के सिखवले, आ ऊ दू हफ्ता के उमिर के हो गइल, [1890 AM] आ ऊ अपना पिता से अलग हो गइल, ताकि ऊ ओकरा साथे मूर्ति के पूजा ना कर सके।
16 ऊ सब कुछ के रचयिता से प्रार्थना करे लगलन कि ऊ ओकरा के मनुष्य के संतान के गलती से बचावे आ अशुद्धता आ नीचता के बाद ओकर हिस्सा गलती में ना पड़े।
17 जमीन पर बीज बोवे के बीज के समय आ गईल, आ सब लोग एक संगे अपना बीज के काग से बचावे खातिर निकल गईले अवुरी अब्राम जाए वाला लोग के संगे निकल गईले अवुरी बच्चा चौदह साल के लईका रहे।
18 काग के बादल बीज के खाए खातिर आइल आ अब्राम जमीन पर बइठे से पहिले ओह लोग से मिले खातिर दौड़ल आ जमीन पर बइठे से पहिले ओह लोग से बीज खाए खातिर चिल्ला के कहलस, ' मत उतरीं, जहाँ से आइल बानी ओहिजा लवटीं।'
19 ऊ ओह दिन काग के बादल के सत्तर बेर पीछे घुमा दिहलन आ जवना पूरा देश में अब्राम रहले ओहिजा के सब काग में से एको ना बसल.
20आउर पूरा देश में उनकरा साथे रहल सब लोग उनका के चिल्लात देखले आ सब काग पीछे मुड़ के उनकर नाम पूरा कदीयन के देश में बड़ हो गइल।
21 एह साल उ सब लोग जे बोवे के चाहत रहे, उ लोग उनका लगे गईले, जब तक बोवाई के समय ना खतम हो गईल तब तक उ ओ लोग के संगे चल गईले अवुरी उ लोग अपना जमीन में बोवाई कईले अवुरी ओ साल उ लोग पर्याप्त अनाज घरे ले आके खा गईले अवुरी तृप्त हो गईले।
22 पांचवा हफ्ता के पहिला साल [1891 AM] में अब्राम बैल खातिर औजार बनावे वाला लोग के, लकड़ी के कारीगर लोग के सिखवले, आ उ लोग जमीन से ऊपर, हल के फ्रेम के ओर मुँह क के एगो बर्तन बनवले, ताकि बीया ओकरा पर डालल जा सके, आ बीज ओहिजा से हल के हिस्सा पर गिर गईल, आ धरती में लुका गईल, आ अब उ लोग के डर ना रहे काग के नाम से जानल जाला।
23 एही तरह से ऊ लोग हल के सब फ्रेम पर जमीन से ऊपर (पात्र) बनावत रहे आ अब्राम के आज्ञा के अनुसार पूरा जमीन पर बोवाई आ जोतत रहे, आ अब उ लोग चिरई से ना डेरात रहे।

अध्याय 12 के बा

1 छठवाँ हफ्ता, सातवाँ साल [1904 AM] में अब्राम अपना बाप तेरा से कहले, 'बाबू!'
2 ऊ कहले, 'देखऽ, हम इहाँ बानी, हमार बेटा।' ऊ कहलन कि . 'हमनी के कवन मदद आ फायदा बा ओह मूर्तियन से जवना के तू पूजत बाड़।
आ जवना के सामने तू प्रणाम करत बाड़?
3 काहेकि ओह लोग में कवनो आत्मा नइखे।
काहे कि ऊ गूंगा रूप हवें आ दिल के भ्रामक हवें।
इनकर पूजा ना करीं:
4 स्वर्ग के भगवान के आराधना करीं,
जे धरती पर बरखा आ ओस के उतरेला
आ धरती पर सब कुछ करेला,
आ अपना वचन से सब कुछ बनवले बाड़न,
आ सब जिनगी उनकर चेहरा के सामने से बा।
5 तूँ ओह चीजन के पूजा काहे करेलन जवना में कवनो आत्मा नइखे?
काहे कि ऊ लोग (पुरुषन के) हाथ के काम ह,
आ तू लोग अपना कान्ह पर सहन करऽ।
आ तोहनी के ओह लोग से कवनो मदद नइखे।
बाकिर बनावे वाला लोग खातिर ई बहुते शर्म के कारण होला.
आ उनकर पूजा करे वाला लोग के दिल के भ्रामक।
इनकर पूजा ना करऽ।'
6 उनकर बाबूजी ओकरा से कहलन, “हे बेटा, हमहूँ जानत बानी, लेकिन जवन लोग हमरा के अपना सामने से सेवा देले बा, ओकरा के हम का करब?
7 अगर हम ओह लोग के सच कहब त उ लोग हमरा के मार दिहे। काहे कि ओह लोग के आत्मा ओह लोग के पूजा करे आ आदर करे खातिर चिपकल रहेला.
8 हे बेटा, चुप रहऽ, कहीं ऊ लोग तोहरा के ना मार देव।' इ बात उ अपना दुनो भाई से कहले अवुरी उ लोग उनुका प नाराज हो गईले अवुरी उ चुप रहले।
9 चालीसवाँ जुबली में दूसरा हफ्ता, सातवाँ साल में, [1925 AM] अब्राम एगो मेहरारू बियाह कइलन आ ओकर नाम सारा रहे, जे उनकर बाप के बेटी रहली आ ऊ उनकर मेहरारू बन गइली।
10 उनकर भाई हारान तीसरा हफ्ता के तीसरा साल [1928 AM] में एगो मेहरारू बिया आ एह हफ्ता के सातवाँ साल [1932 AM] में उनकर एगो बेटा भइल आ ऊ उनकर नाम लूत रख दिहलस।
11 उनकर भाई नाहोर एगो मेहरारू के बियाह कर लिहले।
12 अब्राम के जीवन के साठवाँ साल, यानी चउथा हफ्ता में, चउथा साल [1936 AM] अब्राम रात में उठ के मूर्तियन के घर जरा दिहलन आ घर में मौजूद सब कुछ जरा दिहलन आ केहू के पता ना चलल।
13 रात में उठ के आपन देवता लोग के आग के बीच से बचावे के कोशिश कईले।

14 हारान ओ लोग के बचावे में जल्दबाजी कईले, लेकिन आग ओकरा प ज्वालामुखी हो गईल अवुरी उ आग में जरा गईले अवुरी उ अपना पिता तेरा से पहिले कसदी के उर में मर गईले अवुरी उ लोग ओकरा के कसदी के उर में दफना देले।
15 तेरा अपना बेटा लोग के साथे कल्दी के उर से लेबनान आ कनान देश में जाए खातिर निकलल आ हारान के देश में रह गइलन आ अब्राम अपना पिता तेरा के साथे हारान में दू हफ्ता ले रह गइलन।
16 छठवाँ हफ्ता में, पांचवा साल में, [1951 AM] अब्राम सातवाँ महीना के अमावस्या पर रात भर उठ के बइठल रहले आ साँझ से सबेरे तक तारा के निरीक्षण कइले रहले, ताकि ई देखल जा सके कि बरखा के संबंध में साल के चरित्र का होई, आ ऊ अकेले रहले जब ऊ बइठ के देखत रहले।
17 तब उनकर मन में एगो बात आइल आ ऊ कहलन कि तारा आ चंद्रमा आ सूरज के सब निशानी सब प्रभु के हाथ में बा। हम (ओकनी के) काहे खोजत बानी?
18 अगर उ चाहत बा त उ सबेरे-सांझ के बरखा करावेला।
आ अगर ऊ चाहत बा त ओकरा के रोकत बा.
आ सब कुछ उनुका हाथ में बा।'
19 ओह रात ऊ प्रार्थना कइलन आ कहलन कि
'हमार भगवान, परमात्मा भगवान, तू अकेले हमार भगवान हउअ,
आ तोहरा आ तोहार प्रभुत्व हम चुनले बानी।
आ तूँ सब कुछ रचले बाड़ऽ,
आ ऊ सब चीज जवन तोहरा हाथ के काम ह।
20 हमरा के ओह दुष्टात्मा के हाथ से मुक्त कर द जे लोग के मन के विचार पर प्रभुत्व राखेला।
आ ऊ लोग हमरा के तोहरा से भटकावे ना देव, हे हमार भगवान।
आ तू हमरा आ हमरा वंश के हमेशा खातिर स्थिर करऽ
कि हमनी के अब से आ हमेशा खातिर भटक मत जाईं जा।'
21 ऊ कहलन, 'का हम कदीयन के उर में लवटब जे हमार मुँह खोजत बा कि हम ओह लोग के लगे लवट सकीले, का हम एहिजा एह जगह पर रहब? तोहरा सामने सही रास्ता तोहरा सेवक के हाथ में ओकरा के समृद्ध करऽ ताकि ऊ (एकरा) पूरा कर सके आ हम अपना दिल के छल में ना चल सकीले, हे भगवान।'
22 ऊ बोलल आ प्रार्थना के अंत कइलन आ देखऽ कि हमरा माध्यम से प्रभु के वचन उनुका लगे भेजल गइल कि, 'तू अपना देश से, अपना रिश्तेदारन से आ अपना पिता के घर से उठ के एगो अइसन देश में जा, जवना के हम तोहरा के देखा देब, आ हम तोहरा के एगो बड़हन आ बहुसंख्यक राष्ट्र बना देब।
23 आ हम तोहरा के आशीष देब
आ हम तोहार नाम के बड़हन बना देब।
आ तोहरा धरती पर आशीष मिल जाई।
आ तोहरा में धरती के सब कुल के आशीष मिली।
आ तोहरा के आशीष देवे वाला के हम आशीर्वाद देब।
आ जे तोहरा के गारी देत बा, ओकरा के गारी दीं।
24 हम तोहरा आ तोहार बेटा, तोहरा बेटा के बेटा आ तोहरा सब संतान खातिर भगवान होखब, अब से धरती के हर पीढ़ी तक हम तोहार भगवान हईं, मत डेरा।'
25 परमेस् वर परमेस् वर कहलन कि, 'उनकर मुँह आ कान खोलीं, ताकि उ अपना मुँह से सुने आ बोले, जवन भाषा प्रकट भइल बा'। काहे कि (बाबेल) के उखाड़ फेंके के दिन से ही ई सब मनुष्य के संतान के मुँह से खतम हो गईल रहे।
26 हम उनकर मुँह, उनकर कान आ होंठ खोलनी आ सृष्टि के भाषा में हिब्रू में उनकरा से बात करे लगनी।
27 ऊ अपना पुरखन के किताब ले लिहलन आ ई हिब्रू में लिखल किताबन के लिपिबद्ध कइलन आ अब से ओह किताबन के अध्ययन करे लगलन आ हम ओकरा के ऊ बात बता दिहनी जवन ऊ ना समुझ पवले आ छह बरसात के महीना में ऊ ओह किताबन के अध्ययन कइलन.
28 छठवाँ हफ्ता के सातवाँ साल [1953 AM] में ऊ अपना पिता से बात कइलन आ ओकरा के सूचित कइलन कि ऊ हारान से निकल के कनान देश में जाके ओकरा के देखे आ ओकरा लगे लवट अइहें।
29 ओकर बाप तेराह ओकरा से कहलन। चैन से जाइए:
सनातन भगवान तोहार रास्ता सीधा करस।
आ प्रभु [(रहले) तोहरा साथे, आ] तोहरा के हर बुराई से बचावे।
आ तोहरा के देखे वाला लोग के सामने अनुग्रह, दया आ अनुग्रह करऽ।
आ आदमी के कवनो संतान के तोहरा पर कवनो नुकसान ना करे के अधिकार ना होखे;
चैन से जाइए।
30 आ अगर तू कवनो अइसन देश देखत बाड़ऽ जवना में रहे खातिर तोहरा आँख के मन में रहे, त उठ के हमरा के अपना लगे ले जा आ तोहरा भाई हारान के बेटा लूत के अपना बेटा के रूप में ले जा, प्रभु तोहरा साथे रहऽ।
31 तोहार भाई नाहोर हमरा साथे तब तक चल जाइब जब तक तू शांति से ना लवटब, आ हमनी के सब केहू तोहरा साथे चल जाईब जा।'

अध्याय 13 के बा

1 अब्राम हारान से निकल के आपन मेहरारू सारा आ अपना भाई हारान के बेटा लूत के लेके कनान के देश में अशूर में आके शेकेम चल गइलन आ एगो ऊँच ओक के लगे रह गइलन।
2 ऊ देखलन कि हमथ के प्रवेश से लेके ऊँच ओक तक के देश बहुत सुखद रहे।
3 तब प्रभु ओकरा से कहले, 'हम ई देश तोहरा आ तोहरा संतान के देब।'
4 उहाँ उ एगो वेदी बनवले अवुरी ओकरा प प्रगट भईल प्रभु के होमबलि चढ़वले।
5 उ ओहिजा से पहाड़ पर चल गइलन . . . पश्चिम में बेथेल आ पूरब में आई, आ उहाँ आपन डेरा खड़ा कइले।
6 ऊ देखलस आ देखलस कि ऊ देश बहुत चौड़ा आ बढ़िया रहे आ ओकरा पर सब कुछ उगत रहे -बेल आ अंजीर आ अनार, ओक आ इलेक्स, टेरेबिंथ आ तेल के पेड़, देवदार आ सरू आ खजूर के पेड़, आ खेत के सब पेड़, आ पहाड़ पर पानी रहे।
7 ऊ प्रभु के आशीष दिहलन जे ओकरा के कसदी के उर से निकाल के एह देश में ले अइले।
8 आ पहिला साल, सातवाँ हफ्ता में, पहिला महीना के अमावस्या के दिन, 1954 AM] एह पहाड़ पर एगो वेदी बनवले आ प्रभु के नाम पुकारले: 'तू, अनन्त भगवान, हमार भगवान हउअ।'

9 उ वेदी प प्रभु के होमबलि चढ़वले ताकि उ उनुका संगे रहस अवुरी उनुका जीवन भर उनुका के ना छोड़स।
10 ऊ ओहिजा से हट के दक्खिन के ओर चल गइलन आ हेब्रोन आ गइलन आ ओह घरी हेब्रोन बनल रहे आ ऊ दू साल ले ओहिजा रहलन आ ऊ (उहाँ से) दक्खिन के देश में, बेअलोथ में चल गइलन आ ओह देश में अकाल पड़ गइल.
11 अब्राम हफ्ता के तीसरा साल में मिस्र चल गईले अवुरी उनुकर पत्नी उनुका से अलग होखे से पांच साल पहिले मिस्र में रहले।
12 तब मिस्र में तनाई के निर्माण भइल रहे- हेब्रोन के सात साल बाद।
13 जब फिरौन अब्राम के मेहरारू सारा के पकड़ लिहले त अब्राम के मेहरारू सारा के चलते परमेस् वर फिरौन आ उनकर घर के बहुते विपत्ति से सता दिहलन।
14 अब्राम के भेड़, मवेशी, गदहा, घोड़ा, ऊंट, नौकर, नौकरानी आ चांदी आ सोना के संपत्ति के चलते बहुत गौरवशाली रहले। आ लूत भी उनकर भाई के बेटा, धनिक रहे।
15 फिरौन अब्राम के मेहरारू सारा के वापस दे दिहलन आ ऊ ओकरा के मिस्र देश से भेज दिहलन आ ऊ ओह जगह पर चल गइलन जहाँ ऊ शुरू में आपन डेरा खड़ा कइले रहले, वेदी के जगहा पर, पूरब में ऐ आ पश्चिम में बेथेल के, आ ऊ अपना भगवान के आशीष दिहलन जे उनका के शांति से वापस ले अइले.
16 आ पहिला हफ्ता के तीसरा साल [1963 AM] एकतालीसवाँ जयंती में ऊ एह जगह पर लवट के ओह पर होमबलि चढ़वले आ प्रभु के नाम पुकार के कहले, 'तू, परम परम भगवान, हमार भगवान हमेशा से हमेशा खातिर हउअ।'
17 एह हफ्ता के चउथा साल [1964 AM] में लूत ओकरा से अलग हो गइलन आ लूत सदोम में रह गइलन आ सदोम के लोग बहुते पापी हो गइलन.
18 ओकरा मन में दुख भइल कि ओकर भाई के बेटा ओकरा से अलग हो गइल बा। काहे कि उनकर कवनो संतान ना रहे।
19 ओह साल जब लूत के बंदी बना लिहल गइल त एह हफ्ता के चउथा साल में लूत के अलगा भइला के बाद प्रभु अब्राम से कहले कि, 'जवना जगह पर तू रहत बाड़, ओहिजा से उत्तर आ दक्खिन ओर आ पश्चिम आ पूरब के ओर आँख उठाईं।'
20 काहे कि तू जवन देश देखत बाड़, ओकरा के हम तोहरा आ तोहरा संतान के हमेशा खातिर देब आ तोहार संतान के समुंदर के बालू नियर बना देब।
21 उठ के ओकर लंबाई आ चौड़ाई में (देश में) चलीं आ सब देखऽ। काहे कि हम तोहरा संतान के देब।' अब्राम हेब्रोन में जाके उहाँ रह गईले।
22 एही साल एलाम के राजा कदोर्लाओमेर, शिनार के राजा अम्राफेल, सेलासर के राजा अरियोक, आ राष्ट्रन के राजा तेरगल आके अमोरा के राजा के मार दिहले, आ सदोम के राजा भाग गईले अवुरी बहुत लोग खारा सागर के किनारे सिद्दीम घाटी में घाव से गिर गईले।
23 ऊ लोग सदोम आ आदम आ जबबोइम के बंदी बना लिहल आ अब्राम के भाई के बेटा लूत आ ओकर सगरी संपत्ति के बंदी बना लिहल आ ऊ लोग दान में चल गइल.
24 एगो भागल आदमी अब्राम के कहलस कि ओकर भाई के बेटा के बंदी बना लिहल गईल बा अवुरी (अब्राम) अपना घर के नौकर के हथियारबंद क देले बाड़े। . .
25 के बा . . . . काहे कि अब्राम आ उनकर वंशज खातिर पहिला फल के दसवां हिस्सा प्रभु के दिहल गइल आ प्रभु एकरा के हमेशा खातिर एगो नियम के रूप में तय कइले कि ऊ लोग एकरा के ओह याजकन के दे देव जे उनकरा से पहिले सेवा करत रहे, ताकि ऊ लोग एकरा के हमेशा खातिर अपना कब्जा में ले लेव।
26 आ एह कानून के दिन के कवनो सीमा नइखे। काहे कि ऊ पीढ़ियन खातिर ई तय कइले बाड़न कि ऊ लोग हर चीज के दसवाँ हिस्सा, बीज आ शराब आ तेल आ मवेशी आ भेड़ के दसवाँ हिस्सा प्रभु के दे देव.
27 उ अपना पुजारी लोग के अपना सोझा खुशी से खाए-पीए के देले।
28 सदोम के राजा उनका लगे आके उनकरा सोझा प्रणाम कइलन आ कहलन कि, 'हे हमनी के प्रभु अब्राम, जवन आत्मा तू बचावले बाड़ऽ, हमनी के दे दऽ, बाकिर लूट के सामान तोहार होखे।'
29 अब्राम ओकरा से कहले, 'हम आपन हाथ परम परमेश्वर के ओर उठावत बानी कि हम धागा से लेके जूता के कुंडी तक के कवनो चीज़ के ना ले जाईं, ना त तू इ ना कहब कि हम अब्राम के अमीर बना देले बानी। खाली उहे छोड़ के जवन नवही लोग खइले बा, आ हमरा साथे गइल आदमी के हिस्सा -अनेर, एस्कोल, आ ममरे। ई लोग आपन हिस्सा ले ली।'

अध्याय 14 के बा

1 एह सब के बाद एह हफ्ता के चउथा साल में तीसरा महीना के अमावस्या के दिन सपना में अब्राम के सामने प्रभु के वचन आइल कि, 'अब्राम, डेरा मत; हम तोहार रक्षक हईं आ तोहार इनाम बहुते बड़हन होखी.'
2 ऊ कहले, 'प्रभु, प्रभु, तू हमरा के का देब, जब हम इहाँ से निस्संतान जात बानी, आ हमार दासी के बेटा मसेक के बेटा दम्मासेक एलीएजर हवे, ऊ हमार वारिस होई, आ तू हमरा के कवनो बीज नइखऽ दिहले।'
3 उ ओकरा से कहले, 'ई (आदमी) तोहार वारिस ना होई, बालुक उ आपके आंत से निकली। उ तहार वारिस होई।'
4 ऊ ओकरा के बाहर ले अइले आ कहलन कि, 'अगर तू तारा गिने में सक्षम बाड़ऽ त स्वर्ग के ओर देखऽ आ तारा गिनऽ।'
5 ऊ आकाश के ओर देखलन आ तारा देखलन। आ उ ओकरा से कहले कि, 'तोहार संतान भी अयीसन होई।'
6 ऊ प्रभु पर बिसवास कइलन आ ओकरा के धार्मिकता के रूप में गिनल गइल।
7 उ ओकरा से कहले, 'हम प्रभु हईं जे तोहरा के कदीय के उर से बाहर ले अइनी कि कनान लोग के देश तोहरा के हमेशा खातिर अपना कब्जा में ले आवे खातिर देले बानी। आ हम तोहरा आ तोहरा बाद के वंशज खातिर भगवान बनब।'
8 उ कहले, 'प्रभु, प्रभु, हम कवना तरीका से जानब कि हम (एकरा) के उत्तराधिकारी बनब?'
9 उ ओकरा से कहले, 'हमरा के तीन साल के बछिया, तीन साल के बकरी, तीन साल के भेड़, कछुआ आ कबूतर ले जा।'
10 महीना के बीच में इ सब लेके उ हेब्रोन के नजदीक ममरे के ओक में रह गईले।

11 उहाँ उ एगो वेदी बनवले अवुरी इ सब के बलिदान देले। ऊ ओह लोग के खून वेदी पर डाल के बीच में बाँट के एक दोसरा के सामने रख दिहलन. बाकिर चिरई-चुरुंग बँटवारा ना कइलस।

12 चिरई-चुरुंग ओह टुकड़ा-टुकड़ा पर उतरल आ अब्राम ओह लोग के भगा दिहलन आ चिरई के छूवे ना दिहलन।

13 जब सूरज डूब गइल त अब्राम पर एगो आनन्द आ गइल आ देखऽ ! बहुत अन्हार के भयावहता उनका पर पड़ल आ अब्राम से कहल गइल कि, 'पक्का जान लीं कि तोहार वंशज ओह देश में परदेसी हो जाई (यानी कि ओह लोग के ना, आ ऊ लोग ओह लोग के गुलामी में ले आई आ चार सौ साल तक पीड़ित करी।'

14 हम ओह राष्ट्र के भी न्याय करब जवना के ऊ लोग गुलाम बनल रही आ ओकरा बाद ऊ लोग बहुत धन के साथे ओहिजा से निकली।

15 आ तू शांति से अपना बाप-दादा के लगे जाइब आ बढ़िया बुढ़ापा में दफन हो जाईब।

16 लेकिन चउथा पीढ़ी में उ लोग इहाँ वापस आ जइहें। काहेकि अमोरी लोग के अधर्म अभी पूरा नइखे भइल।'

17 ऊ नींद से जागल आ सूरज डूब गइल। आ लौ उठल आ देखऽ ! एगो भट्ठी से धुँआ निकलत रहे आ ओह टुकड़ा के बीच से आग के लौ गुजरत रहे।

18 ओह दिन परमेस् वर अब्राम के साथे एगो वाचा कइलन कि, 'हम ई देश मिस्र के नदी से ले के बड़हन नदी, यूफ्रेटिस नदी, केनी, केनीज, कदमोनी, फरीज, रेफाइम, फकोरी, हिवी, अमोरी, कनान, गिर्गासी आ... यबूसी लोग के लोग के।

19 दिन बीत गइल आ अब्राम ओह टुकड़ा, चिरई-चुरुंग, फल के चढ़ावल, पेय चढ़ावल, आ आग ओह लोग के खा गइल।

20 ओह दिन हमनी के अब्राम के साथे एगो वाचा कईनी जा, जईसे हमनी के एह महीना में नूह के साथे वाचा कईले रहनी जा। आ अब्राम अपना खातिर परब आ संस्कार के हमेशा खातिर नवीकरण कइले।

21 अब्राम खुश होके आपन मेहरारू सारा के ई सब बात बता दिहले। उ विश्वास कईले कि ओकरा बीया होई, लेकिन उ बच्चा ना पैदा कईली।

22 सराय अपना पति अब्राम के सलाह दिहली अवुरी कहली कि, 'हमरा मिस्र के नौकरानी हाजर के लगे जा, हो सकता कि हम ओकरा से तोहरा के बीज पैदा करब।'

23 अब्राम अपना मेहरारू सारा के आवाज सुन के कहलस, 'अइसन करऽ।' सराय मिस्र के दासी हाजर के लेके अपना पति अब्राम के दे दिहली कि उ आपन पत्नी बनस।

24 ऊ ओकरा लगे गइलन आ ऊ गर्भवती होके एगो बेटा के जनम दिहली आ ऊ एह हफ्ता के पाँचवा साल [1965 AM] में ओकर नाम इस्माइल रख दिहलन. आ अब्राम के जीवन के ई छियासीवाँ साल रहे।

अध्याय 15 के बा

1 आ एह जयंती के चउथा हफ्ता के पांचवा साल [1979 AM] में तीसरा महीना में, महीना के बीच में, अब्राम अनाज के फसल के पहिला फल के परब मनवले।

2 ऊ वेदी पर नया बलिदान, उपज के पहिला फल, प्रभु के खातिर एगो बछिया आ एगो बकरी आ एगो भेड़ के वेदी पर चढ़वले, जवन कि प्रभु के होमबलि के रूप में दिहलस। ओह लोग के फल के बलिदान आ ओह लोग के पेय बलि के ऊ लोबान के साथे वेदी पर चढ़वले।

3 प्रभु अब्राम से प्रकट होके कहलन कि हम सर्वशक्तिमान परमेश्वर हईं। हमरा सामने अपना के मंजूर करऽ आ तू सिद्ध हो जा।

4 हम अपना आ तोहरा बीच आपन वाचा करब आ तोहरा के बहुते बढ़ा देब।'

5 अब्राम मुँह पर गिर गइलन आ भगवान ओकरा से बात कइलन आ कहलन।

6 'देखऽ हमार नियम तोहरा साथे बा।

आ तू बहुत जाति के बाप बनबऽ।

7 ना ही तोहार नाम अब अब्राम ना कहल जाई।

लेकिन तोहार नाम अब से हमेशा खातिर इब्राहीम होई।

काहे कि हम तोहरा के बहुत जाति के बाप बनवले बानी।

8 हम तोहरा के बहुत बड़ बना देब।

आ हम तोहरा के राष्ट्र बना देब।

आ तोहरा से राजा निकल जइहें।

9 हम अपना आ तोहरा आ तोहरा बाद के वंशज के बीच आपन वाचा के अनन्त वाचा खातिर स्थापित करब, ताकि हम तोहरा आ तोहरा बाद के वंशज खातिर भगवान बन सकीले।

10 <हम तोहरा आ तोहरा बाद के वंशज के> उ देश कनान के दे देब जहाँ तू प्रवासी रहलू, ताकि तू ओकरा पर हमेशा खातिर कब्जा कर सकीले आ हम ओह लोग के भगवान बनब।'

11 तब प्रभु अब्राहम से कहले, 'आउर तोहार त तू आ तोहरा बाद के वंशज के हमार वाचा के पालन करऽ, आ तोहनी में से हर पुरुष के खतना करऽ आ आपन अग्रचर्म के खतना करऽ, आ ई हमरा आ तोहरा बीच एगो अनन्त वाचा के निशानी होई।'

12 आठवाँ दिन ओह बच्चा के खतना करऽ, तोहनी के हर नर के खतना करऽ, जे घर में पैदा भइल होखे भा जेकरा के तू कवनो परदेशी से पइसा से खरीदले होखब, जेकरा के तोहरा संतान के ना होखे।

13 जे तोहरा घर में पैदा भइल बा ओकर खतना जरूर हो जाई आ जेकरा के तू पइसा से खरीदले बाड़ऽ ओकर खतना हो जाई आ हमार वाचा तोहरा शरीर में अनन्त नियम खातिर होई।

14 आठवाँ दिन जे खतना ना भइल नर अपना अग्रचर्म के मांस में खतना ना भइल होखे, ओकरा के अपना लोग से काट दिहल जाई, काहे कि ऊ हमार वाचा तूड़ दिहले बा।'

15 भगवान अब्राहम से कहलन कि, 'तोहार मेहरारू सारा के नाम अब सारा ना होई, लेकिन ओकर नाम सारा होई।

16 हम ओकरा के आशीर्वाद देब आ ओकरा से तोहरा के एगो बेटा देब आ ओकरा के आशीर्वाद देब आ ऊ एगो राष्ट्र बन जाई आ ओकरा से राष्ट्रन के राजा निकल जइहें.'

17 इब्राहीम मुंह से गिर के खुश होके मन में कहलन कि का सौ साल के एगो बेटा पैदा होई अवुरी नाब्बे साल के सारा के जन्म होई?

18 इब्राहीम परमेश्वर से कहलन कि, 'हे इस्माइल तोहरा से पहिले जिंदा हो जास।'

19 भगवान कहले कि, 'हँ, सारा भी तोहरा के एगो बेटा पैदा करीहे, आ तू ओकर नाम इसहाक रखबऽ, आ हम ओकरा साथे आपन वाचा, एगो अनन्त वाचा आ ओकरा बाद के वंशज खातिर।'

20 इश्माएल के बारे में भी हम तोहरा के सुनले बानी आ देख हम ओकरा के आशीष देब आ ओकरा के बड़ बना देब आ ओकरा के बहुत बढ़ा देब आ ओकरा से बारह गो राजकुमार पैदा हो जइहें आ हम ओकरा के एगो बड़हन राष्ट्र बना देब।
21 लेकिन हम एह दिन में, अगिला साल में इसहाक के संगे आपन वाचा कायम करब, जेकरा के सारा तोहरा से पैदा करीहे।'
22 ऊ ओकरा से बात कइल छोड़ दिहलन आ भगवान अब्राहम से ऊपर चल गइलन.
23 इब्राहीम भगवान के कहला के मुताबिक काम कईले अवुरी उ अपना बेटा इस्माइल अवुरी अपना घर में पैदा भईल सभ लोग अवुरी जेकरा के उ अपना पईसा से खरीदले रहले, हर नर के अपना घर में लेके अपना अग्रचर्म के मांस के खतना क देले।
24 ओही दिन अब्राहम के खतना हो गइल आ उनकर घर के सब आदमी, <आ घर में जनमल लोग> के खतना हो गइल आ ऊ सब लोग जेकरा के ऊ परदेसी के लइकन से पइसा से खरीदले रहलन, उनकर खतना हो गइल।
25 ई नियम हर पीढ़ी खातिर बा, आ आठ दिन में से एक दिन के खतना ना होला। काहे कि ई एगो अनन्त नियम ह, जवन स्वर्गीय पाटी पर नियुक्त आ लिखल बा।
26 जे भी जनम से आठवाँ दिन ओकर अग्रचमड़ी के खतना ना भइल होखे, ऊ ओह वाचा के संतान के ना ह जवन प्रभु अब्राहम के साथे कइले रहले, बलुक विनाश के संतान के हवें। ना ही ओकरा पर कवनो निशानी बा कि ऊ प्रभु के ह, बलुक (उनुकर किस्मत में लिखल बा) कि ऊ धरती से नष्ट होके मारल जाई आ धरती से जड़ से उखाड़ फेंकल जाव, काहे कि ऊ हमनी के परमेश्वर प्रभु के वाचा के तोड़ दिहले बा।
27 काहे कि वर्तमान के सब स्वर्गदूत आ पवित्रता के सब स्वर्गदूत के सृष्टि के दिन से ही अइसन बनावल गइल बा, आ उपस्थिति के दूत आ पवित्रता के दूतन के सामने उ इस्राएल के पवित्र कइले बाड़न, ताकि उ लोग उनकरा साथे आ उनकर पवित्र स्वर्गदूतन के साथे होखे।
28 तू इस्राएल के लोग के आज्ञा दऽ आ ओह लोग के एह वाचा के निशानी के अपना पीढ़ियन ले अनन्त नियम के रूप में पालन करे दीं आ ऊ लोग एह देश से जड़ से ना उखाड़ल जाई.
29 काहेकि इ आज्ञा एगो वाचा खातिर तय कईल गईल बा कि उ लोग इस्राएल के सब लोग के बीच हमेशा खातिर एकरा के पालन करे।
30 इस्माइल आ उनकर बेटा, उनकर भाई आ एसाव के चलते प्रभु अपना लगे ना पहुंचवले, आ उ लोग के एह से ना चुनले कि उ इब्राहीम के संतान हवे, काहे कि उ ओ लोग के जानत रहले, बालुक उ इस्राएल के आपन लोग बने खातिर चुनले।
31 ऊ एकरा के पवित्र कइलन आ ओकरा के सब मनुष्य के संतान के बीच से बटोर लिहलन। काहे कि कई गो राष्ट्र आ कई गो लोग बा, आ सब उनकर ह, आ सब पर ऊ आत्मा के अधिकार में रखले बाड़न कि ऊ ओह लोग के अपना से भटक सके।
32 बाकिर इस्राएल पर ऊ कवनो स्वर्गदूत भा आत्मा के ना नियुक्त कइलन काहे कि ऊ अकेले ओह लोग के शासक हउवें आ ऊ ओह लोग के बचा के अपना स्वर्गदूतन आ अपना आत्मा के हाथ से आ अपना सगरी शक्तियन के हाथ से ओह लोग के माँग करीहें जेहसे कि ऊ ओह लोग के बचा सके आ आशीर्वाद दे सके आ ऊ लोग उनुकर हो सके आ अब से ऊ हमेशा खातिर ओह लोग के हो सके.
33 अब हम तोहके बतावत बानी कि इस्राएल के लोग एह नियम के पालन ना करी आ एह सब व्यवस्था के अनुसार अपना बेटा के खतना ना करी। काहे कि अपना खतना के शरीर में ऊ लोग अपना बेटा के ई खतना छोड़ दीहें आ ऊ सब बेलियार के बेटा अपना बेटा के जनम के जइसन खतना ना कइले छोड़ दीहें.
34 आउर प्रभु के ओर से इस्राएल के लोग के खिलाफ बहुत क्रोध होई। काहे कि ऊ लोग उनकर वाचा छोड़ के उनकर वचन से हट गइल बा, आ भड़का दिहले बा आ निंदा कइले बा, काहे कि ऊ लोग एह व्यवस्था के नियम के पालन नइखे करत; काहेकि उ लोग अपना अंग के गैर-यहूदी लोग निहन व्यवहार कईले बाड़े, ताकि उ लोग के देश से हटावल जा सके अवुरी जड़ से उखाड़ल जा सके। आ अब ओह लोग खातिर माफी भा माफी ना होखी [ताकि माफी आ माफी होखे] एह अनन्त गलती के सब पाप खातिर।

अध्याय 16 के बा

1 चउथा महीना के अमावस्या के दिन हम अब्राहम के सामने ममरे के ओक के किनारे दर्शन कईनी अवुरी उनुका से बात कईनी अवुरी उनुका के घोषणा कईनी कि उनुकर पत्नी सारा उनुका के एगो बेटा दिही।
2 सारा हँसली काहे कि ऊ सुनली कि हमनी के अब्राहम से ई बात कहले बानी जा आ हमनी के उनुका के सलाह दिहनी जा आ ऊ डेरा गइली आ एह बात से इनकार कइली कि ऊ हँसले बाड़ी.
3 हमनी के ओकरा बेटा के नाम बता दिहनी जा, जइसे कि ओकर नाम स्वर्गीय पाटी में लिखल बा आ लिखल बा (अर्थात इसहाक।
4 आ (कि) जब हमनी के एगो निर्धारित समय पर ओकरा लगे लवटनी जा त उ एगो बेटा के गर्भ में आ गईल रहित।
5 आ एही महीना में प्रभु सदोम, अमोरा, जबबोइम आउर यरदन के पूरा इलाका पर आपन न्याय पूरा कइलन आ ऊ ओह लोग के आग आ गंधक से जरा दिहलन आ आजु ले ओह लोग के नष्ट कर दिहलन जइसे कि हम तोहरा के ओह लोग के सगरी काम बता दिहले बानी कि ऊ लोग बहुते दुष्ट आ पापी ह आ ऊ लोग अपना के अशुद्ध कर के अपना शरीर में व्यभिचार करेला धरती पर अशुद्धता के बात बा।
6 ओइसहीं परमेस् वर सदोम के लोग के अशुद्धता के अनुसार जवना जगहन पर उ लोग काम कइले बा, ओकरा पर न्याय करीहें।
7 लेकिन हम लूत के बचा लेहनी। काहेकि परमेस् वर अब्राहम के याद कइलन आ ओकरा के उखाड़ फेंकला के बीच से भेज दिहलन।
8 ऊ आ उनकर बेटी लोग धरती पर अइसन पाप कइल जवन आदम के जमाना से लेके उनकर समय तक धरती पर ना रहे। काहे कि ऊ आदमी अपना बेटी लोग के साथे पड़ल रहे।
9 देखऽ, स्वर्ग के पाटी पर उनकर सब वंशज के बारे में आज्ञा आ उकेरल गइल रहे कि ओह लोग के हटा के जड़ से उखाड़ फेंकल जाव आ सदोम के न्याय जइसन ओह लोग पर न्याय कइल जाव आ सजा के दिन धरती पर आदमी के कवनो संतान ना छोड़ल जाव.

10 एही महीना में अब्राहम हेब्रोन से हट के गेरार के पहाड़ में कादेश आ शूर के बीच में रह गइलन।
11 पांचवा महीना के बीच में उ उहाँ से हट के शपथ के कुआँ के पास रह गईले।
12 छठवाँ महीना के बीच में प्रभु सारा के घरे अइले आ ओकरा साथे जइसन कहले रहले ओइसने कइलन आ ऊ गर्भवती हो गइली।
13 ऊ तीसरा महीना में एगो बेटा के जनम दिहली आ ओह महीना के बीच में जवना समय प्रभु अब्राहम से बात कइले रहले, फसल के पहिला फल के परब पर इसहाक के जनम भइल।
14 अब्राहम आठवाँ दिन अपना बेटा के खतना कइलन, ऊ पहिला आदमी रहलन जे हमेशा खातिर तय कइल वाचा के अनुसार खतना कइलन।
15 चउथा हफ्ता के छठवाँ साल में हमनी के अब्राहम के लगे, किरिया के कुआँ के लगे पहुँचनी जा, आ हमनी के ओकरा से प्रकट भइनी जा [जइसे कि हमनी के सारा से कहले रहनी जा कि हमनी के ओकरा लगे वापस आ जाईं जा, आ उ एगो बेटा के गर्भवती हो जईती।
16 हमनी के सातवाँ महीना में वापस आके सारा के अपना से पहिले गर्भवती देखनी जा] आ हमनी के ओकरा के आशीष दिहनी जा, आ हमनी के ओकरा बारे में जवन फरमान दिहल गइल रहे, ओकरा के बता दिहनी जा कि जबले ओकरा छह गो अउरी बेटा ना पैदा हो जाई तबले ऊ ना मरसु आ मरला से पहिले (ओकनी के) देख लेव। लेकिन (कि) इसहाक के नाम आ संतान के नाम दिहल जाव।
17 आ (कि) उनकर बेटा लोग के सब संतान गैर-यहूदी होखे आ गैर-यहूदी लोग के हिसाब से होखे। लेकिन इसहाक के बेटा से केहू पवित्र वंश बन जाई आ गैर-यहूदी लोग में ना गिनल जाई।
18 काहेकि ऊ परमात्मा के हिस्सा बन जइहें आ उनकर सब वंशज परमेश्वर के कब्जा में आ गइल रहे, ताकि उ प्रभु के सब राष्ट्र से ऊपर (उनकर) कब्जा खातिर एगो लोग होखे आ उ राज्य आ याजक आ पवित्र राष्ट्र बन जाव।
19 हमनी के रास्ता में चल गइनी जा आ हम सारा के उ सब बात सुनवनी जा जवन हमनी के उनुका के बतवले रहनी जा, त उ दुनो लोग बहुत खुशी से खुश हो गईले।
20 उहाँ उ प्रभु खातिर एगो वेदी बनवले, जे उनका के बचा लेले रहले अवुरी अपना प्रवास के देश में उनुका के खुश करत रहले, अवुरी उ एह महीना में सात दिन तक उल्लास के परब मनवले, जवन कि उ शपथ के कुआँ में बनवले रहले।
21 एह परब में ऊ अपना आ अपना नौकरन खातिर बूथ बनवले आ सबसे पहिले ऊ धरती पर तम्बू के परब मनवले.
22 एह सात दिन में ऊ हर दिन वेदी पर पापबलि खातिर दू गो बैल, दू गो मेढ़क, सात गो भेड़ आ एगो बकरी के होमबलि लेके अइले, ताकि ऊ अपना आ अपना संतान के प्रायश्चित कर सके।
23 धन्यवाद बलि के रूप में सात गो मेढ़क, सात गो बछड़ा, सात गो भेड़ आ सात गो बकरी आ ओह लोग के फल के बलिदान आ ओह लोग के पेयबलि दिहल जाव. ओकर सब चर्बी वेदी पर जरा दिहलन, जवन कि भगवान के चुनल चढ़ाई रहे, जवन कि एगो मीठ गंध वाला सुगंध खातिर रहे।
24 उ सबेरे-सांझ के सुगंधित पदार्थ, लोबान, गल्बनम, ढेर, नार्ड, गंधक, मसाला आ वेशभूषा जरावत रहले। ई सब सात गो ऊ कुचल के, बराबर भाग में (आ) शुद्ध मिला के चढ़वले।
25 उ सात दिन में इ भोज मनवले, उ अपना घर में मौजूद सभ लोग से पूरा मन अवुरी पूरा जान से खुश रहले अवुरी उनुका संगे कवनो पराया ना रहे अवुरी ना कवनो खतना ना भईल रहे।
26 ऊ अपना सृष्टिकर्ता के आशीष दिहलन जे ओकरा के अपना पीढ़ी में बनवले बाड़न, काहे कि ऊ ओकरा के अपना मन से रचले बाड़न. काहे कि ऊ जानत रहले आ समझत रहले कि उनुका से अनन्त पीढ़ियन खातिर धर्म के पौधा पैदा होई आ ओकरा से एगो पवित्र बीज पैदा होई, जवना से ऊ सब कुछ बनावे वाला के जइसन हो जाई.
27 ऊ आशीष दिहलन आ खुश भइलन आ एह परब के नाम परमेशवर के परब रखलन, जवन परम परमेश्वर के स्वीकार्य आनन्द ह।
28 हमनी के ओकरा के आ ओकरा बाद के सब संतान के हमेशा खातिर आशीष देनी जा, काहे कि उ स्वर्ग के पाटी के गवाही के मुताबिक इ परब अपना समय में मनावत रहले।
29 एही से इस्राएल के बारे में स्वर्ग के पाटी पर इ तय बा कि सातवाँ महीना में सात दिन तक तम्बू के परब हर्षोल्लास से मनावे के चाहीं, जवन प्रभु के सामने स्वीकार्य होखे - जवन हर साल अपना पीढ़ी के हमेशा खातिर नियम ह।
30 एकरा खातिर दिन के कवनो सीमा नइखे। काहे कि इस्राएल के बारे में हमेशा खातिर तय कइल गइल बा कि ऊ लोग एकरा के मनावे आ बूथ में रहसु आ अपना माथा पर माला चढ़ावे आ धार से पत्ता वाला डाढ़ आ विलो लेसु.
31 इब्राहीम ताड़ के डाढ़ आ बढ़िया पेड़ के फल लेके रोज सबेरे सात बेर डाढ़ के साथे वेदी के चक्कर लगावत अपना भगवान के स्तुति आ धन्यवाद देत रहले।

अध्याय 17 के बा

1 पांचवा हफ्ता के पहिला साल में इसहाक के दुध छुड़ावल गईल, [1982 AM] आ अब्राहम तीसरा महीना में एगो बड़ भोज कईले, जवना दिन उनुकर बेटा इसहाक दुध छुड़ावल गईल।
2 मिस्र के हाजर के बेटा इस्माइल उनका जगह पर उनकर बाप अब्राहम के सामने रहे आ अब्राहम खुश होके परमेश्वर के आशीष दिहलन काहे कि उ अपना बेटा के देखले रहले अवुरी निस्संतान ना मरले रहले।
3 जब लूत ओकरा से अलग हो गइल रहले, ओह दिन ऊ जवन बात कहले रहले, ओकरा के याद कइलन आ ऊ खुश हो गइलन काहे कि प्रभु ओकरा के धरती पर बीज देले रहले कि ऊ धरती के उत्तराधिकारी हो सके आ ऊ अपना पूरा मुँह से सब चीजन के रचयिता के आशीष दिहलन.
4 सारा इस्माइल के खेलत आ नाचत देखली आ अब्राहम के बहुत खुशी से खुश होके इशमाएल से ईर्ष्या होके अब्राहम से कहली कि, 'ए दासी आ ओकर बेटा के बाहर निकाल द। काहे कि एह दासी के बेटा हमरा बेटा इसहाक के वारिस ना होई।'
5 अब्राहम के दासी आ बेटा के चलते इ बात बहुत दुखद हो गईल कि उ ओ लोग के अपना से भगा देले।
6 भगवान अब्राहम से कहले, 'बच्चा आ दासी के चलते तोहरा नजर में दुख मत होखे। सारा जवन कुछ तोहरा से कहले बाड़ी, ओकरा में ओकर बात सुनीं आ ओकरा के पूरा करीं; काहे कि इसहाक में तोहार नाम आ संतान के नाम दिहल जाई।

7 बाकिर एह दासी के बेटा के हम ओकरा के एगो बड़हन राष्ट्र बना देब, काहे कि ऊ तोहार वंश के ह।'
8 अब्राहम सबेरे उठ के रोटी आ पानी के बोतल लेके हाजर आ बच्चा के कान्ह पर रख के ओकरा के भेज दिहलन।
9 ऊ निकल के बेरशेबा के जंगल में भटकली आ बोतल में पानी खतम हो गइल आ लइका प्यास गइल आ आगे ना बढ़ पावल आ गिर गइल।
10 ओकर माई ओकरा के लेके एगो जैतून के पेड़ के नीचे फेंक दिहलस आ ओकरा के धनुष के दूरी पर ओकरा के बईठा दिहलस। काहे कि ऊ कहली कि हमरा अपना लइका के मौत ना देखे दीं आ बइठत घरी रोवत रहली.
11 पवित्र लोग में से एगो परमेश्वर के एगो स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, 'हागार, तू काहे रोवत बाड़? उठ के लइका के लेके हाथ में पकड़ लीं। काहे कि भगवान तोहार आवाज सुनले बाड़े अवुरी बच्चा के देखले बाड़े।'
12 ऊ आँख खोलली त पानी के कुआँ देखली त जाके आपन बोतल में पानी भरली आ अपना बच्चा के पीये दिहली आ उठ के पारन के जंगल के ओर चल गईली।
13 ऊ लइका बड़ होके तीरंदाज हो गइल आ भगवान ओकरा साथे रहले आ ओकर माई मिस्र के बेटी लोग में से ओकरा के एगो मेहरारू ले लिहली।
14 ऊ ओकरा खातिर एगो बेटा के जनम दिहली आ ऊ ओकर नाम नबियोत रख दिहलस। काहे कि ऊ कहली कि जब हम ओकरा के बोलवनी त प्रभु हमरा नजदीक रहले.
15 सातवाँ हफ्ता में, पहिला साल, [2003 AM] में, एह जयंती के पहिला महीना में, एह महीना के बारहवाँ के, स्वर्ग में इब्राहीम के बारे में आवाज सुनाई पड़ल कि उ हर बात में वफादार रहलन, अउर प्रभु से प्रेम करत रहलन, आ हर दुख में उ वफादार रहलन।
16 राजकुमार मस्तेमा आके भगवान के सामने कहले, 'देख, अब्राहम अपना बेटा इसहाक से प्यार करेले अवुरी उ ओकरा में सभसे जादे खुश बाड़े। ओकरा के वेदी पर होमबलि के रूप में चढ़ावे के कह दीं आ तू देखब कि ऊ ई आज्ञा के पालन करी कि ना, आ तू जानब कि ऊ हर ओह काम में वफादार बा कि ना जवना में तू ओकरा के परखत बाड़ऽ.
17 प्रभु जानत रहले कि अब्राहम अपना सब दुख में वफादार रहले। काहे कि ऊ ओकरा के अपना देश आ अकाल से परखले रहले आ राजा लोग के धन से ओकरा के परखले रहले आ ओकरा के फेर से परखले रहले जब ऊ अपना मेहरारू से फाट गइल रहली आ खतना से. उ इस्माइल आ ओकर दासी हाजर के माध्यम से ओकर परीक्षण कईले रहले, जब उ ओ लोग के भेज देले रहले।
18 जवना भी काम में उ उनकर परीक्षण कईले रहले, उ वफादार पावल गईले अवुरी उनुकर आत्मा अधीर ना रहे अवुरी उ कवनो काम करे में देरी ना करत रहले। काहेकि उ वफादार आ प्रभु के प्रेमी रहले।

अध्याय 18 के बा

1 भगवान ओकरा से कहलन, 'अब्राहम, अब्राहम'। आ कहलन कि देखऽ, हम (इहाँ) बानी।'
2 ऊ कहले, "अपना प्रिय बेटा जेकरा से तू प्यार करेलऽ, (इहाँ तक कि) इसहाक के लेके ऊँच देश में जाके ओकरा के ओह पहाड़न में से कवनो पहाड़ पर चढ़ा दऽ, जवना के हम तोहरा के बताइब।'
3 ऊ सबेरे-सबेरे उठ के अपना गदहा पर काठी लगा के अपना दुनु जवानन के आ अपना बेटा इसहाक के लेके होमबलि के लकड़ी काट के तीसरा दिन ओहिजा गइलन आ ऊ जगह दूर से देखलन.
4 उ पानी के कुआँ के लगे पहुंचले अवुरी अपना नवही से कहले, 'तू लोग इहाँ गदहा के संगे रहब, त हम अवुरी लईका (ओहिजा) चल जाईब, अवुरी जब हमनी के पूजा क लेब त फेर से तोहरा लगे आ जाईब।'
5 ऊ होमबलि के लकड़ी लेके अपना बेटा इसहाक पर रख दिहलन आ आग आ चाकू अपना हाथ में लेके दुनु जाना मिल के ओहिजा चल गइलन।
6 इसहाक अपना पिता से कहलस, 'बाबूजी।' आ कहलस, 'हम इहाँ बानी, हमार बेटा।' उ ओकरा से कहलस कि देखऽ आग, चाकू आ लकड़ी; बाकिर होमबलि खातिर भेड़ कहाँ बा बाबू?'
7 उ कहले, 'हे बेटा, भगवान होमबलि खातिर एगो भेड़ के इंतजाम करीहे।' उ परमेश्वर के पहाड़ के जगह के नजदीक आ गईले।
8 ऊ एगो वेदी बनवले आ लकड़ी के वेदी पर रख के अपना बेटा इसहाक के बान्ह के वेदी पर जवन लकड़ी रहे ओकरा पर रख दिहले आ अपना बेटा इसहाक के मारे खातिर चाकू लेबे खातिर हाथ बढ़वले।
9 आ हम ओकरा सामने आ राजकुमार मस्टेमा के सामने खड़ा हो गइनी आ प्रभु कहले, 'ओकरा के आदेश मत दीं कि ऊ ओह लइका पर हाथ मत राखे आ ना ओकरा साथे कुछ करे, काहे कि हम देखा दिहले बानी कि ऊ प्रभु से डेरात बा.'
10 हम स्वर्ग से ओकरा के बोलवनी आ कहनी कि अब्राहम, अब्राहम। आ ऊ घबरा के कहलस कि देखऽ, (इहाँ) हम बानी।'
11 हम ओकरा से कहनी कि, 'ओह लईका प हाथ मत राखी अवुरी ना ओकरा संगे कुछूओ करीं। काहे कि अब हम देखा देले बानी कि तू प्रभु से डेरात बाड़ू, आ अपना बेटा, तोहार पहिला बेटा के हमरा से ना रोकले बाड़ू।'
12 राजकुमार मस्टेमा के शर्मिंदा हो गइल। इब्राहीम आपन आँख उठा के देखले आ देखलस कि एगो मेढ़क पकड़ल गइल बा . . . सींग से पकड़ के अब्राहम जाके मेढ़ा लेके अपना बेटा के जगह होमबलि में चढ़वले।
13 इब्राहीम ओह जगह के 'प्रभु देखले' कहले, एहसे कहल जाला कि जवन पहाड़ प्रभु देखले बाड़े, उ ह सियोन पहाड़।
14 हमनी के प्रभु के नाम से बात करे खातिर प्रभु अब्राहम के दूसरा बेर स्वर्ग से आपन नाम से बोलवले।
15 उ कहले कि, 'हम अपना से कसम खईले बानी, प्रभु कहतारे कि, काहेंकी तू इ काम कईले बाड़, अवुरी अपना बेटा, अपना प्रिय बेटा के हमरा से ना रोकले बानी, कि हम तोहरा के आशीर्वाद देब, अवुरी बढ़ला से हम तोहार संतान के बढ़ा देब।' जइसे आकाश के तारा, आ बालू जइसन जवन समुंदर के किनारे बा। आ तोहार संतान ओकरा दुश्मनन के शहरन के उत्तराधिकारी हो जाई।
16 तोहरा संतान में धरती के सब राष्ट्र के आशीष मिली। काहे कि तू हमार आवाज मान लेले बाड़ू, आ हम सभका के देखा देले

बानी कि हम जवन कुछ कहले बानी, ओकरा में तू हमरा से वफादार बाड़ू, शांति से जा।'
17 अब्राहम अपना नवही लोग के लगे गईले, उ लोग उठ के एक संगे बेरशेबा गईले अवुरी अब्राहम [2010 AM] किरिया के कुआं के लगे रह गईले।
18 ऊ हर साल सात दिन के खुशी से एह परब के मनावत रहले आ जवना सात दिन में ऊ चैन से लवटत रहले, ओकरा हिसाब से एकरा के प्रभु के परब कहत रहले.
19 एही हिसाब से इस्राएल आ ओकर वंशज के बारे में स्वर्ग के पाटी पर लिखल गइल बा कि ऊ लोग सात दिन तक एह परब के परब के खुशी के साथ मनावे।

अध्याय 19 के बा

1 बयालीसवाँ महोत्सव के पहिला हफ्ता के पहिला साल में अब्राहम वापस आके हेब्रोन यानी किरयात अरबा के सामने दु सप्ताह तक रह गईले।
2 एह जयंती के तीसरा हफ्ता के पहिला साल में सारा के जीवन के दिन पूरा हो गईल अवुरी उ हेब्रोन में मर गईली।
3 अब्राहम ओकरा खातिर शोक मनावे आ ओकरा के दफनावे खातिर गइलन आ हमनी के ओकरा के परखनी जा कि ओकर आत्मा धैर्यवान बा आ ओकरा मुँह के बात से नाराज नइखे। आ एह में ऊ धैर्य से धीरज पावलन आ कवनो परेशानी ना भइलन.
4 ऊ धैर्य से हेत के लोग से बात कइलन कि ऊ लोग ओकरा के एगो जगह दे देव जवना में ऊ अपना मुअल लोग के दफना सके.
5 प्रभु ओकरा के देखल सब लोग के सामने कृपा कइलन आ हेत के बेटा लोग से नम्रता से निहोरा कइलन आ ऊ लोग ओकरा के चार सौ चांदी के दाम में ममरे यानी हेब्रोन के सामने वाला दुगुना गुफा के देश दे दिहलन।
6 उ लोग ओकरा से निहोरा कईले कि, हम तोहरा के बेकार में दे देब। बाकिर ऊ बेकार में ओह लोग के हाथ से ना ले लिहलन काहे कि ऊ ओह जगह के दाम, पइसा पूरा तरह से दे दिहलन आ दू बेर ओह लोग का सोझा प्रणाम कइलन आ एकरा बाद ऊ अपना मुअल लोग के दोहरा गुफा में दफना दिहलन.
7 सारा के जीवन के सब दिन एक सौ सत्ताईस साल यानी दू जयंती आ चार हफ्ता आ एक साल रहे।
8 इ दसवाँ परीक्षा ह जवना में अब्राहम के परीक्षा भइल आ ऊ विश्वासी, आत्मा में धैर्यवान पावल गइलन।
9 उ देश में अफवाह के बारे में एको शब्द ना कहले कि भगवान कहले रहले कि उ एकरा के उनुका अवुरी ओकरा बाद के संतान के दे दिहे, अवुरी उ अपना मुअल के दफनावे खाती उहाँ जगह के निहोरा कईले। काहेकि ऊ विश्वासी पावल गइलन आ स्वर्ग के पाटी पर उनकरा के परमेश्वर के दोस्त के रूप में लिखल गइल।
10 ओकरा चउथा साल में ऊ अपना बेटा इसहाक खातिर एगो मेहरारू बिया आ ओकर नाम रेबेका [2020 AM] [बथुएल के बेटी, नाहोर के बेटा, अब्राहम के भाई] लाबान के बहिन आ बेथुएल के बेटी रहे। बेथुएल मेल्का के बेटा रहलन जे अब्राहम के भाई नाहोर के मेहरारू रहली।
11 अब्राहम अपना घर के नौकरन के बेटी लोग में से तीसरी पत्नी के बियाह कईले, जेकर नाम केतुरा रहे, काहे कि हागर सारा से पहिले मर गईल रहली। दू हफ्ता में उ ओकरा खातिर छह गो बेटा जमली, जिम्राम, योक्षान, मेदान, मिदियन, इशबक आ शुआ।
12 छठवाँ हफ्ता में दूसरा साल में रिबेका के दू गो बेटा याकूब आ एसाव भइल।
13 आ [2046 AM] याकूब एगो चिकना आ सीधा आदमी रहले आ एसाव उग्र, खेत के आदमी आ बालदार रहले आ याकूब डेरा में रहत रहले।
14 जवान लोग बढ़ल आ याकूब लिखे के सीख गइलन। बाकिर एसाव ना सीखलन काहे कि ऊ खेत के आदमी आ शिकारी रहले आ युद्ध सीखले रहले आ उनकर सगरी काम भयंकर रहे.
15 अब्राहम याकूब से प्यार करत रहले, लेकिन इसहाक एसाव से प्यार करत रहले।
16 अब्राहम एसाव के काम देखलन आ जान गइलन कि याकूब में उनकर नाम आ संतान के नाम दिहल जाई। आ ऊ रिबेका के बोलवले आ याकूब के बारे में आज्ञा दिहलन, काहे कि ऊ जानत रहले कि ऊ (उहो) याकूब से एसाव से बहुते अधिका प्यार करेली.
17 ऊ ओकरा से कहलन, "हे बेटी, हमार बेटा याकूब पर नजर राखीं, काहे कि ऊ हमरा जगहा धरती पर रही, आ आदमी के संतान के बीच आशीष खातिर, आ शेम के पूरा वंशज के महिमा खातिर।
18 काहेकि हम जानत बानी कि प्रभु ओकरा के धरती पर मौजूद सब लोग से ऊपर अपना खातिर एगो लोग के रूप में चुनिहें।
19 देखऽ, हमार बेटा इसहाक याकूब से बेसी एसाव से प्यार करेला, लेकिन हम देखत बानी कि तू याकूब से सही मायने में प्यार करत बाड़ू।
20 ओकरा पर आपन दया अउरी बढ़ा दीं आ प्रेम में ओकरा पर नजर राखीं। काहेकि उ अब से धरती के हर पीढ़ी तक धरती पर हमनी खातिर आशीष बनल रहीहे।
21 तोहार हाथ मजबूत होखे, आ तोहार मन अपना बेटा याकूब में खुश होखे। काहे कि हम ओकरा से अपना सभ बेटा से बहुत जादे प्यार कईले बानी। ऊ हमेशा खातिर धन्य होई, आ ओकर संतान पूरा धरती में भर जाई।
22 अगर केहू धरती के बालू के गिनती कर सकेला त ओकर संतान भी गिनल जाई।
23 जवना आशीष से प्रभु हमरा आ हमरा संतान के आशीष देले बाड़न, उ सब हमेशा याकूब आ उनकर वंशज के होई।
24 ओकरा संतान में हमार नाम आउर हमार बाप-दादा शेम, नोआब, हनोक, महलालेल, एनोस, सेत आ आदम के नाम आशीष मिली।
25 ई सब आकाश के नींव रखे के काम करीहें आ धरती के मजबूत करे के काम करीहें आ आकाश में मौजूद सब प्रकाश के नवीकरण के काम करीहें।
26 ऊ याकूब के अपना महतारी रेबेका के नजर में बोलवले आ ओकरा के चुम्मा लिहले आ आशीर्वाद दिहले आ कहले.
27 'याकूब, हमार प्रिय बेटा, जेकरा से हमार आत्मा प्यार करेले, भगवान तोहरा के आकाश के ऊपर से आशीर्वाद देस, आ तोहरा के उ सब आशीर्वाद देस, जवना से उ आदम, हनोक, नूह, आ शेम के आशीर्वाद देले। आ जवन सब बात उ हमरा के बतवले रहले, आ जवन भी बात उ हमरा के देवे के वादा कईले रहले, उ धरती से ऊपर स्वर्ग के दिन के मुताबिक, तोहरा अवुरी तोहरा संतान से हमेशा खाती चिपकल रहस।
28 मस्टेमा के आत्मा तोहरा पर ना तोहरा वंश पर राज ना करी कि तोहरा के प्रभु से मोड़ सके, जे अब से तोहार भगवान हउवें।

29 प्रभु परमेश्वर तोहरा आ तोहरा पहिला बेटा आ जनता खातिर हमेशा बाप बनल रहस।
30 चैन से जा, बेटा।' उ दुनु जाना अब्राहम से एक संगे निकल गईले।
31 रिबेका एसाव से बहुत जादे याकूब से पूरा मन अवुरी पूरा प्राण से प्यार कईली। लेकिन इसहाक याकूब से बहुत जादे एसाव से प्यार करत रहले।

अध्याय 20 के बा

1 बयालीसवाँ जयंती में सातवाँ हफ्ता के पहिला साल में इब्राहीम इस्माइल [2052 (2045?) AM] आ उनकर बारह बेटा, इसहाक आ उनकर दू गो बेटा आ केतुरा के छह गो बेटा आ उनकर बेटा के बोलवले।
2 उ लोग के आज्ञा दिहलन कि उ लोग प्रभु के रास्ता के पालन करस। कि उ लोग धर्म के काम करस, आ हर केहू अपना पड़ोसी से प्रेम करस, आ सब लोग के बीच एही तरह से काम करस। कि उ लोग हर केहू अपना बारे में अईसन चले कि धरती पर न्याय आ धार्मिकता करस।
3 उ लोग अपना बेटा के खतना करस, जवन वाचा उ ओह लोग से कईले रहले, आ प्रभु हमनी के जवन भी रास्ता के आज्ञा देले रहले, ओकरा से दाहिना ओर भा बांया ओर ना हटस। आ हमनी के अपना के हर व्यभिचार आ अशुद्धता से बचावे के चाहीं, [आ हमनी के बीच से सब व्यभिचार आ अशुद्धता के त्याग करे के चाहीं]।
4 अगर कवनो मेहरारू भा नौकरानी तोहनी में व्यभिचार करे त ओकरा के आग से जरा दीं आ ओकरा साथे अपना नजर आ मन के हिसाब से व्यभिचार मत करे। आ कनान के बेटी लोग से मेहरारू मत लेव। काहे कि कनान के वंश देश से जड़ से उखाड़ल जाई।
5 ऊ ओह लोग के दिग्गजन के न्याय आ सदोमियन के न्याय के बारे में बतवले कि कइसे ऊ लोग ओह लोग के दुष्टता के चलते न्याय कइल गइल आ ऊ लोग अपना व्यभिचार, अशुद्धता आ व्यभिचार के कारण आपसी भ्रष्टाचार के चलते मर गइल।
6 'आउर हर व्यभिचार आ अशुद्धि से, आ पाप के हर अशुद्धि से अपना के बचाईं, कहीं हमनी के नाम के अभिशाप ना बना दीं, आ आपन पूरा जिनिगी सिसकी मत बना दीं, आ आपन सब बेटा के तलवार से नाश ना कर दीं, आ तू लोग सदोम नियर अभिशप्त हो जाइब, आ आपन सब बचे वाला लोग के अमोरा के बेटा नियर।'
7 हे बेटा लोग, हम तोहसे निहोरा करत बानी कि स्वर्ग के परमेश्वर से प्रेम करीं, आ उनकर सब आज्ञा के पालन करीं। आ उनकर मूर्ति आ अशुद्धि के अनुसरण मत करीं।
8 आ अपना खातिर पिघलल भा उकेरल देवता मत बनाईं। काहे कि ऊ आडंबर ह, आ ओहमें कवनो आत्मा नइखे. काहे कि ई (मनुष्य के) हाथ के काम ह, आ जे एह लोग पर भरोसा करेला ऊ सब कुछुओ पर भरोसा ना करेला.
9 ओह लोग के सेवा मत करीं आ ना ही ओह लोग के पूजा करीं, बलुक परम परमेश्वर के सेवा करीं आ लगातार उनकर आराधना करीं, आ उनकर चेहरा पर हमेशा आशा करीं, आ उनकरा सामने सीधापन आ धार्मिकता के काम करीं, ताकि ऊ रउरा पर प्रसन्न हो सके आ रउरा पर आपन दया कर सके, आ रउरा पर सबेरे-शाम बरखा करस, आ रउरा सभे के ओह काम के आशीर्वाद दीं जवन रउरा धरती पर कइले बानी आ रउरा के आशीर्वाद दीं रोटी आ पानी, आ अपना पेट के फल आ अपना देश के फल, आ अपना मवेशी के झुंड आ भेड़ के झुंड के आशीर्वाद दीं।
10 आ तू लोग धरती पर आशीष के रूप में होखब, आ धरती के सब राष्ट्र तोहरा के चाहत होई, आ तोहनी के बेटा लोग के हमरा नाम से आशीष दिही, ताकि उ लोग भी हमरा जइसन आशीष पा सके।
11 ऊ इस्माइल आ उनकर बेटा आ केतुरा के बेटा के उपहार दिहलन आ ओह लोग के अपना बेटा इसहाक से दूर कर दिहलन आ ऊ सब कुछ अपना बेटा इसहाक के दे दिहलन.
12 इस्माइल आ उनकर बेटा आ केतुरा के बेटा आ उनकर बेटा एक संगे पारन से लेके बेबिलोन के प्रवेश तक के पूरा देश में रह गईले जवन पूरब के ओर रेगिस्तान के ओर मुड़ल बा।
13 इ लोग एक दूसरा में घुलमिल गईले अवुरी ओ लोग के नाम अरब अवुरी इस्माइली हो गईल।

अध्याय 21 के बा

1 एह जयंती के सातवाँ हफ्ता के छठवाँ साल में अब्राहम अपना बेटा इसहाक के बोलवले आ [2057 (2050?) AM] ओकरा के आज्ञा दिहलन कि, 'हम बूढ़ हो गइल बानी, आ अपना मरला के दिन नइखीं जानत आ अपना दिन से भरल बानी।'
2 आ देखऽ, हम एक सौ पचहत्तर साल के बानी, आ अपना जीवन के पूरा दिन में हम प्रभु के याद कइले बानी, आ पूरा मन से उनकर इच्छा के पूरा करे के कोशिश कइले बानी, आ उनकर सब रास्ता पर सीधा चले के कोशिश कइले बानी।
3 हमार प्राण मूर्ति से नफरत करत बा, <आ हम ओह लोग के सेवा करे वाला लोग के तिरस्कार करत बानी, आ हम आपन दिल आ आत्मा देले बानी> ताकि हम अपना के बनावे वाला के इच्छा के पालन करे के पालन कर सकीले।
4 काहेकि उ जिंदा परमेश्वर हवें, उ पवित्र आ विश्वासी हवें, आ उ सब से परे धर्मी हवें, आ उनकरा में (पुरुष) के स्वीकार ना करे वाला आ वरदान के स्वीकार ना करे वाला हवें। काहेकि परमेश्वर धर्मी हउवें अउर उनकरा आज्ञा के उल्लंघन करे वाला अउर उनकर वाचा के तिरस्कार करे वाला सब लोग पर न्याय करेलन।
5 आ तू, हमार बेटा, उनकर आज्ञा आ उनकर नियम आ उनकर न्याय के पालन करऽ आ घिनौना काम आ उकेरल मूर्ति आ पिघलल मूर्ति के पीछे मत चलऽ।
6 जानवर भा मवेशी आ आकाश में उड़त कवनो चिरई के खून ना खाईं।
7 आ अगर तू कवनो शिकार के स्वीकार्य शांति बलि के रूप में मारब त ओकरा के मार दीं आ ओकर खून वेदी पर डाल दीं आ वेदी पर बलि के चर्बी के सगरी चर्बी के महीन आटा आ तेल में मिला के मांस बलि के साथे ओकरा पेयबलि के साथे -सब के एक संगे होमबलि के वेदी पर चढ़ाईं। ई प्रभु के सामने एगो मीठ सुगंध ह।
8 धन्यवाद बलि के चर्बी के वेदी पर लागल आग पर चढ़ा देब, पेट पर जवन चर्बी बा, भीतरी आ दुनु गुर्दा के चर्बी आ ओकरा पर जवन चर्बी बा, कमर आ जिगर के गुर्दा के साथे निकाल दीं।

9 आ ई सब प्रभु के सोझा खुशगंध खातिर चढ़ाईं, ओकरा में अन्नबलि आ ओकर पेयबलि के साथे, एगो मीठ सुगंध खातिर, प्रभु के चढ़ावे के रोटी।
10 ओह दिन आ दूसरा दिन ओकर भोजन खाईं आ दूसरा दिन ओकरा पर तब तक सूरज ना डूबे दीं जब तक कि ओकरा के ना खाइल जाव आ तीसरा दिन तक कुछ ना बचल जाव। काहे कि ई स्वीकार्य नइखे [काहे कि एकरा के मंजूर नइखे] आ अब एकरा के ना खाइल जाव आ जे भी एकरा के खाई ऊ अपना पर पाप ले आई। काहे कि हमरा पुरखा लोग के किताबन में, हनोक के बातन में आ नूह के बातन में एह तरह से लिखल मिलल बा।
11 अपना सब बलिदान पर तू नमक बिखेरऽ आ प्रभु के सामने तोहरा सभ बलिदान में वाचा के नमक के कमी मत होखे।
12 आ बलिदान के लकड़ी के बात त सावधान रहीं कि कहीं एह सब के अलावा वेदी खातिर (अउरी) लकड़ी ना ले आईं: सरू, खाड़ी, बादाम, देवदार, देवदार, देवदार, सविन, अंजीर, जैतून, गंधक, लॉरेल, एस्पालेथस।
13 आ एह तरह के लकड़ी के बलिदान के नीचे वेदी पर पड़ल रहे, जवना के रूप के परीक्षा भइल बा, आ (ओह पर) कवनो फाटल भा करिया लकड़ी ना डालल जाव, (लेकिन) कड़ा आ साफ, बिना कवनो दोष के, एगो आवाज आ नया बढ़ल। आ पुरान लकड़ी मत बिछाईं, [काहे कि ओकर सुगंध खतम हो गइल बा] काहे कि अब ओकरा में पहिले जइसन सुगंध नइखे रहि गइल.
14 एह तरह के लकड़ी के अलावा अउरी कवनो लकड़ी नइखे जवना के तू (वेदी पर) रखब, काहे कि सुगंध बिखराइल बा आ ओकर सुगंध के गंध स्वर्ग तक ना जाला।
15 हे बेटा, एह आज्ञा के पालन करऽ आ ओकरा के पूरा करऽ, ताकि तू अपना सब काम में सीधा रहऽ।
16 आ हर समय अपना शरीर में साफ-सुथरा रहीं आ वेदी पर चढ़ावे खातिर नजदीक आवे से पहिले पानी से धो लीं आ वेदी के नजदीक आवे से पहिले हाथ-गोड़ धोईं। आ जब बलिदान पूरा हो जाई त फेर से हाथ-गोड़ धो लीं।
17 आ तोहरा पर ना त कपड़ा पर खून ना लउके। हे बेटा, खून से सावधान रहऽ, बहुते सावधान रहऽ; ओकरा के धूल से ढंकल जाला।
18 आऊ कवनो खून मत खाईं काहेकि उहे आत्मा ह। कवनो खून ना खाईं जवन होखे।
19 आदमी के खून खातिर कवनो वरदान मत लीं, कहीं ऊ बिना कवनो सजा के बिना दंडहीनता के बहाव ना होखे। काहे कि ऊ खून बहल ह जवन धरती के पाप करेला, आ धरती के आदमी के खून से शुद्ध ना कइल जा सके, सिवाय ओकरा खून के।
20 आदमी के खून खातिर कवनो उपहार भा वरदान मत लीं, खून के बदले खून, ताकि तू परमात्मा परमात्मा प्रभु के सामने स्वीकार कइल जा सके। काहे कि ऊ अच्छाई के बचाव ह, आ ताकि तू हर बुराई से बचावल जा सके आ तोहरा के हर तरह के मौत से बचा सके।
21 हे बेटा, हम देखतानी कि मनुष्य के संतान के सब काम पाप अवुरी बुराई ह, अवुरी उनुकर सभ काम अशुद्धि अवुरी घिनौना अवुरी अशुद्धता ह, अवुरी ओ लोग के संगे कवनो धार्मिकता नईखे।
22 सावधान रहऽ कि कहीं तू ओह लोग के राह पर ना चलऽ आ ओह लोग के राह पर ना चलब आ परमात्मा परमेश्वर के सामने मौत के पाप ना करऽ। ना त ऊ तोहरा से आपन चेहरा छिपा के तोहरा के फेर से तोहरा अपराध के हाथ में दे दी, आ तोहरा के देश से जड़ से उखाड़ दी, आ तोहार संतान भी ओइसहीं स्वर्ग के नीचे से, आ तोहार नाम आ तोहार संतान पूरा धरती से नाश हो जाई।
23 ओह लोग के सब काम आ सब अशुद्धि से मुड़ के परम परमेश्वर के नियम के पालन करीं आ उनकर इच्छा के पालन करीं आ सब काम में सीधा रहीं।
24 आ ऊ तोहरा के तोहरा सब करनी में आशीर्वाद दिहे, आ तोहरा से पूरा धरती में, धरती के हर पीढ़ी में धर्म के पौधा खड़ा करीहें, आ हमार नाम आ तोहार नाम स्वर्ग के नीचे हमेशा खातिर ना भुलावल जाई।
25 चैन से जा, हमार बेटा। परम परम भगवान, हमार भगवान आ तोहार भगवान, तोहरा के आपन इच्छा पूरा करे खातिर मजबूत करस, आ तोहरा सब वंश आ तोहरा वंश के अवशेष के पीढ़ियन खातिर हमेशा खातिर, सब धर्मी आशीर्वाद से आशीर्वाद देस, ताकि तू पूरा धरती पर आशीर्वाद बन जा।'
26 उ खुश होके ओकरा से बाहर निकल गईले।

अध्याय 22 के बा

1 चौवालीसवाँ जयंती के पहिला हफ्ता, यानी कि जवना साल इब्राहीम के मौत भइल रहे, ओह साल में, इसहाक आ इस्माइल किरिया के कुआँ से हफ्ता के परब -यानी कि फसल के पहिला फल के परब- मनावे खातिर अइले, आ अब्राहम के खुशी भइल काहे कि उनकर दुनु बेटा आइल रहले।
2 काहेकि इसहाक के बेरशेबा में बहुत संपत्ति रहे, आ इसहाक के आदत रहे कि उ आपन संपत्ति देख के अपना पिता के पास वापस आ जास।
3 ओही दिन में इस्माइल अपना बाप से मिले गइलन आ दुनु जने एकजुट हो गइलन आ इसहाक होमबलि खातिर बलि चढ़वले आ अपना बाप के वेदी पर चढ़वले जवन ऊ हेब्रोन में बनवले रहले.
4 ऊ धन्यवाद चढ़वले आ अपना भाई इस्माइल के सामने खुशी के भोज बनवले आ रिबेका नया अनाज से नया केक बनवली आ ओकरा के अपना बेटा याकूब के दे दिहली कि ऊ देश के पहिला फल से अपना पिता अब्राहम के लगे ले जासु, ताकि ऊ मरला से पहिले सब कुछ के रचनाकार के खा सके आ आशीर्वाद देसु.
5 इसहाक भी याकूब के हाथ से अब्राहम के पास एगो बेहतरीन धन्यवाद के बलिदान भेजले, ताकि उ खाए-पी सकस।
6 ऊ खात-पीयत परम परमेश्वर के आशीष दिहलन, जे आकाश आ धरती के रचना कइले बाड़न, जे धरती के सब मोट चीज बनवले बाड़न आ आदमी के संतान के देले बाड़न, ताकि ऊ लोग खा-पी के अपना सृष्टिकर्ता के आशीष देस।
7 'आ अब हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी, हे हमार भगवान, काहे कि तू हमरा के आज के देखवले बाड़, देखऽ, हम एक सौ तीस पन्द्रह साल के बानी, बुढ़ आ दिन से भरल बानी, आ हमार सब दिन हमरा खातिर शांति रहल बा।'
8 आज तक हमरा आ हमरा लइकन के जवन कुछ देले बाड़ू, ओकरा में दुश्मन के तलवार हमरा पर हावी नइखे भइल।
9 हे भगवान, तोहार दया आ शांति तोहार सेवक आ ओकर बेटा लोग के वंशज पर होखे, ताकि ऊ लोग तोहरा खातिर एगो चुनल राष्ट्र आ धरती के सभ जाति के बीच से उत्तराधिकार बन सके, अब से लेके धरती के पीढ़ी के सब दिन तक, हर युग तक।'

10 ऊ याकूब के बोलवले आ कहले, 'हमार बेटा याकूब, सबके परमेश्वर तोहरा के आशीष देस आ तोहरा के धार्मिकता आ ओकरा सामने आपन मर्जी करे खातिर मजबूत करस, आ तोहरा के आ तोहार वंशज के चुनस ताकि तू हमेशा उनकर इच्छा के अनुसार उनकर विरासत खातिर एगो लोग बन सकीले।
11 आ तू, हमार बेटा याकूब, हमरा के नजदीक आके चुम्मा लीं।' आ ऊ ओकरा के चुम्मा लेहले आ कहलन कि, 'हमार बेटा याकूब, आ परम परमेश्वर के सब बेटा लोग के, हर युग तक धन्य होखे, भगवान तोहरा के धार्मिकता के बीज देस। आ तोहार कुछ बेटा के ऊ पूरा धरती के बीच में पवित्र कर सकेलें; राष्ट्र तोहार सेवा करस, आ सब राष्ट्र तोहरा संतान के सामने झुक जाव।
12 आदमी के सामने मजबूत रहीं आ सेत के सब वंश पर अधिकार राखीं। तब तोहार रास्ता आ तोहार बेटा के राह धर्मी हो जाई, ताकि उ लोग एगो पवित्र राष्ट्र बन जईहे।
13 परमात्मा परमेश्वर तोहरा के उ सब आशीष देस, जवना से उ हमरा के आशीष देले बाड़े अवुरी जवना से उ नूह अवुरी आदम के आशीर्वाद देले बाड़े। ऊ लोग तोहरा संतान के पवित्र सिर पर पीढ़ी दर पीढ़ी हमेशा खातिर टिकल रहे।
14 उ तोहरा के सब अधर्म आ अशुद्धता से शुद्ध करस, ताकि तोहरा सब अपराध के माफ कर दिहल जा सके। जवन तू अज्ञानता में कइले बाड़। आ ऊ तोहरा के मजबूत करस, आ तोहरा के आशीर्वाद देस। आ का तू पूरा धरती के उत्तराधिकारी होखऽ,
15 आ उ तोहरा साथे आपन वाचा के नवीकरण करस। ताकि तू उनकरा खातिर हर युग तक उनकर विरासत खातिर एगो राष्ट्र बनीं, आ रउवा आ तोहरा संतान खातिर धरती के पूरा दिन में सच्चाई आ धार्मिकता में परमेश्वर बनल रहऽ।
16 आ तू, हमार बेटा याकूब, हमार बात याद करऽ, आ अपना बाप इब्राहीम के आज्ञा के पालन करऽ: अपना के राष्ट्रन से अलगा करऽ, आ ओह लोग के साथे मत खाईं, आ ओह लोग के काम के अनुसार मत करऽ आ ओह लोग के साथी मत बनऽ। काहे कि उनकर काम अशुद्ध ह, आ उनकर सब रास्ता अशुद्ध आ घिनौना आ अशुद्धता ह।
17 ऊ लोग आपन बलिदान मुअल लोग के चढ़ावेला, आ दुष्ट आत्मा के पूजा करेला, आ कब्र के ऊपर खाला, आ उनकर सब काम आडंबर आ शून्य ह।
18 ओह लोग के समझे के दिल नइखे, आ ओह लोग के आँख नइखे देखत कि उनकर काम का ह, आ कइसे ऊ लोग एगो लकड़ी के टुकड़ा से गलती करत बा कि, 'तू हमार भगवान हउअ' आ एगो पत्थर से: 'तू हमार प्रभु हउअ आ तू हमार उद्धारकर्ता हउअ।' [आ ओह लोग के कवनो दिल नइखे.]
19 रहल बात तोहार, हमार बेटा याकूब, परम भगवान तोहार मदद करस, आ स्वर्ग के भगवान तोहरा के आशीर्वाद देस, आ तोहरा के ओह लोग के अशुद्धता से आ ओह लोग के सब गलती से दूर करस।
20 हे हमार बेटा याकूब, कनान के बेटी के कवनो संतान से पत्नी लेबे से सावधान रहऽ। काहे कि ओकर सब संतान धरती से उखाड़ फेंके के बा।
21 काहेकि हाम के अपराध के चलते कनान गलती कईले, अवुरी ओकर सभ संतान धरती अवुरी ओकरा से निकले वाला केहु के नष्ट क दिहल जाई अवुरी ओकरा से निकलल केहु के न्याय के दिन ना बचावल जाई।
22 रहल बात मूर्ति के पूजा करे वाला आ अपवित्र लोग के
(क) जिंदा लोग के देश में ओह लोग खातिर कवनो आशा ना होई;
(ख) आ धरती पर ओह लोग के कवनो याद ना होई।
(ग) काहे कि उ लोग सीतल में उतर जइहें।
(घ) आ दोषी ठहरावे के जगह पर चल जइहें।
जइसे सदोम के लइकन के धरती से हटा दिहल गइल रहे ओइसहीं मूर्ति के पूजा करे वाला सब लोग के छीन लिहल जाई।
23 हे हमार बेटा याकूब, मत डेराईं, आ हे अब्राहम के बेटा, निराश मत होखऽ, परमात्मा भगवान तोहरा के विनाश से बचावस, आ सब गलती के रास्ता से बचावस।
24 ई घर हम अपना खातिर बनवले बानी ताकि हम धरती पर आपन नाम डाल सकीले। ई तोहरा आ तोहरा संतान के हमेशा खातिर दिहल गइल बा। काहे कि तू हमार घर बनाइब आ भगवान के सामने हमार नाम हमेशा खातिर स्थापित करबऽ, तोहार संतान आ तोहार नाम धरती के हर पीढ़ी में खड़ा रही।'
25 ऊ ओकरा के आज्ञा दिहल आ आशीर्वाद दिहल बंद कर दिहलन.
26 दुनो लोग एक बिछौना प लेट गईले अवुरी याकूब अपना पिता के पिता अब्राहम के छाती में सुत गईले अवुरी उ उनुका के सात बेर चुम्मा लेले अवुरी उनुकर दुलार अवुरी दिल उनुका प खुश हो गईल।
27 ऊ ओकरा के पूरा मन से आशीर्वाद दिहलन आ कहलन कि, 'परम परमेश्वर, सबके भगवान आ सबके सृष्टिकर्ता, जे हमरा के कल्दीयन के उर से ले अइले कि ऊ हमरा के ई देश हमेशा खातिर विरासत में दे सके आ हम एगो पवित्र बीज के स्थापना कर सकीले- परम भगवान हमेशा खातिर धन्य होखसु.'
28 ऊ याकूब के आशीष दिहलन आ कहलन कि, 'हमार बेटा, जेकरा पर हम पूरा मन आ स्नेह से खुश बानी, तोहार कृपा आ दया ओकरा पर आ ओकरा संतान पर हमेशा बढ़ल रहे।
29 ओकरा के मत छोड़ीं, ना ओकरा के अब से अनन्त काल तक बेकार मत करीं, आ ओकरा पर आ ओकरा संतान पर तोहार नजर खुल जाव, ताकि तू ओकरा के बचा सकीले, आ आशीर्वाद दीं, आ ओकरा के अपना विरासत खातिर एगो राष्ट्र के रूप में पवित्र कर सकीले।
30 आ ओकरा के अब से लेके अनन्त काल तक आपन सब आशीष से आशीर्वाद दीं आ ओकरा साथे आ ओकरा संतान के साथे आपन वाचा आ आपन कृपा के नवीकरण करीं, जवन कि धरती के सभ पीढ़ी तक तोहार सद्भावना के अनुसार होखे।'

अध्याय 23 के बा

1 ऊ याकूब के दू गो अँगुरी अपना आँख पर रख के देवता लोग के भगवान के आशीष दिहलन आ ऊ आपन चेहरा ढंक के गोड़ तान के अनन्त काल के नींद सुत गइलन आ अपना बाप-दादा के लगे बटोर लिहलन.
2 एह सब के बावजूद याकूब अपना गोदी में पड़ल रहले आ ना जानत रहले कि उनकर बाप अब्राहम मर गइल बाड़े।
3 याकूब नींद से जागल त देखलस कि इब्राहीम बर्फ निहन ठंडा हो गईल बाड़े अवुरी कहले कि, 'बाबू, पिता'। बाकिर केहू बोलल ना रहे आ ऊ जान गइल कि ऊ मर गइल बा.
4 ऊ अपना छाती से उठ के दौड़ के आपन माई रेबेका के बतवले। रिबेका रात में इसहाक के लगे जाके ओकरा के

बतवली। उ लोग एक संगे चल गईले, याकूब के संगे उनुका हाथ में एगो दीया रहे अवुरी जब उ लोग भीतर गईले त उ लोग अब्राहम के मरल पड़ल देखले।
5 इसहाक अपना पिता के मुंह पर गिर गईले अवुरी रोवत-रोवत उनुका के चुम्मा लेले।
6 अब्राहम के घर में आवाज सुनाई देलस त उनकर बेटा इस्माइल उठ के अपना पिता अब्राहम के लगे गईले अवुरी उ अपना पिता अब्राहम अवुरी इब्राहीम के पूरा घराना के बारे में रोवत रहले अवुरी उ लोग बहुत रोवत रोवत रहले।
7 उनकर बेटा इसहाक आ इस्माइल उनका के उनकर मेहरारू सारा के लगे दुगुना गुफा में दफना दिहले आ उनकर घर के सब आदमी, इसहाक आ इस्माइल आ उनकर सब बेटा आ केतुरा के सब बेटा अपना जगह पर उनकरा खातिर चालीस दिन रोवत रहले। आ अब्राहम खातिर रोवे के दिन खतम हो गइल।
8 ऊ तीन जयंती चार हफ्ता, एक सौ पचहत्तर साल जियले आ बूढ़ आ दिन से भरल होके आपन जिनिगी पूरा कइलन.
9 काहे कि पुरखन के दिन उन्नीस जयंती रहे। आ जलप्रलय के बाद ऊ लोग उन्नीस जुबली से कम होखे लागल आ जुबली में कम होखे लागल आ जल्दी से बुढ़ होखे लागल आ अब्राहम के छोड़ के कई तरह के कष्ट आ अपना रास्ता के दुष्टता के कारण अपना दिन से भरल होखे लागल।
10 काहेकि इब्राहीम प्रभु के साथे आपन सब काम में सिद्ध रहले आ जीवन भर धार्मिकता में खुश रहले। आ देखऽ, ऊ अपना जीवन में चार जयंती पूरा ना कइलन, जब ऊ दुष्टता के कारण बूढ़ हो गइल रहले आ अपना दिन से भरल रहले.
11 आ एह समय से लेके महान न्याय के दिन तक जवन भी पीढ़ी पैदा होई, उ सब पीढ़ी जल्दी बूढ़ हो जाई, ओकरा पहिले कि उ दु जयंती पूरा करी, अवुरी उ लोग के ज्ञान उ लोग के बुढ़ापा के चलते छोड़ दिही, जमीन उनुकर सभ ज्ञान खतम हो जाई]।
12 आ ओह दिनन में अगर केहू डेढ़ साल के जुबली जियला त ओकरा बारे में कह दी कि ऊ लमहर जियले बा आ ओकरा दिन के अधिकतर हिस्सा पीड़ा आ दुख आ कष्ट बा आ कवनो शांति नइखे.
13 काहे कि विपत्ति के बाद विपत्ति, घाव पर घाव, कष्ट के बाद कष्ट, बुरा खबर पर बुरा खबर, बेमारी पर बेमारी, आ बेमारी पर बेमारी, आ एह तरह के सब बुराई, एक दोसरा के साथे बेमारी आ उखाड़ फेंकल, बर्फ, ठंढा आ बर्फ, बोखार, ठंढा, आराध, अकाल, आ मौत, आ तलवार, आ कैद, आ सब कुछ आवेला तरह तरह के आपदा आ पीड़ा के सामना करे के पड़ेला।'
14 ई सब एगो बुरा पीढ़ी पर आई जवन धरती पर उल्लंघन करी।
15 तब उ लोग कह दिहे कि, 'पुरान लोग के दिन बहुत (सम), हजार साल तक रहे, अवुरी निमन रहे। बाकिर देखऽ, हमनी के जिनिगी के दिन, अगर केहू ढेर जियले बा त तीन सौ साल दस साल बा आ अगर ऊ मजबूत बा त चार सौ साल आ ऊ बुराई, आ एह बुरा पीढ़ी के दिन में कवनो शांति नइखे.'
16 आ ओह पीढ़ी में बेटा लोग अपना बाप आ अपना बुजुर्गन के पाप आ अधर्म के बारे में, आ अपना मुँह के बात आ बड़हन बुराई के बारे में दोषी ठहराई जवन ऊ लोग करेला, आ ओह वाचा के छोड़े के बारे में जवन प्रभु ओह लोग आ उनकरा बीच कइले रहले, कि ऊ लोग उनकर सभ आज्ञा आ उनकर नियम आ उनकर सब नियम के पालन करे आ पालन करे, बिना या त दाहिना हाथ भा बायां हाथ से हटले।
17 काहेकि सब लोग बुराई कइले बा आ हर मुँह अधर्म बोलत बा आ उनकर सब काम अशुद्धि आ घृणित बा, आ उनकर सब रास्ता अशुद्धि, अशुद्धि आ विनाश ह।
18 देखऽ, ओह लोग के सब काम के चलते धरती नष्ट हो जाई आ बेल के बीज ना होई आ तेल ना होई। काहे कि ओह लोग के काम बिल्कुल बेविश्वास बा आ ऊ सब लोग एक संगे, जानवर, मवेशी, चिरई आ समुंदर के मछरी, मनुष्य के संतान के चलते नाश हो जइहें।
19 कानून आ वाचा के चलते उ लोग एक दूसरा से झगड़ा करीहे, जवान बूढ़ से, बूढ़ जवान से, गरीब अमीर से, नीच बड़का से अवुरी भिखारी राजकुमार से। काहेकि उ लोग आज्ञा, वाचा, भोज, महीना, सब्त के दिन, जुबली आ सब न्याय के भुला गईल बाड़े।
20 आ ऊ लोग धनुष आ> तलवार लेके खड़ा होके ओकरा के रास्ता में वापस ले आवे खातिर लड़ाई लड़िहें। लेकिन जब तक धरती पर बहुत खून ना बहल होई, तब तक उ लोग एक-दूसरा के ना लवट आई।
21 आ जे बचल बा ऊ लोग अपना दुष्टता से धर्म के राह पर ना लवटी, बलुक ऊ सब धोखा आ धन में अपना के ऊपर उठाई, ताकि ऊ हर केहू अपना पड़ोसी के सब कुछ ले सके, आ ऊ महान नाम के नाम ले लेव, बाकिर सच्चाई में ना आ धार्मिकता में ना, आ अपना अशुद्धता आ अपना प्रदूषण के भ्रष्ट होखे से पवित्र जगहन के पवित्र जगहन के अशुद्ध कर दीहें.
22 आ एह पीढ़ी के काम के प्रभु के ओर से बहुत बड़ सजा होई, आ उ ओह लोग के तलवार आ न्याय आ बंदी में सौंप दिहे, आ लूट के खा जाई।
23 आ ऊ ओह लोग के खिलाफ गैर-यहूदी के पापी लोग के जगा दीहें, जेकरा में ना त दया बा ना करुणा, आ जे केहू के व्यक्ति के आदर ना करी, ना बूढ़ ना जवान, ना केहू के, काहे कि ऊ लोग आदमी के सब संतान से अधिका दुष्ट आ बुराई करे में मजबूत बा। उ लोग इस्राएल के खिलाफ हिंसा अवुरी याकूब के खिलाफ उल्लंघन करीहे, अवुरी धरती प बहुत खून बहावल जाई, अवुरी केहु जुटावे वाला अवुरी गाड़े वाला ना होई।
24 ओह दिनन में ऊ लोग जोर-जोर से चिल्लात होई आ पुकारत होई आ प्रार्थना करी कि ऊ लोग पापी, गैर-यहूदी लोग के हाथ से बचावल जा सके। लेकिन केहू के उद्धार ना होई।
25 आ लइकन के माथा धूसर बाल से सफेद हो जाई आ तीन हफ्ता के लइका सौ साल के आदमी नियर बूढ़ लउकी आ ओह लोग के कद कष्ट आ अत्याचार से नष्ट हो जाई।
26 ओह दिनन में लइका-लइकी नियम के अध्ययन करे लागीहें, आज्ञा के खोजे लागीहें आ धार्मिकता के राह पर लवटे लागीहें।
27 आ ओह आदमी के संतान में दिन बढ़े लागी आ बढ़े लागी जबले कि ओह लोग के दिन एक हजार साल के करीब ना हो जाई. आ (पहिले) से अधिका संख्या में साल तक दिन के संख्या रहे।
28 आ ना कवनो बूढ़ आदमी होई आ ना केहू जे अपना दिन से <ना> संतुष्ट होई, काहे कि सभे लइका आ जवान के रूप में होई।
29 आऊ आपन सब दिन पूरा हो जइहें आ शांति आ खुशी से जियत रहीहें आ ना त शैतान होई ना कवनो दुष्ट विनाशक। काहेकि उनकर सब दिन आशीष आ चंगाई के दिन होई।
30 ओह घरी प्रभु अपना सेवकन के ठीक करीहें आ ऊ लोग उठ के बहुते शांति देखसु आ अपना विरोधियन के भगा दीहें. आ धर्मी

लोग देखत रही आ धन्यवाद देत रही, आ हमेशा खातिर खुशी से खुश रही, आ अपना दुश्मनन पर आपन सगरी फैसला आ सगरी गारी देखत रही.
31 आ ओह लोग के हड्डी धरती पर आराम करी आ ओह लोग के आत्मा के बहुते खुशी होई आ ऊ लोग जान जाई कि ई प्रभु हउवें जे न्याय करेला आ सैकड़न हजारन आ ओकरा से प्यार करे वाला सभे पर दया करेला
32 आऊ मूसा, तू ई बात लिखऽ। काहे कि ऊ लोग एही तरह से लिखल गइल बा, आ ऊ लोग स्वर्गीय पाटी पर (ओकनी के) लिख के पीढ़ियन खातिर हमेशा खातिर गवाही के रूप में काम करेला।

अध्याय 24 के बा

1 अब्राहम के मरला के बाद प्रभु उनकर बेटा इसहाक के आशीष दिहलन आ ऊ हेब्रोन से उठ के एह जयंती के तीसरा हफ्ता [2073 AM] के पहिला साल में सात साल तक दर्शन के कुआँ पर रह गइलन।
2 चउथा हफ्ता के पहिला साल में इब्राहीम के समय में पहिला अकाल के अलावा [2080 AM] देश में अकाल शुरू हो गईल।
3 याकूब मसूर के गमले के खेती करत रहले, आ एसाव खेत से भूखल होके अइले। आ ऊ अपना भाई याकूब से कहले, 'हमरा के ई लाल गमला दे दऽ।' आ याकूब ओकरा से कहले, 'हमरा के आपन [प्राइमोजेनिचर, ई] जन्मसिद्ध अधिकार बेच द आ हम तोहरा के रोटी देब, आ एह मसूर के पोटेज में से कुछ भी।'
4 एसाव मन में कहलन कि हम मरब। हमरा कवन फायदा के ई जन्मसिद्ध अधिकार बा?
5 'उ याकूब से कहले, 'हम तोहरा के दे देनी।' आ याकूब कहलन, 'आज हमरा से कसम खाईं' आ ऊ ओकरा से किरिया खइले।
6 याकूब अपना भाई एसाव के रोटी आ बर्तन दे दिहलन आ जबले ऊ तृप्त ना हो गइल तबले ऊ खात रहलन आ एसाव अपना जनम अधिकार के तिरस्कार कइलन. एही कारण से एसाव के नाम एदोम रखल गईल, काहे कि याकूब उनुका के अपना जन्मसिद्ध अधिकार के चलते देले रहले।
7 याकूब बड़का बन गइलन आ एसाव के मर्यादा से उतार दिहल गइल।
8 देश पर अकाल पड़ गइल आ इसहाक एह हफ्ता के दूसरा साल में मिस्र जाए खातिर निकल गइलन आ पलिस्तीयन के राजा के लगे गेरार, अबीमेलेक गइलन।
9 तब प्रभु ओकरा से प्रकट होके कहलन, 'मिस्र में मत उतरीं। जवना देश के बारे में हम तोहरा के बताइब, ओह देश में रहऽ आ एह देश में रहऽ आ हम तोहरा साथे रहब आ तोहरा के आशीर्वाद देब।
10 काहे कि हम ई पूरा देश तोहरा आ तोहरा संतान के देब आ हम आपन किरिया पूरा करब जवन हम तोहार बाप अब्राहम के किरिया खइले रहनी आ तोहार संतान के स्वर्ग के तारा नियर बढ़ा देब आ तोहरा संतान के ई पूरा देश देब।
11 आ तोहरा संतान में धरती के सब जाति के आशीर्वाद मिली, काहे कि तोहार पिता हमार बात मानले, आ हमार आज्ञा, हमार आज्ञा, हमार नियम, आ हमार नियम आ हमार वाचा के पालन कइले। आ अब हमार आवाज मान के एह देश में रह जा।'
12 उ तीन हफ्ता तक गेलर में रहले।
13 अबीमेलेक उनका बारे में [2080-2101 AM] आ उनकर सब कुछ के बारे में आज्ञा दिहलन कि, 'जे केहू ओकरा के छूवेला भा ओकर कवनो चीज के जरूर मर जाई।'
14 इसहाक पलिस्तीयन के बीच में मजबूत हो गइलन आ ओकरा लगे बैल, भेड़, ऊंट आ गदहा आ एगो बड़हन घराना मिल गइल।
15 ऊ पलिस्तीयन के देश में बोवाई कइलन आ सौ गुना बोआई कइलन आ इसहाक बहुते बड़ हो गइलन आ पलिस्तीन लोग ओकरा से ईर्ष्या कइल.
16 अब्राहम के जीवन में इब्राहीम के नौकर जवन कुआं खोदले रहले, उ सब कुआं के पलिस्ती अब्राहम के मौत के बाद ओकरा के रोक के माटी से भर देले रहले।
17 अबीमेलेक इसहाक से कहलस, 'हमनी से जा, काहेकि तू हमनी से बहुत ताकतवर बाड़', आ सातवाँ हफ्ता के पहिला साल में इसहाक उहाँ से निकल के गेरार के घाटी में रह गईले।
18 उ लोग फेरु से पानी के कुआँ खोदले जवन उनकर बाप अब्राहम के नौकर खोदले रहले आ जवन उनकर पिता अब्राहम के मरला के बाद पलिस्ती लोग बंद कर देले रहले आ उ उनकर नाम ओइसहीं रखले रहले जइसन उनकर बाप अब्राहम रखले रहले।
19 इसहाक के नौकर घाटी में इनार खोद के जिंदा पानी मिलल आ गेरार के चरवाहा इसहाक के चरवाहा से झगड़ा करत कहले कि पानी हमनी के ह। आ इसहाक इनार के नाम 'विकृतता' रखले, काहे कि ऊ लोग हमनी के साथे विकृत हो गइल रहे।
20 उ लोग दूसरा इनार खोदले अवुरी ओकरा खाती भी झगड़ा कईले अवुरी उनुकर नाम 'दुश्मन' रखले। उहाँ से उठ के उ लोग एगो अउरी इनार खोदले, आ एकरा खातिर उ लोग के झगड़ा ना भईल, अवुरी उ एकर नाम 'कमरा' रखले, अवुरी इसहाक कहले कि, 'अब प्रभु हमनी खाती जगह बनवले बाड़े अवुरी हमनी के देश में बढ़ गईल बानी।'
21 चौवालीसवाँ जयंती में पहिला हफ्ता के पहिला साल में उहाँ से शपथ के कुआँ पर चढ़ गइलन।
22 ओह रात पहिला महीना के अमावस्या के दिन प्रभु ओकरा से प्रकट भइले आ कहलन कि हम तोहार बाप अब्राहम के भगवान हईं। मत डेरा, काहे कि हम तोहरा साथे बानी आ तोहरा के आशीर्वाद देब आ तोहार संतान के धरती के बालू निहन जरूर बढ़ाईब, हमार सेवक अब्राहम के खातिर।'
23 उहाँ उ एगो वेदी बनवले, जवन कि उनकर बाप अब्राहम सबसे पहिले बनवले रहले अवुरी उ प्रभु के नाम लेत रहले अवुरी उ अपना पिता अब्राहम के भगवान के बलि चढ़वले।
24 उ लोग एगो इनार खोद के जिंदा पानी मिलल।
25 इसहाक के नौकर एगो अउरी इनार खोद के पानी ना मिलल आ उ लोग जाके इसहाक से कहल कि पानी नइखे मिलल आ इसहाक कहलस कि हम आज पलिस्तीयन के कसम खइले बानी आ ई बात हमनी के बतावल गइल बा।
26 उ ओहि जगह के नाम किरिया के कुआँ रखले। काहे कि उहाँ ऊ अबीमेलेक आ अपना दोस्त अहूज्जत आ ओकर सेना के फिकोल के किरिया खइले रहले.
27 इसहाक के उ दिन पता चल गईल कि उ मजबूरी में ओ लोग से मेल मिलाप करे के किरिया लेले बाड़े।
28 इसहाक ओह दिन पलिस्तीयन के श्राप दिहलन आ कहलन कि, 'पलिस्तीयन के सब जाति के बीच से क्रोध आ क्रोध के दिन तक अभिशाप कइल जाव। भगवान ओह लोग के उपहास आ

अभिशाप आ पापी गैर-यहूदी लोग के हाथ में आ कित्तीम लोग के हाथ में क्रोध आ आक्रोश के विषय बनावस।
29 जे केहू दुश्मन आ कित्तीम के तलवार से बच जाला, ऊ धर्मी राष्ट्र स्वर्ग के नीचे से न्याय में जड़ से उखाड़ फेंके। काहे कि ऊ लोग धरती पर अपना पीढ़ी-दर-पीढ़ी हमरा लइकन के दुश्मन आ दुश्मन रहीहें.
30 ओह लोग के कवनो बचे वाला लोग के छोड़ल ना जाई आ ना ही केहू के बचावल जा सकेला जवन न्याय के क्रोध के दिन से बचावल जा सकेला। काहे कि विनाश आ जड़ से उखाड़ फेंकल आ धरती से निकालल पलिस्तीयन के पूरा वंश (आरक्षित) ह, आ अब एह कफ्तोरी लोग खातिर धरती पर कवनो नाम भा बीज ना रह जाई।
31 भले ऊ स्वर्ग में चढ़ जाई, ओहिजा से नीचे गिरावल जाई, आ भले ऊ अपना के धरती पर मजबूत बनाई, ओहिजा से घसीटल जाई, आ भले ऊ राष्ट्रन के बीच लुकाई, ओहिजा से ओकरा के जड़ से उखाड़ल जाई। आऊ भले ही ऊ सील में उतरी, लेकिन उहाँ भी ओकर सजा बहुत होई, आ उहाँ भी ओकरा कवनो शांति ना होई।
32 अगर ऊ बंदी में चल जाई त रास्ता में ओकर जान खोजे वाला लोग के हाथ से ओकरा के मार दीहें आ पूरा धरती पर ओकरा खातिर ना त नाम छोड़ल जाई ना संतान। काहे कि ऊ अनन्त शाप में चल जइहें।'
33 स्वर्ग के पाटी पर उनकरा बारे में एही तरह से लिखल आ उकेरल बा कि न्याय के दिन ओकरा साथे कइल जाव, ताकि ऊ धरती से जड़ से उखाड़ फेंकल जा सके।

अध्याय 25 के बा

1 एह हफ्ता के दूसरा साल में एह जयंती में रिबेका आपन बेटा याकूब के बोलवली आ कहली कि, 'हे बेटा, तोहरा के कनान के बेटी में से मेहरारू मत बनाईं, जइसे कि तोहार भाई एसाव, जे कनान के बेटी में से दू गो मेहरारू लेहले रहले, आ उ लोग अपना सब अशुद्ध कर्म से हमार आत्मा के कड़वा देले बाड़े।' व्यभिचार आ कामवासना, आ ओह लोग के साथे कवनो धार्मिकता नइखे, काहे कि (ओकनी के काम) बुराई ह।
2 हम, हमार बेटा, तोहरा से बहुते प्यार करेनी आ हमार दिल आ हमार स्नेह दिन के हर घड़ी आ रात के पहरा पर तोहरा के आशीर्वाद देत बा।
3 अब हे बेटा, हमार आवाज सुनऽ आ अपना माई के मर्जी के पालन करऽ आ एह देश के बेटी लोग में से तोहरा के मेहरारू मत बनाईं, बलुक खाली हमरा बाबूजी के घर के आ हमरा बाबूजी के रिश्तेदारन के मेहरारू बनाईं। तू तोहरा के हमरा बाप के घर के मेहरारू बना लेब, त परम भगवान तोहरा के आशीर्वाद दिहे, आ तोहार लइका एगो धर्मी पीढ़ी आ पवित्र वंश हो जइहें।'
4 तब याकूब अपना महतारी रिबेका से कहलन आ कहलन कि, 'देखऽ, माई, हम नौ हफ्ता के बानी, ना त हम कवनो मेहरारू के जानत बानी ना छूले बानी, ना कवनो के सगाई कइले बानी आ ना ही कनान के बेटी लोग के मेहरारू बनावे के बारे में सोचले बानी।
5 हे माई, हमरा इयाद बा कि हमनी के बाप अब्राहम के बात इयाद बा, काहे कि उ हमरा के कनान के बेटी में से पत्नी ना लेवे के आज्ञा देले रहले, बालुक हमरा पिता के घर के संतान अवुरी अपना रिश्तेदार से पत्नी ले लीं।
6 हम पहिले सुनले बानी कि तोहार भाई लाबान के बेटी पैदा भइल बा आ हम ओह लोग के बीच से मेहरारू लेबे के मन बना लेले बानी।
7 एही से हम अपना जीवन भर पाप करे भा अपना हर रास्ता में भ्रष्ट होखे से अपना के अपना के बचा लेले बानी। काहे कि काम-वासना आ व्यभिचार के बारे में हमार पिता अब्राहम हमरा के बहुत आज्ञा देले रहले।
8 आ, उ हमरा के जवन भी आज्ञा देले बाड़े, ओकरा बावजूद, इ बीस साल से हमार भाई हमरा से झगड़ा करत बाड़े, अवुरी हमरा से बार-बार बात करत कहले बाड़े कि, 'हमार भाई, हमरा दुनो पत्नी में से एगो बहिन के पत्नी बना लीं'; बाकिर हम उनुका जइसन करे से मना कर देत बानी.
9 हे माई, हम तोहरा सामने कसम खात बानी कि हम अपना जिनिगी भर कनान के वंशज के बेटी से हमरा के मेहरारू ना लेब, आ हम अपना भाई जइसन बुराई ना करब।
10 हे माई, मत डेराईं; निश्चिंत रहऽ कि हम तोहार इच्छा पूरा करब आ सीधा-सीधा चलब, आ हमेशा खातिर आपन रास्ता ना बिगाड़ब।'
11 तब ऊ आपन मुँह आकाश के ओर उठा के हाथ के अँगुरी बढ़ा के आपन मुँह खोल के परम परम भगवान के आशीष दिहली, जे आकाश आ धरती के रचना कइले बाड़न आ उनकर धन्यवाद आ स्तुति कइली।
12 उ कहली कि, 'प्रभु परमेश्वर के धन्यवाद होखे, अवुरी उनुकर पवित्र नाम हमेशा खाती आशीर्वादित होखे, जवन कि हमरा के याकूब के शुद्ध बेटा अवुरी पवित्र बीज के रूप में देले बाड़े। काहे कि ऊ तोहार हउवें आ ओकर संतान हमेशा आ हर पीढ़ी ले हमेशा खातिर तोहार रहीहें.
13 हे प्रभु, ओकरा के आशीर्वाद दीं आ हमरा मुँह में धार्मिकता के आशीष दीं, ताकि हम ओकरा के आशीर्वाद दे सकीले।'
14 ओही घरी जब धार्मिकता के आत्मा उनका मुँह में उतरल त ऊ याकूब के माथा पर आपन दुनु हाथ रख के कहली।
15 धन्य बाड़ू, धर्म के मालिक आ युगों के भगवान, आ ऊ तोहरा के आदमी के सब पीढ़ी से परे आशीर्वाद देस। ऊ तोहरा के, हमार बेटा, धर्म के रास्ता देस, आ तोहरा संतान के धार्मिकता के प्रकट करस।
16 आ तोहरा जीवन में तोहरा बेटा के ढेर करस, आ साल के महीना के संख्या के हिसाब से उ लोग उठस। आ ओह लोग के बेटा स्वर्ग के तारा से परे बहुते आ बड़ हो जासु आ ओह लोग के संख्या समुंदर के बालू से अधिका होखे.
17 आ ऊ ओह लोग के ई बढ़िया जमीन देसु -जइसन कि ऊ कहले रहले कि ऊ एकरा के अब्राहम आ ओकरा बाद के संतान के हमेशा देसु- आ ऊ लोग एकरा के हमेशा खातिर अपना कब्जा में राखसु.
18 आ हम अपना बेटा, तोहरा के अपना जीवन में धन्य संतान देख (जनम) आ तोहार सब संतान एगो धन्य आ पवित्र बीज होखे।
19 आ जइसे तू अपना माई के जीवन में ओकर आत्मा के ताजा कइले बाड़ू, तोहरा के पैदा करे वाली ओकर गर्भ तोहरा के एह तरह से आशीर्वाद देत बा, [हमार स्नेह] आ हमार छाती तोहरा के आशीर्वाद देत बा आ हमार मुँह आ जीभ तोहार बहुते स्तुति करत बा.

20 धरती पर बढ़त आ फइलल, आ तोहार संतान हमेशा खातिर आकाश आ धरती के आनन्द में सिद्ध होखे। आ तोहार संतान खुश होखे, आ शांति के बड़का दिन ओकरा शांति होखे।
21 आ तोहार नाम आ तोहार संतान हर युग तक टिकल रहे, आ परम भगवान उनकर भगवान होखे, आ धर्म के भगवान ओह लोग के साथे रहे, आ ओह लोग के द्वारा उनकर पवित्र स्थान हर युग तक बनल रहे।
22 धन्य होखे जे तोहरा के आशीष देला, आ जवन भी मांस तोहरा के झूठ गारी देला, ओकरा के श्राप दिहल जाव।'
23 ऊ ओकरा के चुम्मा ले के कहली कि; 'संसार के मालिक तोहरा से प्यार करस जइसे तोहरा माई के दिल आ ओकर स्नेह तोहरा में आनन्दित होखे आ तोहरा के आशीर्वाद दे।' आ आशीर्वाद देबे से रुक गइली.

अध्याय 26 के बा

1 आ एह हफ्ता के सातवाँ साल में इसहाक अपना बड़का बेटा एसाव के बोलवले आ कहलन कि, 'हमार बेटा, हम बूढ़ हो गइल बानी आ देखऽ कि हमार आँख देख के मद्धिम हो गइल बा, आ हम अपना मरला के दिन नइखीं जानत।'
2 आ अब आपन शिकार के हथियार आपन कवक आ आपन धनुष लेके खेत में निकल के हमरा (हिरन के मांस) के शिकार कर के पकड़ लीं, हमार बेटा, आ हमरा खातिर स्वादिष्ट मांस बनाईं, जवना के हमार आत्मा पसंद करेले, आ हमरा लगे ले आईं कि हम खा सकीले, आ हमरा मरला से पहिले हमार आत्मा तोहरा के आशीर्वाद दे सके।'
3 लेकिन रिबेका इसहाक के एसाव से बात करत सुनली।
4 एसाव सबेरे खेत में शिकार करे आ पकड़े आ अपना पिता के घरे ले आवे खातिर निकल गइलन।
5 रेबेका अपना बेटा याकूब के बोला के कहली, 'देखऽ, हम तोहार बाप इसहाक के तोहार भाई एसाव से बात करत सुनले बानी कि, "हमरा के शिकार करऽ, आ हमरा खातिर स्वादिष्ट भोजन बनाईं आ हमरा लगे उहे ले आवऽ।"
6 हम मरला से पहिले प्रभु के सामने तोहरा के खा सकत बानी आ आशीर्वाद दे सकत बानी।" आ अब, हमार बेटा, हम जवन आज्ञा देत बानी, ओकरा में हमार आवाज मानीं: अपना झुंड में जाके हमरा खातिर दू गो बढ़िया बकरी के बकरी ले आवऽ, आ हम ओह लोग के अपना बाप खातिर स्वादिष्ट भोजन बना देब, जइसन कि ऊ प्यार करेले, आ तू अपना बाप के लगे ले अइबऽ कि ऊ मरला से पहिले प्रभु के सामने तोहरा के खा सके आ आशीर्वाद देब, आ कि तू आशीर्वाद मिल सकेला।'
7 याकूब अपना महतारी रेबेका से कहले, 'माई, हम कवनो अइसन चीज ना रोकब जवन हमार बाबूजी खइहें आ जवन उनका के खुश करी, खाली हमरा डर बा, माई, कि ऊ हमार आवाज पहचान के हमरा के छूवे के चाहत होई।
8 आ तू जानत बाड़ू कि हम चिकना हईं आ हमार भाई एसाव रोअल बा आ हम ओकरा आँख का सोझा एगो दुष्ट के रूप में लउकब आ ऊ काम करब जवन ऊ हमरा के ना दिहले रहले आ ऊ हमरा पर नाराज हो जइहें आ हम अपना पर गारी ले अइब आ आशीर्वाद ना.'
9 उनकर महतारी रेबेका ओकरा से कहली, 'हे बेटा, तोहार अभिशाप हमरा पर होखे, खाली हमार आवाज मानऽ।'
10 याकूब अपना महतारी रिबेका के आवाज मान के जाके बकरी के दुगो निमन अवुरी मोट बकरी लेके अपना महतारी के लगे ले अईले अवुरी उनुकर महतारी ओ लोग के ~मधुर मांस~ बनवली, जवन कि उनुका पसंद रहे।
11 रिबेका घर में अपना बड़का बेटा एसाव के बढ़िया बरखा के लेके अपना छोट बेटा याकूब के कपड़ा पहिनली अवुरी बच्ची के खाल उनुका हाथ अवुरी गर्दन के उजागर हिस्सा प पहिनली।
12 ऊ खाना आ रोटी जवन ऊ तइयार कइले रहली ऊ अपना बेटा याकूब के हाथ में दे दिहली.
13 याकूब अपना बाप के लगे जाके कहले, 'हम तोहार बेटा हई, हम जईसन काम कईले बानी, उहे काम कईले बानी, बाबूजी, उठ के बईठ के जवन पकड़ले बानी, ओकरा में से खा लीं ताकि तोहार प्राण हमरा के आशीर्वाद देवे।'
14 इसहाक अपना बेटा से कहलस, 'हे बेटा, तू एतना जल्दी कईसे पा गईल?
15 'आ याकूब कहले, 'काहे कि <प्रभु> तोहार भगवान हमरा के खोज देले रहले।'
16 इसहाक ओकरा से कहले, "हे बेटा, हम तोहरा के महसूस कर सकीले कि तू हमार बेटा एसाव हउअ कि ना।'
17 याकूब अपना पिता इसहाक के लगे गईले अवुरी उनुका के महसूस कईले अवुरी कहले कि, 'आवाज याकूब के आवाज़ ह, लेकिन हाथ एसाव के हाथ ह।'
18 उ ओकरा के ना पहिचान पवले, काहेकि उ अपना बोध के शक्ति के दूर करे के समय स्वर्ग से रहे अवुरी इसहाक के बोध ना भईल, काहेंकी उनुकर हाथ उनुका भाई एसाव निहन बालदार रहे, एहसे उ उनुका के आशीष देले।
19 उ कहले, 'का तू हमार बेटा एसाव हउअ? ' आ ऊ कहले, 'हम तोहार बेटा हईं': आ कहलस, 'हे बेटा, तू जवन पकड़ले बाड़, ओकरा में से हम खाईं, ताकि हमार प्राण तोहरा के आशीर्वाद दे।'
20 ऊ ओकरा लगे ले अइले आ ऊ खाना खइले आ शराब लेके अइले आ पी लिहले.
21 ओकर बाप इसहाक ओकरा से कहले, 'हे बेटा, नजदीक आके हमरा के चुम्मा ले।'
22 ऊ ओकरा लगे आके चुम्मा लेहले। आ ऊ अपना कपड़ा के गंध के गंध महसूस कइलन आ ऊ उनका के आशीर्वाद दिहलन आ कहलन कि देखऽ, हमरा बेटा के गंध एगो <पूर्ण> खेत के गंध जइसन बा जवना के प्रभु आशीर्वाद दिहले बाड़न.
23 आ प्रभु तोहरा के स्वर्ग के ओस आ धरती के ओस आ भरपूर मकई आ तेल देस, राष्ट्र तोहार सेवा करस, आ लोग तोहरा के प्रणाम करस।
24 अपना भाई लोग पर मालिक बनऽ, आ तोहरा माई के बेटा तोहरा के प्रणाम करस। आ उ सब आशीष होखे जवना से प्रभु हमरा के आशीष देले बाड़न आ हमरा पिता अब्राहम के आशीष देले बाड़न। तोहरा आ तोहरा संतान के हमेशा खातिर बाँटल जा, जे तोहरा के गारी देत बा, ओकरा के शाप दिहल जाव, आ तोहरा के आशीष देवे वाला के धन्य होखे।'
25 जइसहीं इसहाक अपना बेटा याकूब के आशीष देबे के काम खतम कइलन आ याकूब अपना बाप इसहाक से निकल गइलन त ऊ लुका गइलन आ ओकर भाई एसाव अपना शिकार से भीतर आ गइलन.
26 उ स्वादिष्ट मांस भी बनवले अवुरी अपना पिता के लगे ले अईले अवुरी अपना पिता से कहले कि, 'हमार बाबूजी उठ के

हमार हिरन के मांस खाए ताकि तोहार जान हमरा के आशीर्वाद देवे।'
27 ओकर बाप इसहाक ओकरा से कहलन कि तू के हउअ? 'उ ओकरा से कहलस, 'हम तोहार पहिला बेटा, तोहार बेटा एसाव हईं।'
28 इसहाक बहुते अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि ऊ के ह जे शिकार कइले बा आ पकड़ले बा आ हमरा लगे ले आइल बा आ हम तोहरा आवे से पहिले सब कुछ खा चुकल बा आ ओकरा के आशीष देले बा.
29 एसाव जब अपना पिता इसहाक के बात सुनलस त उ बहुते बड़हन आ कड़ुआ चिल्लाहट से चिल्ला के अपना पिता से कहलस कि, 'हे बाबूजी, हमरा के आशीष दीं।'
30 उ ओकरा से कहले, 'तोहार भाई छल से आईल बा अवुरी तोहार आशीर्वाद छीन लेले बा।' आ ऊ कहले, 'अब हम जान गइल बानी कि उनकर नाम याकूब काहे राखल गइल बा, देखऽ, ऊ हमरा जगहा ई दू बेर ले लिहले बाड़न, ऊ हमार जन्मसिद्ध अधिकार छीन लिहले बाड़न आ अब हमार आशीर्वाद छीन लिहले बाड़न.'
31 ऊ कहलन कि, का तू हमरा खातिर कवनो आशीर्वाद ना रखले बाड़, बाबू? आ इसहाक जवाब दिहलन आ एसाव से कहले, 'देखऽ, हम ओकरा के तोहार मालिक बनवले बानी, आ ओकर सब भाई लोग के हम ओकरा के नौकर बना देले बानी, आ हम ओकरा के भरपूर धान्य, शराब आ तेल से मजबूत कइले बानी, आ अब हम तोहरा खातिर का करब, हमार बेटा?'
32 एसाव अपना पिता इसहाक से कहले, 'हे पिता, का तोहरा लगे खाली एगो आशीर्वाद बा? हमरा के आशीर्वाद दीं, (इहाँ तक कि) हमरा के भी बाबूजी: '
33 एसाव आवाज उठा के रोवे लागल। इसहाक जवाब दिहलन, 'देखऽ, धरती के ओस से दूर तोहार निवास होई, आ ऊपर से आकाश के ओस से दूर होई।
34 तू अपना तलवार से जिंदा रहबऽ आ अपना भाई के सेवा करबऽ। आ जब तू बड़ होखबऽ, आ ओकर जुआ तोहरा गरदन से हिला देबऽ, त तू मौत के पूरा पाप करबऽ, आ तोहार संतान स्वर्ग के नीचे से जड़ से उखाड़ल जाई।'
35 एसाव याकूब के धमकी देत रहले, काहे कि उनुकर पिता उनुका के आशीष देले रहले अवुरी उ मन में कहले, 'हमरा पिता के शोक के दिन अब आ जाए, ताकि हम अपना भाई याकूब के हत्या क सकी।'

अध्याय 27 के बा

1 जब उनकर बड़का बेटा एसाव के बात सपना में रिबेका के बतावल गइल आ रिबेका आपन छोट बेटा याकूब के बोलावे खातिर भेजली।
2 आ ओकरा से कहलस, 'देखऽ तोहार भाई एसाव तोहरा से बदला ले के तोहरा के मार दी।'
3 अब हे बेटा, हमार बात मान के उठ के तू हमार भाई लाबान के लगे हारान भाग जा, आ ओकरा साथे कुछ दिन तब तक रहऽ जब तक कि तोहार भाई के क्रोध ना हट जाव आ ऊ तोहरा से आपन क्रोध दूर ना कर देव आ तोहरा कइल सब काम भुला जाव। तब हम तोहरा के ओहिजा से भेज के ले आवब।'
4 याकूब कहले, 'हम डेरात नइखीं; अगर उ हमरा के मारे के चाहत बा त हम ओकरा के मार देब।'
5 लेकिन उ ओकरा से कहली, 'हमरा के एक दिन में अपना दुनो बेटा से वंचित मत होखे दीं।'
6 याकूब अपना महतारी रेबेका से कहले, 'देखऽ, तू जानत बाड़ऽ कि हमार बाबूजी बूढ़ हो गइल बाड़न, आ देखत नइखन काहे कि उनकर आँख सुस्त हो गइल बा, आ अगर हम ओकरा के छोड़ देब त ओकरा नजर में बुराई होई, काहे कि हम ओकरा के छोड़ के तोहरा से दूर चल जाईं, त हमार बाबूजी खिसिया जइहें आ हमरा के गारी दिहें। हम ना जाईब; जब उ हमरा के भेज दिहे तबे हम जाईब।'
7 रेबेका याकूब से कहली कि, हम भीतर जाके ओकरा से बात करब, त उ तोहरा के भेज दिहे।'
8 रिबेका अंदर जाके इसहाक से कहली कि, 'हम हेत के दुनो बेटी के चलते अपना जान से घृणा करतानी, जवना के एसाव उनुका के पत्नी बना लेले बाड़े। आ अगर याकूब एह तरह के देश के बेटी लोग में से मेहरारू ले लेव त हम आगे कवना मकसद से जिंदा रहब काहे कि कनान के बेटी दुष्ट हई।'
9 इसहाक याकूब के बोला के आशीर्वाद दिहलन आ ओकरा के सलाह दिहलन आ कहलन कि कनान के कवनो बेटी के मेहरारू मत करऽ.
10 उठ के मेसोपोटामिया, अपना माई के बाप बेथुएल के घरे जा, आ ओहिजा से तोहरा महतारी के भाई लाबान के बेटी से एगो मेहरारू ले लीं।
11 आ सर्वशक्तिमान भगवान तोहरा के आशीष देसु आ बढ़ासु आ बढ़सु कि तू जाति-जाति के दल बन जाऽ आ तोहरा के हमरा पिता अब्राहम के आशीष देस, तोहरा आ तोहरा बाद के वंशज के, ताकि तू अपना प्रवास के देश आ ऊ सब देश के उत्तराधिकारी हो सकीले जवन परमेश्वर इब्राहीम के देले रहले, जा, हे बेटा, शांति से।'
12 इसहाक याकूब के भेज के मेसोपोटामिया में अरामी बेथुएल के बेटा लाबान के लगे चल गईले, जवन कि याकूब के महतारी रिबेका के भाई रहले।
13 याकूब मेसोपोटामिया जाए खातिर उठला के बाद रिबेका के आत्मा ओकरा बेटा के बाद दुखी हो गईल अवुरी उ रोवे लगली।
14 इसहाक रिबेका से कहले, 'हमार बहिन, हमार बेटा याकूब के चलते मत रोअ। काहे कि ऊ चैन से चलत बा आ शांति से लवटत बा.
15 परमात्मा परमेश्वर ओकरा के सब बुराई से बचाईहे अवुरी ओकरा संगे रहीहे। काहे कि ऊ ओकरा के पूरा दिन ना छोड़ीहें.
16 काहेकि हम जानत बानी कि जब तक उ हमनी के लगे शांति से ना लवटब, तब तक उनुकर रास्ता सब काम में सफल होई अवुरी हमनी के उनुका के शांति से ना देखब।
17 हे बहिन, ओकरा से मत डेरा, काहे कि ऊ सीधा रास्ता पर चलत बा आ ऊ सिद्ध आदमी ह, आ ऊ वफादार बा आ नाश ना होई. ना रोअऽ।'
18 इसहाक रिबेका के बेटा याकूब के चलते दिलासा दिहलन आ ओकरा के आशीष दिहलन।
19 चौवालीसवाँ जयंती में दूसरा हफ्ता के पहिला साल में याकूब शपथ के कुआँ से हारान जाए खातिर चल गइलन आ एह हफ्ता के पहिला महीना के अमावस्या के दिन ऊ पहाड़ पर लूज यानी बेथेल पहुंचले, [2115 AM] आ ऊ साँझ के ओह जगह पर अइले

आ ओह रात रास्ता से रास्ता से पश्चिम के ओर मुड़ले। काहे कि सूरज डूब गइल रहे।
20 ऊ ओह जगह के एगो पत्थर लेके <अपना माथा पर> पेड़ के नीचे रख दिहलन आ ऊ अकेले यात्रा करत रहले आ ऊ सुत गइलन.
21 ओह रात ऊ सपना देखलन कि धरती पर एगो सीढ़ी खड़ा भइल आ ओकर चोटी स्वर्ग तक पहुँचल आ देखलस कि प्रभु के दूत ओह पर चढ़ के उतरल आ देखलस कि प्रभु ओकरा पर खड़ा हो गइलन।
22 ऊ याकूब से कहलन कि हम अब्राहम के परमेस् वर, तोहार बाप आ इसहाक के परमेस् वर हईं। जवना देश पर तू सुतल बाड़ू, हम तोहरा आ तोहरा बाद के संतान के देब।
23 तोहार संतान धरती के धूल निहन होई अवुरी तू पश्चिम अवुरी पूरब, उत्तर अवुरी दक्षिण में बढ़ब अवुरी तोहरा अवुरी आपके संतान में जाति के सभ परिवार के आशीर्वाद मिली।
24 देखऽ, हम तोहरा साथे रहब आ जहाँ भी जाईब तोहरा के रखब आ तोहरा के शांति से एह देश में ले अइब। काहे कि जबले हम तोहरा से कहल सब कुछ ना करब तबले हम तोहरा के ना छोड़ब।'
25 याकूब नींद से जाग के कहले, 'सच में इ जगह प्रभु के घर ह, लेकिन हम एकरा के ना जानत रहनी।' आ ऊ डेरा के कहले, 'ई जगह भयावह बा जवन भगवान के घर के अलावा केहू ना ह, आ ई स्वर्ग के फाटक ह।'
26 याकूब सबेरे उठ के जवन पत्थर अपना माथा के नीचे रखले रहले ओकरा के लेके निशान के रूप में खंभा बनवले अवुरी ओकरा ऊपर तेल डाल देले। उ ओहि जगह के नाम बेथेल रखले। बाकिर ओह जगह के नाम पहिले लूज रहे।
27 याकूब प्रभु के प्रति प्रण कइलन आ कहलन कि अगर प्रभु हमरा साथे रहीहें आ हमरा के एही रास्ता से रखिहें आ हमरा के खाए खातिर रोटी आ कपड़ा पहिरे खातिर देसु कि हम अपना बाप के घरे शांति से वापस आ जाईं, त प्रभु हमार भगवान होखीहें आ ई पत्थर जवन हम एह जगह पर चिन्ह के खंभा के रूप में खड़ा कइले बानी, ऊ प्रभु के घर होखी आ जवन कुछ तू देब, ओह सब के घर होई हमरा के दसवाँ हिस्सा तोहरा के दे देब, हमार भगवान।'

अध्याय 28 के बा

1 उ अपना यात्रा पर निकल के पूरब के देश में रिबेका के भाई लाबान के लगे पहुंचले अवुरी उनुका संगे रहले अवुरी एक सप्ताह अपना बेटी राहेल खाती उनुकर सेवा कईले।
2 आ तीसरा हफ्ता के पहिला साल [2122 AM] में उ ओकरा से कहले, 'हमरा के हमार मेहरारू दे द, जेकरा खातिर हम सात साल तक तोहार सेवा कईले बानी '; आ लाबान याकूब से कहले, 'हम तोहरा के तोहार मेहरारू दे देब।'
3 लाबान भोज कइलन आ अपना बड़की बेटी लीआ के लेके याकूब के मेहरारू बना दिहलन आ उनकर दासी जिल्पा के दासी बना दिहलन। याकूब के पता ना चलल, काहेकि उ सोचत रहले कि उ राहेल हई।
4 ऊ ओकरा लगे गइलन आ देखलन कि ऊ लीआ रहली। याकूब लाबान से खिसिया के कहलस कि, 'तू हमरा संगे अयीसन काहें कईले बाड़? का हम तोहार सेवा राहेल खातिर ना कइनी आ लीआ खातिर ना? तू हमरा पर काहे अन्याय कइले बाड़?
5 अपना बेटी के ले जा, हम चल जाईब। काहे कि तू हमरा संगे बुराई कईले बाड़।' काहेकि याकूब लीआ से जादे राहेल से प्यार करत रहले। काहे कि लीआ के आँख कमजोर रहे, लेकिन ओकर रूप बहुत सुन्दर रहे। बाकिर राहेल के आँख सुन्दर रहे आ एगो सुन्दर आ बहुते सुन्दर रूप रहे.
6 लाबान याकूब से कहले, 'हमनी के देश में छोटका के बड़का से पहिले देवे के काम अयीसन नईखे।' आ ई कइल ठीक नइखे; काहे कि स्वर्ग के पाटी पर एह तरह से ई तय कइल गइल बा आ लिखल बा कि केहू अपना छोटकी बेटी के बड़का से पहिले ना दे देव. बाकिर बड़का के पहिले आ ओकरा बाद छोटका -आ अइसन करे वाला आदमी के स्वर्ग में दोषी ठहरावेला आ केहू धर्मी ना होला जे ई काम करेला, काहे कि ई काम प्रभु के सामने बुरा बा।
7 तू इस्राएल के लोग के आज्ञा दीं कि ऊ लोग ई काम मत करे। बड़का के देबे से पहिले ना त छोटका के लेबे ना देसु काहे कि ई बहुते दुष्ट बा.
8 लाबान याकूब से कहलस कि, 'एह के परब के सात दिन बीत जाए, हम तोहरा के राहेल दे देब, ताकि तू हमरा के सात साल अवुरी सेवा कर, ताकि तू हमरा भेड़ के ओसही चराई, जईसे तू पहिले के सप्ताह में कईले रहे।'
9 जवना दिन लीआ के परब के सात दिन बीत गईल रहे, उ दिन लाबान याकूब के राहेल दे देले, ताकि उ सात साल अवुरी सेवा करस अवुरी जिल्पा के बहिन राहेल के दासी बना देले।
10 ऊ राहेल खातिर सात साल अउरी सेवा कइलन काहे कि लीआ ओकरा के बेकार में दिहल गइल रहे।
11 तब परमेस् वर लीआ के गर्भ खोल दिहलन आ ऊ याकूब के गर्भवती होके एगो बेटा पैदा कइली आ तीसरा हफ्ता के पहिला साल में नौवाँ महीना के चौदहवाँ दिन उनकर नाम रूबेन रखलन। [2122 बजे से बा]।
12 लेकिन राहेल के पेट बंद हो गईल रहे, काहेकि प्रभु देखले कि लीआ से नफरत होखता अवुरी राहेल से प्यार करत रहली।
13 याकूब फेर से लीआ के लगे गईले अवुरी उ गर्भवती हो गईली अवुरी याकूब के दूसरा बेटा भईल अवुरी दसवां महीना के इक्कीसवां महीना अवुरी ए सप्ताह के तीसरा साल में याकूब के नाम शिमोन रखलस। [2124 बजे से बा]।
14 फेर याकूब लीआ के लगे गईले अवुरी उ गर्भवती हो गईली अवुरी उनुका से तीसरा बेटा भईल अवुरी उ उनुकर नाम लेवी रखले, जवन कि ए सप्ताह के छठवां साल में पहिला महीना के अमावस्या के समय में रखले। [2127 बजे से बा]।
15 फेर याकूब ओकरा लगे गइलन आ ऊ गर्भवती होके चउथा बेटा के जनम दिहली आ चउथा हफ्ता के पहिला साल में तीसरा महीना के पन्द्रहवाँ दिन ऊ ओकर नाम यहूदा रख दिहलन. [2129 बजे से बा]।
16 एह सब के चलते राहेल लीआ से ईर्ष्या कईली, काहेकी उ बच्चा ना पैदा कईली अवुरी उ याकूब से कहली कि, 'हमरा के संतान दे द'। आ याकूब कहले, 'का हम तोहरा पेट के फल रोकले बानी? का हम तोहरा के छोड़ देले बानी?'
17 जब राहेल देखली कि लीआ याकूब, रूबेन, शिमोन, लेवी आ यहूदा के चार गो बेटा पैदा कईले बाड़ी, त उ ओकरा से कहली कि, 'हमरा दासी बिल्हा के लगे जा, त उ गर्भवती हो जईहे अवुरी

हमरा खाती एगो बेटा पैदा करीहे।' (आ ऊ (उनुका) बिल्हा के आपन दासी मेहरारू के दे दिहली)।
18 ऊ ओकरा लगे गइलन आ ऊ गर्भवती होके एगो बेटा के जनम दिहली आ छठवाँ महीना के नौवाँ दिन तिसरका हफ्ता के छठवाँ साल में ऊ ओकर नाम दान रख दिहलन. [2127 बजे से बा]।
19 याकूब दूसरा बेर बिलहा के घरे गईले अवुरी उ गर्भवती हो गईली अवुरी याकूब के एगो अवुरी बेटा भईल अवुरी राहेल के नाम नप्तली रखलस, जवन कि सातवां महीना के पांचवा दिन, चउथा सप्ताह के दूसरा साल में रखलस। [2130 बजे से बा]।
20 जब लीआ देखली कि उ बाँझ हो गईल बाड़ी अवुरी बच्चा ना पैदा कईली, त उ राहेल से ईर्ष्या कईली अवुरी उ अपना दासी जिल्पा के भी याकूब के पत्नी बना देली अवुरी उ गर्भवती हो गईली अवुरी एगो बेटा के जन्म देली अवुरी लीआ चउथा सप्ताह के तीसरा साल में आठवां महीना के बारहवां दिन उनुकर नाम गाद रखली। [2131 बजे से बा]।
21 ऊ फेरु से ओकरा लगे गइलन आ ऊ गर्भवती हो गइली आ ओकरा खातिर दूसरका बेटा भइली आ चउथा हफ्ता के पांचवा साल में एगारहवाँ महीना के दूसरा दिन लीआ ओकर नाम आशेर रखली। [2133 बजे से बा]।
22 याकूब लीआ के लगे गइलन आ ऊ गर्भवती हो गइली आ एगो बेटा के जनम दिहली आ चउथा हप्ता के चउथा साल में पाँचवा महीना के चउथा दिन [2132 AM] ओकर नाम इसाकर रखली आ ऊ ओकरा के एगो नर्स के दे दिहली।
23 याकूब फेरु से ओकरा लगे गइलन आ ऊ गर्भवती हो गइली आ दू गो बच्चा भइल, एगो बेटा आ एगो बेटी, आ ऊ सातवाँ महीना के सातवाँ महीना में, चउथा हफ्ता के छठवाँ साल में बेटा के नाम जबलुन आ बेटी के नाम दीना रखली। [2134 बजे से बा]।
24 प्रभु राहेल पर कृपा कइलन आ उनकर गर्भ खोल दिहलन आ ऊ गर्भवती हो गइली आ एगो बेटा के जनम दिहली आ एह चउथा हफ्ता में छठवाँ साल में चउथा महीना के अमावस्या के दिन उनकर नाम यूसुफ रखली। [2134 बजे से बा]।
25 यूसुफ के जनम के दिन याकूब लाबान से कहले कि, 'हमरा के हमार मेहरारू आ बेटा दे द, हमरा के अपना पिता इसहाक के लगे जाए दीं आ हमरा के घर बनावे दीं। काहे कि हम जवन साल तोहरा दुनो बेटी खातिर तोहार सेवा कईले बानी, उ साल पूरा क लेले बानी अवुरी हम अपना बाप के घरे चल जाईब।'
26 लाबान याकूब से कहलस कि, 'अपना मजदूरी के हिसाब से हमरा संगे रहऽ, हमरा खातिर फेर से हमार भेड़ चरावऽ आ आपन मजदूरी ले लीं।'
27 उ लोग एक दूसरा से सहमत भईले कि उ ओकरा के उ मेमना अवुरी बच्ची के मजदूरी के रूप में देवे, जवन कि पैदा से करिया अवुरी धब्बादार अवुरी सफेद पैदा भईल रहले, (ई सभ) उनुकर मजदूरी होखे के चाही।
28 सब भेड़ धब्बादार, धब्बादार आ करिया रंग के, कई तरह के निशान वाला मेमना पैदा कईली अवुरी उ लोग अपना निहन मेमना पैदा कईली अवुरी जवन भी धब्बादार रहे उ याकूब के रहे अवुरी जवन ना रहे उ लाबान के रहे।
29 याकूब के संपत्ति बहुत बढ़ गईल अवुरी उनुका लगे बैल, भेड़, गदहा अवुरी ऊंट, नौकर अवुरी नौकरानी रहले।
30 लाबान आ उनकर बेटा याकूब से ईर्ष्या कइलन आ लाबान उनकर भेड़ वापस ले लिहलन आ ऊ बुरा इरादा से उनकर पालन कइलन।

अध्याय 29 के बा

1 जब राहेल यूसुफ के जनम दिहली त लाबान आपन भेड़ काट के चल गईल। काहेकि उ लोग ओकरा से तीन दिन के सफर दूर रहे।
2 याकूब देखलन कि लाबान आपन भेड़ काट के जात बा, त याकूब लीआ आ राहेल के बोलवले आ ओह लोग से दयालुता से कहलन कि ऊ लोग उनका साथे कनान देश में आवे।
3 काहेकि उ ओह लोग के बतवले कि कइसे उ सपना में सब कुछ देखले रहले, उ सब बात जवन उनुका से कहले रहले कि उ अपना पिता के घरे लवट जाए, अवुरी उ लोग कहले कि, 'तू जहां-जहाँ जाईब, हमनी के तोहरा संगे चलब।'
4 याकूब अपना बाप इसहाक के भगवान आ अपना बाप के अब्राहम के भगवान के आशीष दिहलन आ ऊ उठ के अपना मेहरारू आ लइकन के सवारी कइलन आ आपन सब सम्पत्ति लेके नदी पार क के गिलिआद देश में आ गइलन आ याकूब लाबान से आपन मंशा छिपा के ना बतवले.
5 चउथा हफ्ता के सातवाँ साल में याकूब पहिला महीना में गिलिआद के ओर मुड़ गइलन, जवन कि एकइसवाँ हप्ता में रहे। [2135 AM] आ लाबान उनकर पीछा कइलस आ तीसरा महीना में, तीसरा महीना में गिलाद के पहाड़ पर याकूब से मिल गइल।
6 प्रभु ओकरा के याकूब के घायल ना करे दिहलन। काहेकि उ रात में सपना में प्रकट भईले। लाबान याकूब से बात कइलन।
7 ओह दिन के पन्द्रहवाँ दिन याकूब लाबान खातिर आ ओकरा साथे आवे वाला सब लोग खातिर भोज बनवले आ याकूब ओह दिन लाबान के आ लाबान के भी किरिया खइले कि दुनो में से केहू बुरा मकसद से गिलिआद के पहाड़ के दोसरा के पार ना करे।
8 उहाँ उ गवाह खातिर ढेर बनवले। एह से ओह जगह के नाम कहल जाला: 'गवाह के ढेर', एह ढेर के नाम पर।
9 लेकिन पहिले उ लोग गिलिआद के देश के रेफाइम के देश कहत रहले। काहे कि ई रेफाइम के देश रहे आ रेफाइम लोग के जनम (उहाँ) भइल, दिग्गज लोग जेकर ऊँचाई दस, नौ, आठ से नीचे सात हाथ रहे।
10 अम्मोन के लोग के देश से लेके हरमोन पहाड़ तक उनकर निवास स्थान कर्नैम, अष्टरोत, एद्रेई, मिसुर आ बेओन रहे।
11 ओह लोग के काम के बुराई के चलते प्रभु ओ लोग के नाश क देले। काहे कि ऊ लोग बहुते घातक रहे आ अमोरी लोग ओह लोग का जगहा दुष्ट आ पापी रहत रहे आ आजु कवनो अइसन लोग नइखे जे ओह लोग के सगरी पाप पूरा कर लिहले होखे आ अब ओह लोग के धरती पर उमिर नइखे रहि गइल.
12 याकूब लाबान के भेज दिहलन आ ऊ पूरब के देश मेसोपोटामिया में चल गइलन आ याकूब गिलिआद देश में लवट अइलन.
13 ऊ नौवाँ महीना के एगारहवाँ महीना जबबोक नदी के पार हो गइलन। ओह दिन उनकर भाई एसाव उनकरा लगे अइले आ उनकरा से मेल मिलाप हो गइल आ उनकरा से सेयर देश में चल गइलन, लेकिन याकूब डेरा में रहत रहले।

14 एह जयंती के पांचवा हफ्ता के पहिला साल में ऊ यरदन नदी पार क के यरदन के ओह पार रह गइलन आ ढेर के समुन्दर से लेके बेतशान, दोथान आ अक्रबीम जंगल तक आपन भेड़ चरवले।
15 ऊ अपना पिता इसहाक के आपन सब सम्पत्ति, कपड़ा, खाना, मांस, पेय, दूध, मक्खन, पनीर आ घाटी के कुछ खजूर भेजले।
16 आउर उनकर माई रेबेका के भी साल में चार बेर, महीना के बीच, जोत आ कटाई के बीच, आ शरद आ बरखा (मौसम) के बीच आ जाड़ा आ बसंत के बीच, अब्राहम के बुर्ज तक।
17 काहेकि इसहाक शपथ के कुआँ से वापस आके अपना पिता अब्राहम के बुर्ज में चढ़ गईल रहले अवुरी उहाँ उ अपना बेटा एसाव से अलग रहले।
18 जब याकूब मेसोपोटामिया गइलन, ओह दिन में एसाव इस्माइल के बेटी महलत के मेहरारू से बियाह कइलन आ ऊ अपना बाप आ अपना मेहरारूवन के सगरी झुंड के बटोर लिहलन आ चढ़ के सेयर पहाड़ पर रह गइलन आ अपना बाप इसहाक के अकेले किरिया के कुआँ पर छोड़ दिहलन.
19 इसहाक किरिया के कुआँ से चढ़ के हेब्रोन के पहाड़ पर अपना पिता अब्राहम के बुर्ज में रह गइलन।
20 उहाँ याकूब जवन कुछ भी भेजत रहले, उ सब कुछ अपना बाप आ माई के लगे समय-समय पर भेजत रहले, जवन कि उ लोग के जरूरत रहे, आ उ लोग याकूब के पूरा मन से आ पूरा जान से आशीष देत रहले।

अध्याय 30 के बा

1 छठवाँ हफ्ता के पहिला साल में ऊ चउथा महीना में शांति से शेकेम के पूरब में सलेम चढ़ गइलन।
2 उहाँ उ लोग याकूब के बेटी दीना के देश के राजकुमार हिवी हामोर के बेटा शेकेम के घर में ले गईले अवुरी उ ओकरा संगे लेट के ओकरा के अशुद्ध क देले अवुरी उ एगो छोट लईकी रहली, जवन कि बारह साल के लईकी रहली।
3 ऊ अपना बाप आ ओकर भाई लोग से निहोरा कइलन कि ऊ ओकरा के पत्नी के रूप में दे दिहल जाव. याकूब आ उनकर बेटा लोग शेकेम के लोग पर गुस्सा में आ गइलन। काहेकि उ लोग अपना बहिन दीना के अशुद्ध क देले रहले अवुरी उ लोग ओ लोग से बुरा नीयत से बात कईले रहले अवुरी धोखा देले रहले अवुरी धोखा देले रहले।
4 शिमोन आ लेवी अप्रत्याशित रूप से शेकेम में आके शेकेम के सभ आदमी के सजा सुनवले अवुरी ओकरा में जवन आदमी मिलल रहले, ओकरा के मार देले अवुरी एको आदमी के ना छोड़ले, काहेंकी उ लोग अपना बहिन दीना के बेइज्जत कईले रहले।
5 आ एह तरह से अब से ई ना होखे के चाहीं कि इस्राएल के कवनो बेटी के अशुद्ध कर दिहल जाव. काहे कि स्वर्ग में ओह लोग के खिलाफ न्याय तय कइल गइल बा कि ऊ लोग शेकेमी लोग के सब आदमी के तलवार से नाश कर देव काहे कि ऊ लोग इस्राएल में शर्मिंदा कइले रहुवे.
6 तब प्रभु ओह लोग के याकूब के बेटा लोग के हाथ में सौंप दिहलन ताकि ऊ लोग तलवार से ओह लोग के सफाया कर सके आ ओह लोग पर न्याय कर सके आ इस्राएल में फेर से अइसन ना होखे कि इस्राएल के कवनो कुंवारी के अशुद्ध कर दिहल जाव.
7 अगर इस्राएल में केहू के इच्छा बा कि ऊ आपन बेटी भा बहिन के गैर-यहूदी लोग के वंशज के कवनो आदमी के दे देव त ऊ जरूर मर जाई आ ऊ लोग ओकरा के पत्थर से पत्थर मार दी. काहे कि उ इस्राएल में शर्म के काम कइले बा। आऊ ओह औरत के आग से जरा दीहें काहे कि ऊ अपना बाप के घर के नाम के बेइज्जत कर दिहले बिया आ ओकरा के इस्राएल से उखाड़ फेंक दिहल जाई.
8 धरती के पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस्राएल में कवनो व्यभिचारी आ कवनो अशुद्धि ना होखे। काहे कि इस्राएल प्रभु खातिर पवित्र बा, आ जे भी आदमी (एकरा के) अशुद्ध कइले बा, ऊ जरूर मर जाई, ओकरा के पत्थर से पत्थर मार दिही।
9 काहे कि इस्राएल के सब वंशज के बारे में स्वर्ग के पाटी पर अईसन नियुक्ति आ लिखल गईल बा, जे (एकरा के) अशुद्ध करी, उ निश्चित रूप से मर जाई, आ ओकरा के पत्थर से मारल जाई।
10 आ एह व्यवस्था के कवनो दिन के सीमा नइखे, ना कवनो माफी आ ना कवनो प्रायश्चित, बाकिर जे आदमी अपना बेटी के अशुद्ध कर दिहले बा ओकरा के पूरा इस्राएल के बीच से उखाड़ फेंकल जाई काहे कि ऊ अपना संतान के मोलोक के दे दिहले बा आ ओकरा के अशुद्ध करे खातिर अधर्म के काम कइले बा.
11 हे मूसा, तू इस्राएल के लोग के आज्ञा दीं आ निहोरा करऽ कि ऊ लोग आपन बेटी गैर-यहूदी लोग के ना देस आ गैर-यहूदी के कवनो बेटी के अपना बेटा खातिर मत लेव, काहे कि ई प्रभु के सामने घिनौना बा।
12 एही से हम तोहरा खातिर व्यवस्था के शब्दन में लिखले बानी कि शेकेमी लोग के सब काम जवन ऊ लोग दीना के खिलाफ कइले रहे आ याकूब के बेटा लोग कइसे कहले रहे कि हमनी के आपन बेटी के खतना ना करे वाला आदमी के ना देब जा। काहे कि ई हमनी खातिर निंदा के बात रहे।'
13 ई इस्राएल खातिर, जे लोग जिंदा बा, आ गैर-यहूदी लोग के बेटी के लेबे वाला लोग खातिर निंदा बा। काहे कि ई इस्राएल खातिर अशुद्ध आ घृणित बा।
14 अगर इस्राएल एह अशुद्धि से मुक्त ना होई अगर ओकरा गैर-यहूदी के बेटी में से कवनो मेहरारू होखे भा ओकर कवनो बेटी के कवनो गैर-यहूदी के आदमी के देले होखे।
15 काहे कि महामारी पर महामारी, शाप पर गारी, आ हर न्याय, विपत्ति आ अभिशाप ओकरा पर आ जाई, अगर ऊ ई काम करी, या प्रभु के पवित्र स्थान के अशुद्ध करे वाला लोग से, या उनकर पवित्र नाम के अपवित्र करे वाला लोग से आपन आँख छिपा लेव, त पूरा राष्ट्र के एक साथ एह सब अशुद्धता आ अपवित्रता के न्याय होई आदमी।
16 ना त आदमी के आदर ना होई [आ कवनो व्यक्ति के कवनो विचार ना होई] आ ना ही ओकरा हाथ से फल, बलिदान, होमबलि आ चर्बी, ना ही मीठ गंध के सुगंध के ग्रहण ना होई, ताकि उ एकरा के स्वीकार कर सके।
17 एही से हम तोहरा के आज्ञा देले बानी कि इस्राएल के सामने इ गवाही दीं कि देखऽ कि शेकेमी लोग आ ओह लोग के बेटा लोग के हालत कइसन रहल, कइसे ऊ लोग याकूब के दू गो बेटा के हाथ में सौंप दिहल गइल आ ऊ लोग ओह लोग के यातना के शिकार होके मार दिहल आ ओकरा के धार्मिकता के हिसाब से लिखल गइल बा।
18 लेवी के वंशज के पुरोहिताई खातिर चुनल गइल आ लेवी लोग के रूप में चुनल गइल ताकि ऊ लोग हमनी के जइसन प्रभु के

सामने लगातार सेवा कर सके आ लेवी आ उनकर बेटा लोग हमेशा खातिर आशीर्वादित होखे। काहेकि उ इस्राएल के खिलाफ उठल सब लोग पर धार्मिकता आ न्याय आ बदला लेवे खातिर उत्साहित रहले।
19 एही से उ लोग स्वर्गीय पाटी पर उनकर अनुग्रह के गवाही के रूप में सबके परमेश्वर के सामने आशीष आ धार्मिकता लिखत बाड़े।
20 हमनी के उ धार्मिकता के याद करेनी जा जवन आदमी अपना जीवन में, साल के हर समय में पूरा कईले रहे। जबले हजार पीढ़ी ले ऊ लोग एकरा के दर्ज ना करी, आ ई ओकरा आ ओकरा बाद के वंशज में आ जाई आ ओकरा के स्वर्गीय पाटी पर एगो दोस्त आ धर्मी आदमी के रूप में दर्ज कइल गइल बा।
21 ई सब विवरण हम तोहरा खातिर लिखले बानी आ तोहरा के आज्ञा देले बानी कि इस्राएल के लोग से कह दीं कि ऊ लोग पाप ना करे आ ना नियम के उल्लंघन करे आ ना ही ओह वाचा के तोड़े जवन ओह लोग खातिर तय कइल गइल बा, (लेकिन) ओकरा के पूरा करस आ दोस्त के रूप में दर्ज करस।
22 लेकिन अगर उ लोग उल्लंघन करीहे अवुरी हर तरह से अशुद्धता करीहे त उ लोग स्वर्ग के पाटी प विरोधी के रूप में दर्ज हो जईहे अवुरी जीवन के किताब से नाश हो जईहे अवुरी उ लोग के किताब में दर्ज होईहे, जवन कि नाश होईहे अवुरी धरती से जड़ से उखाड़ल जाई।
23 जवना दिन याकूब के बेटा लोग शेकेम के हत्या कइल, ओह दिन स्वर्ग में ओह लोग के पक्ष में एगो लेख लिखल गइल कि ऊ लोग पापी लोग से धार्मिकता आ सच्चाई आ बदला लेबे के काम कइले बा आ ई आशीष खातिर लिखल गइल रहे।
24 ऊ लोग आपन बहिन दीना के शेकेम के घर से निकाल के शेकेम में जवन कुछ रहे, ओकर भेड़, बैल, गदहा, आ ओकर सब धन-दौलत आ ओकर सब भेड़ के बंदी बना लिहले आ सब के अपना बाप याकूब के लगे ले अइले।
25 ऊ ओह लोग के निंदा कइलन काहे कि ऊ लोग शहर के तलवार से मार दिहले रहुवे काहे कि ऊ ओह देश में रहे वाला कनान आ फरीजियन से डेरात रहुवे.
26 शेकेम के आसपास के सब शहरन पर प्रभु के डर रहे आ ऊ लोग याकूब के बेटा लोग के पीछा करे खातिर ना उठल। काहे कि ओह लोग पर आतंक आ गइल रहे।

अध्याय 31 के बा

1 महीना के अमावस्या के दिन याकूब अपना घर के सब लोग से बात कईले। कहत रहले कि, 'अपना के शुद्ध करीं आ आपन कपड़ा बदल दीं, आ हमनी के उठ के बेथेल में चढ़ जाईं जा, जहाँ हम अपना भाई एसाव के मुँह से भाग के ओह दिन उनुका से प्रण कइले रहनी, काहे कि ऊ हमरा साथे रहले आ हमरा के शांति से एह देश में ले अइले, आ रउरा बीच में चाप वाला पराया देवता लोग के दूर कर देनी।'
2 ऊ लोग परदेसी देवता आ कान में आ गर्दन पर जवन मूर्ति रहे आ राहेल अपना बाप लाबान से चोरा लिहल मूर्ति के पूरा तरह से याकूब के दे दिहलस। ऊ ओह लोग के जरा के तोड़ के तोड़ दिहलन आ ओकरा के नष्ट कर दिहलन आ शेकेम देश में एगो ओक के नीचे छिपा दिहलन.
3 सातवाँ महीना के अमावस्या के दिन ऊ बेथेल चढ़ गइलन। ऊ जहाँ सुतल रहले ओहिजा एगो वेदी बनवले आ ओहिजा एगो खंभा बनवले आ अपना बाप इसहाक के खबर भेजले कि ऊ अपना बलिदान आ माई रिबेका का लगे आवे.
4 इसहाक कहले, 'हमार बेटा याकूब के आवे दीं, आ हमरा मरला से पहिले ओकरा के देखे दीं।'
5 याकूब अपना पिता इसहाक आ माई रिबेका के लगे, अपना पिता अब्राहम के घरे गईले अवुरी अपना दुगो बेटा लेवी अवुरी यहूदा के संगे गईले अवुरी अपना पिता इसहाक अवुरी महतारी रिबेका के लगे पहुंचले।
6 रिबेका याकूब के चुम्मा लेवे आ गले लगावे खातिर बुर्ज से ओकरा आगे निकलली। काहे कि जब ऊ सुनली कि, 'देख, तोहार बेटा याकूब आ गइल बाड़न' त ओकर आत्मा फेर से जिंदा हो गइल रहे। आ ऊ ओकरा के चुम्मा ले लिहली.
7 उ उनकर दुनो बेटा के देखली त उ ओ लोग के पहचान लेली अवुरी कहली कि, 'हे बेटा, इ तहार बेटा हवे?' आ ऊ ओह लोग के गले लगा के चुम्मा लेहली आ आशीर्वाद दिहली आ कहली कि 'तोहरा में अब्राहम के वंशज यशस्वी हो जइहें आ धरती पर आशीर्वाद साबित होखब.'
8 याकूब अपना पिता इसहाक के लगे ओहि कोठरी में गईले, जहवा उ लेटले रहले अवुरी उनुकर दुनो बेटा उनुका संगे रहले अवुरी उ अपना पिता के हाथ पकड़ के झुक के उनुका के चुम्मा लेले अवुरी इसहाक अपना बेटा याकूब के गर्दन से चिपक गईले अवुरी उनुका गर्दन प रोवत रहले।
9 तब अन्हार इसहाक के आँख छोड़ के याकूब के दुनो बेटा लेवी आ यहूदा के देखले त उ कहले कि, 'हे बेटा, इ तोहार बेटा हवे? काहे कि ऊ लोग तोहरा जइसन बा.'
10 उ ओकरा से कहले कि उ लोग सचमुच उनुकर बेटा हवे, 'आ तू सचमुच देखले बा कि उ लोग सचमुच हमार बेटा हवे'।
11 उ लोग उनकरा लगे आके उ मुड़ के ओ लोग के चुम्मा लेले अवुरी दुनो के गले लगा लेले।
12 भविष्यवाणी के आत्मा उनकरा मुँह में उतरल आ लेवी के दाहिना हाथ से आ यहूदा के बायां हाथ से पकड़ लिहले।
13 उ पहिले लेवी के ओर मुड़ के पहिले उनुका के आशीर्वाद देवे लगले अवुरी उनुका से कहले, "सब के परमेश्वर, हर युग के प्रभु, तोहरा अवुरी आपके संतान के हर युग में आशीर्वाद देस।
14 आ प्रभु तोहरा आ तोहरा संतान के बड़हन आ बड़हन महिमा देसु आ तोहरा आ तोहरा वंशज के, सब शरीर के बीच से, अपना पवित्र स्थान में सेवा करे खातिर अपना लगे आवे के काम करस, कि ऊ लोग सान्निध्य के दूत आ पवित्र लोग के रूप में। (इहाँ तक कि) जइसे ऊ लोग, तोहरा बेटा लोग के वंश महिमा आ महानता आ पवित्रता खातिर होई आ ऊ ओह लोग के हर युग तक महान बनावस।
15 ऊ लोग याकूब के संतान के सब वंशज के न्यायाधीश, राजकुमार आ मुखिया होईहे। उ लोग प्रभु के वचन के धार्मिकता से बोलिहे, अवुरी उनुका सभ न्याय के धार्मिकता से न्याय करीहे। आ ऊ लोग याकूब के हमार रास्ता आ इस्राएल के हमार रास्ता बताई। प्रभु के आशीर्वाद ओह लोग के मुँह में दिहल जाई प्रिय के सब बीज के आशीर्वाद देवे खातिर।
16 तोहार माई तोहार नाम लेवी रखले बाड़ी आ न्याय से तोहार नाम रखले बाड़ी। तू प्रभु से जुड़ल होखब आ याकूब के सब बेटा के साथी बनबऽ। उनकर मेज तोहार होखे, आ तू आ तोहार बेटा

लोग ओकर खाईं। आ तोहार मेज हर पीढ़ी तक भरल होखे, आ तोहार खाना हर युग तक खतम ना होखे।
17 तोहरा से नफरत करे वाला सब तोहरा सामने गिर जास, आ तोहरा सब विरोधी के जड़ से उखाड़ के नाश हो जाव। आ तोहरा के आशीष देवे वाला के धन्य होखे, आ तोहरा के गारी देवे वाला हर राष्ट्र के अभिशाप होखे।'
18 यहूदा से कहलन कि, 'प्रभु तोहरा के ताकत आ शक्ति देस कि तोहरा से नफरत करे वाला सब लोग के रौंद के मार सकीले। तू आ तोहरा एगो बेटा याकूब के बेटा लोग पर एगो राजकुमार बनबऽ। तोहार नाम आ तोहरा बेटा के नाम आगे बढ़ के हर देश आ क्षेत्र में घूमे। तब गैर-यहूदी लोग तोहरा सामने डेरा जइहें आ सब राष्ट्र काँप जइहें।
19 तोहरे में याकूब के सहायता होई, आ तोहरे में इस्राएल के उद्धार मिली।
20 आ जब तू अपना धार्मिकता के आदर के सिंहासन पर बइठब त प्रियजन के बेटा के सब संतान खातिर बहुत शांति होई। धन्य होखे जे तोहरा के आशीष देत बा, आ जे भी तोहरा से नफरत करी आ तोहरा के दुखी आ गारी देत बा, ओकरा के जड़ से उखाड़ फेंकल जाई आ धरती से नष्ट कर दिहल जाई आ अभिशप्त हो जाई।'
21 मुड़ के ऊ ओकरा के फेरु से चुम्मा लिहले आ गले लगा लिहले आ बहुते खुश हो गइले. काहेकि उ अपना बेटा याकूब के बेटा के सही में देखले रहले।
22 ऊ अपना गोड़ के बीच से निकल के गिर के ओकरा के प्रणाम कइलन आ ऊ ओह रात ओह लोग के आशीष दिहलन आ ओहिजा अपना बाप इसहाक का साथे आराम कइलन आ ऊ लोग खुशी से खात-पीटल.
23 याकूब के दुनो बेटा के एगो दाहिना ओर अवुरी दूसरा बायां ओर सुता देले अवुरी उनुका के धार्मिकता में गिनल गईल।
24 याकूब रात में अपना पिता के सब कुछ बतवले कि कइसे प्रभु उनुका प बहुत दया कईले बाड़े अवुरी उ अपना सभ रास्ता में (उनुका के) समृद्ध कईले बाड़े अवुरी उनुका के हर बुराई से बचा लेले बाड़े।
25 इसहाक अपना पिता अब्राहम के भगवान के आशीष दिहलन, जे अपना सेवक इसहाक के बेटा लोग से आपन दया आ धार्मिकता ना हटवले रहले।
26 सबेरे याकूब अपना पिता इसहाक के उ व्रत के बारे में बतवले जवन उ प्रभु से कईले रहले अवुरी उ जवन दर्शन देखले रहले अवुरी उ एगो वेदी बनवले बाड़े अवुरी उ प्रण के मुताबिक प्रभु के सोझा बलिदान देवे खाती सब कुछ तैयार बा अवुरी उनुका के गदहा प सवार करे आईल बाड़े।
27 इसहाक अपना बेटा याकूब से कहलन कि हम तोहरा साथे ना जा पावत बानी। काहे कि हम बूढ़ हो गइल बानी आ रास्ता ना सह पावत बानी, हे बेटा, शांति से जा। काहे कि आज हम एक सौ पैंसठ साल के बानी। अब हम सफर करे में सक्षम नइखीं; अपना माई के (गदहा पर) बइठा के अपना साथे जाए दीं।
28 हे बेटा, हम जानत बानी कि तू हमरा हिसाब से आइल बाड़ आ आजु आशीर्वाद मिल जाव जवना पर तू हमरा के जिंदा देखले बाड़, आ हमहूँ तोहरा के देखले बानी, हमार बेटा।
29 का तू समृद्धि हो सके आ जवन व्रत तू कइले बाड़ऽ ओकरा के पूरा करऽ। आ आपन व्रत के टाल मत दीं; काहे कि व्रत के बारे में तोहरा हिसाब लगावल जाई। अब एकरा के पूरा करे में जल्दी करऽ आ ऊ खुश होखे जे सब कुछ बनवले बा, जेकरा से तू व्रत कइले बाड़ऽ.'
30 उ रिबेका से कहले, 'अपना बेटा याकूब के संगे जा'। रिबेका अपना बेटा याकूब के साथे आ दबोरा अपना साथे चल गइली आ ऊ लोग बेथेल चल गइल।
31 याकूब के उ प्रार्थना याद आ गईल, जवना से उनुकर पिता उनुका अवुरी उनुका दुनो बेटा लेवी अवुरी यहूदा के आशीर्वाद देले रहले अवुरी उ खुश होके अपना पूर्वज अब्राहम अवुरी इसहाक के भगवान के आशीर्वाद देले।
32 उ कहले, 'अब हम जान गईनी कि हमरा अवुरी हमरा बेटा के भी, सभके परमेश्वर के सोझा अनन्त आशा बा'। आ एह तरह से ई दुनु के बारे में नियुक्त कइल गइल बा; आ ऊ लोग एकरा के स्वर्ग के पाटी पर ओह लोग खातिर अनन्त गवाही के रूप में दर्ज करेला कि इसहाक ओह लोग के कइसे आशीष दिहलन।

अध्याय 32 के बा

1 ओह रात ऊ बेथेल में रह गइलन आ लेवी सपना देखलन कि ऊ लोग ओकरा के परम परमेश्वर के याजक बना के ओकरा आ ओकर बेटा लोग के हमेशा खातिर बना दिहले बा. आ ऊ नींद से जाग के प्रभु के आशीष दिहलन।
2 याकूब एह महीना के चौदह तारीख के सबेरे-सबेरे उठले आ अपना साथे आवे वाला सब लोग के दसवां हिस्सा, आदमी आ पशु, सोना आ हर बर्तन आ कपड़ा के दसवां हिस्सा दिहलन।
3 ओह दिन राहेल अपना बेटा बिन्यामीन से गर्भवती हो गइल। याकूब अपना बेटा लोग के गिनती कइलन आ लेवी प्रभु के हिस्सा में गिर गइलन आ उनकर पिता उनका के याजक के कपड़ा पहिन के उनकर हाथ भर दिहलन।
4 एह महीना के पन्द्रह तारीख के ऊ वेदी पर मवेशी के बीच से चौदह गो बैल, अड़इस गो मेढ़क, उनचालीस गो भेड़, सात गो मेमना आ इक्कीस गो बकरी के बच्चा बलि के वेदी पर होमबलि के रूप में ले अइले, जवन भगवान के सामने मीठ सुगंध खातिर बहुते खुश रहे।
5 ई उनकर बलिदान रहे, जवन व्रत के परिणाम रहे कि ऊ दसवाँ हिस्सा दे दीहें, ओह लोग के फलबलि आ पेयबलि के साथे।
6 जब आग ओकरा के भस्म क दिहलस त उ आग के ऊपर आग प धूप जरा देले अवुरी धन्यवाद के बलि में दुगो बैल अवुरी चार मेढ़क अवुरी चार भेड़, चार गो बकरी अवुरी एक साल के दु भेड़ अवुरी दुगो बकरी के बच्चा जरा देले। आ सात दिन तक रोज अईसने करत रहले।
7 उ आ उनकर सब बेटा आ उनकर आदमी सात दिन तक उहाँ खुशी से (ई) खात रहले आ प्रभु के आशीष आ धन्यवाद देत रहले, जे उनका के पूरा संकट से मुक्त कर दिहले रहले आ उनकर व्रत देले रहले।
8 उ सब साफ जानवर के दसवां हिस्सा देके होमबलि चढ़वले, लेकिन अशुद्ध जानवर के उ अपना बेटा लेवी के देले (ना) अवुरी उ आदमी के सभ प्राण ओकरा के दे देले।
9 लेवी अपना दस भाई लोग से बेसी अपना बाप याकूब के सामने बेथेल में याजक के पद पूरा कइलन आ ऊ ओहिजा याकूब के व्रत दिहलन आ एह तरह से ऊ दसवां हिस्सा के दसवां हिस्सा के दोबारा दसवाँ हिस्सा प्रभु के दिहलन आ ओकरा के पवित्र कर दिहलन आ ऊ उनुका खातिर पवित्र हो गइलन.

10 आ एही से स्वर्ग के पाटी पर ई नियम के रूप में निर्धारित कइल गइल बा कि दसवां हिस्सा के दोबारा दसवां हिस्सा के प्रभु के सामने साल दर साल खाए के चाहीं, जहाँ उनकर नाम रहे खातिर चुनल गइल बा, आ एह नियम के हमेशा खातिर दिन के कवनो सीमा नइखे।
11 ई नियम लिखल बा कि जवना जगह पर प्रभु के सामने दूसरा दसवां हिस्सा चुनल गइल बा, ओहिजा खइला से साल दर साल पूरा होखे आ एह साल से ओकरा बाद के साल तक एकरा से कुछुओ ना रह जाई।
12 काहे कि ओकरा साल में बीया साल के बीज बटोरे के दिन तक, शराब के शराब के दिन तक, तेल के समय तक खाइल जाई।
13 जवन कुछ बचल बा आ बूढ़ हो गइल बा, ओकरा के गंदा मानल जाव, ओकरा के आग से जरा दिहल जाव, काहे कि ऊ अशुद्ध बा।
14 आ एह तरह से ऊ लोग एकरा के पवित्र स्थान में एक संगे खाए, आ ओकरा के बूढ़ ना होखे देवे।
15 बैल आ भेड़ के सब दसवां हिस्सा प्रभु खातिर पवित्र होई आ उनकर पुजारी लोग के होई, जवन उ लोग साल दर साल उनकरा सोझा खाई। काहे कि स्वर्गीय पाटी पर दसवां हिस्सा के संबंध में एकरा के एही तरह से नियुक्त आ उकेरल गइल बा।
16 अगिला रात, एह महीना के बाइसवाँ दिन याकूब ठान लिहलन कि ऊ जगह बना के आँगन के देवाल से घेर के ओकरा के पवित्र कर के हमेशा खातिर पवित्र बनावल जाव, अपना आ ओकरा बाद के अपना लइकन खातिर।
17 रात में प्रभु ओकरा से प्रकट होके ओकरा के आशीष देके कहले कि, 'तोहार नाम याकूब ना होई, बालुक इस्राएल के नाम रखीहे।'
18 उ फेर से कहले, 'हम प्रभु हईं जे आकाश आ धरती के रचले बानी, आ हम तोहरा के बढ़ा देब आ तोहरा के बहुत बढ़ा देब, आ तोहरा से राजा निकल जइहें आ जहाँ-जहाँ आदमी के बेटा के गोड़ दबाइल बा, उहाँ उ लोग न्याय करीहें।'
19 हम तोहरा संतान के स्वर्ग के नीचे के पूरा धरती देब, आ उ लोग अपना इच्छा के मुताबिक सभ जाति के न्याय करीहे अवुरी ओकरा बाद उ पूरा धरती प कब्जा क के हमेशा खाती विरासत में पाईहे।'
20 उ ओकरा से बात खतम क के ओकरा से ऊपर चल गईले। आ याकूब तब तक देखत रहले जब तक उ स्वर्ग में ना चढ़ गईले।
21 रात के एगो दर्शन में देखलन कि एगो स्वर्गदूत हाथ में सात गो पाटी लेके स्वर्ग से उतरल आ ऊ याकूब के दिहलन आ ओकरा के पढ़ के ऊ सब कुछ जान गइलन जवन उनका आ उनकर बेटा लोग पर हर युग में होखे वाला रहे।
22 ऊ पाटी पर लिखल सब कुछ देखा के कहलन कि, 'एह जगह के निर्माण मत करऽ आ एकरा के अनन्त पवित्र स्थान मत बनाईं आ इहाँ मत रहऽ; काहे कि ई जगह नइखे. अपना बाप इब्राहीम के घर में जाके अपना पिता के मौत के दिन तक अपना पिता इसहाक के संगे रहब।
23 काहे कि मिस्र में तू शांति से मरब आ एही देश में तू अब्राहम आ इसहाक के साथे अपना पुरखन के कब्र में आदर से दफन होखब।
24 मत डेरा, काहे कि जइसे तू देखले बाड़ऽ आ पढ़ले बाड़ऽ, सब अईसने होई। आ जइसे देखले आ पढ़ले बाड़ऽ, सब कुछ लिखऽ।'
25 याकूब कहलन, 'हे प्रभु, हम जवन कुछ पढ़ले बानी आ देखले बानी, ओकरा के कइसे याद कर सकीले? 'आ उ ओकरा से कहले, 'हम तोहार सब कुछ याद कर देब।'
26 ऊ ओकरा से ऊपर चल गइलन आ नींद से जाग गइलन आ ऊ सब कुछ याद कइलन जवन ऊ पढ़ले आ देखले रहले.
27 उहाँ उहाँ एगो अउरी दिन मनवले, आ ओकरा प पहिले के दिन में जवन भी बलिदान देले रहले, ओकरा हिसाब से बलिदान कईले अवुरी एकर नाम 'जोड़' रखले, काहेंकी इ दिन जोड़ल गईल अवुरी पहिले के दिन के उ 'भोज' कहले।
28 एह तरह से ई प्रगट भइल कि ई होखे के चाहीं आ ई स्वर्ग के पाटी पर लिखल बा, एही से ओकरा के प्रकट कइल गइल कि ऊ एकरा के मनावे के चाहीं आ एकरा के भोज के सात दिन में जोड़ के।
29 एकर नाम 'जोड़' रखल गइल काहे कि साल के दिन के संख्या के हिसाब से एकरा के परब के दिन के बीच में दर्ज कइल जात रहे।
30 रात में, एह महीना के तेइसवाँ दिन, दबोरा रिबेका के नर्स के मौत हो गइल आ ऊ लोग ओकरा के शहर के नीचे नदी के ओक के नीचे दफना दिहल आ ऊ एह जगह के नाम 'दबोरा के नदी' आ ओक के नाम 'दबोरा के शोक के ओक' रख दिहलस।
31 रिबेका जाके अपना घरे अपना पिता इसहाक के लगे चल गईली अवुरी याकूब ओकरा हाथ से मेढ़क अवुरी भेड़ अवुरी बकरी भेजले कि उ अपना पिता खाती ओईसन खाना बनावस, जवन कि उनुकर इच्छा रहे।
32 ऊ अपना महतारी के पीछे-पीछे चलत रहले जबले ऊ कबरतन के देश में ना आ गइलन आ ऊ ओहिजा रह गइलन.
33 राहेल रात में एगो बेटा पैदा कइली आ ओकर नाम 'हमार दुख के बेटा' रखली। काहेकि उ ओकरा के जनम देवे में कष्ट उठवली, लेकिन उनकर पिता उनकर नाम बेंजामिन रखले रहले, जवन कि एह जयंती के छठवाँ हफ्ता के पहिला दिन आठवाँ महीना के एगारह तारीख के रखले रहले। [2143 बजे से बा]।
34 राहेल के मौत ओहिजा हो गइल आ ओकरा के एफ्रात के देश में दफनावल गइल जवन बेतलेहेम ह आ याकूब राहेल के कब्र पर ओकर कब्र के ऊपर सड़क पर एगो खंभा बनवले.

अध्याय 33 के बा

1 याकूब जाके मगदलाद्रेफ के दक्खिन में रह गइलन। दसवां महीना के अमावस्या के दिन उ अपना पिता इसहाक के लगे गईले, उ अवुरी उनुकर पत्नी लीआ।
2 रूबेन राहेल के दासी बिलहा के देखले, जवन कि उनुका पिता के उपपत्नी रहली, जवन कि गुप्त जगह प पानी में नहात रहली अवुरी उ ओकरा से प्यार करत रहले।
3 उ रात में लुका गईले अवुरी रात में बिलहा के घर में घुस गईले अवुरी उनुका घर में बिछौना प अकेले सुतल देखले।
4 ऊ ओकरा साथे लेट गइल आ देखली कि रूबेन ओकरा साथे बिछौना पर पड़ल बा आ ऊ अपना आवरण के सीमा खोल के ओकरा के पकड़ लिहली आ चिल्ला के देखली कि ऊ रूबेन ह.

5 ऊ ओकरा से लजा गइल आ ओकरा से आपन हाथ छोड़ दिहली आ ऊ भाग गइल.
6 उ एह बात के लेके बहुत विलाप कईली अवुरी केहु के इ बात ना बतवली।
7 जब याकूब वापस आके ओकरा के खोजलस त उ ओकरा से कहली कि हम तोहरा खातिर साफ नईखी, काहेकि हम तोहरा मामला में अशुद्ध हो गईल बानी। काहे कि रूबेन हमरा के अशुद्ध कर दिहले बाड़न आ रात में हमरा साथे लेट गइल बाड़न आ हम सुतल रहनी आ तबले पता ना चलल जबले ऊ हमार स्कर्ट ना खोल के हमरा साथे ना सुत गइलन.'
8 याकूब रूबेन पर बहुत नाराज हो गइलन काहे कि ऊ बिलहा के साथे लेट गइल रहले, काहे कि ऊ अपना बाप के कपड़ा खोलले रहले।
9 याकूब फेर से ओकरा लगे ना अइले काहे कि रूबेन ओकरा के अशुद्ध कर दिहले रहले। आ रहल बात जे केहू अपना बाप के पट्टा उघार करेला ओकर करनी बहुते दुष्ट होला काहे कि ऊ प्रभु के सामने घिनौना होला.
10 एही से स्वर्ग के पाटी पर लिखल आ नियम बा कि आदमी अपना बाप के मेहरारू के साथे ना सुते के चाहीं आ अपना बाप के पट्टा ना खोले के चाहीं, काहे कि ई अशुद्ध बा, ऊ लोग एक संगे मर जइहें, जवन आदमी अपना बाप के मेहरारू के साथे लेटत बा आ मेहरारू भी, काहे कि ऊ लोग धरती पर अशुद्धता कइले बा।
11 हमनी के परमेश्वर के सामने कवनो अशुद्ध ना होई, जवना राष्ट्र के उ अपना खातिर चुनले बाड़े।
12 दूसर बेर लिखल गइल बा कि, 'जे अपना बाप के मेहरारू के साथे लेट जाला, ओकरा के शाप दिहल जाव, काहे कि ऊ अपना बाप के लाज के उजागर कर दिहले बा'; आ प्रभु के सब पवित्र लोग कहल कि 'अइसन होखे; अईसन होखे।'
13 हे मूसा, तू इस्राएल के लोग के आज्ञा करऽ कि ऊ लोग ई वचन के पालन करे। काहे कि एकरा में मौत के सजा (निहित) होला; आ ई अशुद्ध बा, आ ई काम करे वाला आदमी के प्रायश्चित करे खातिर हमेशा खातिर कवनो प्रायश्चित नइखे, बलुक ओकरा के मार दिहल जाई आ मार दिहल जाई आ पत्थर से पत्थर मारल जाई आ हमनी के परमेश्वर के लोग के बीच से जड़ से उखाड़ दिहल जाई।
14 काहे कि इस्राएल में अइसन करे वाला के धरती पर एक दिन जिंदा रहे के इजाजत नइखे, काहे कि ऊ घिनौना आ अशुद्ध बा।
15 उ लोग इ मत कहे कि रूबेन के अपना पिता के उपपत्नी के संगे लेटला के बाद ओकरा के जीवन अवुरी माफी दिहल गईल, अवुरी उनुकर पति याकूब भी जिंदा रहले।
16 काहेकि ओह समय तक नियम आ न्याय आ व्यवस्था के पूरा तरीका से सभका खातिर ना प्रगट भइल रहे, बलुक तोहरा दिन में (प्रगट भइल बा) जवन कि मौसम आ दिन के नियम आ अनन्त पीढ़ी खातिर अनन्त नियम के रूप में प्रगट भइल रहे।
17 आ एह व्यवस्था खातिर कवनो दिन के समापन नइखे आ ना कवनो प्रायश्चित, बाकिर दुनु के राष्ट्र के बीच में जड़ से उखाड़ फेंकल जरूरी बा, जवना दिन ऊ लोग एकरा के पूरा कइले बा, ओह दिन ओह लोग के मार दीहें.
18 आ तू, मूसा, इस्राएल खातिर लिख (इ) ताकि ऊ लोग एकर पालन कर सके आ एह शब्दन के अनुसार कर सके आ मौत के पाप मत कर सके। काहे कि हमनी के प्रभु प्रभु न्यायाधीश हवें, जे व्यक्ति के आदर ना करेलें आ वरदान ना स्वीकार करेलें।
19 आ ओह लोग के वाचा के ई बात बताईं कि ऊ लोग सुन सके आ पालन कर सके आ ओह लोग के आदर में चौकस कर सके आ ओह देश से नाश ना हो जाव आ जड़ से ना उखाड़ल जा सके. काहे कि हमनी के परमेश्वर के सामने धरती पर अशुद्धि, घृणित काम, गंदगी आ अशुद्धि के काम करे वाला सब लोग हवे।
20 उ लोग धरती पर जवन व्यभिचार करेला ओकरा से बड़ पाप कवनो नईखे। काहे कि इस्राएल अपना परमेश्वर प्रभु खातिर एगो पवित्र राष्ट्र ह, आ विरासत के राष्ट्र ह, आ पुरोहित आ राजकीय राष्ट्र ह आ (उनकर) संपत्ति खातिर; पवित्र राष्ट्र के बीच में अइसन कवनो अशुद्धि ना लउकी।
21 छठवाँ हफ्ता के तीसरा साल [2145 AM] याकूब आ उनकर सब बेटा अब्राहम के घर में जाके उनकर पिता इसहाक आ उनकर महतारी रेबेका के लगे रह गईले।
22 याकूब के बेटा लोग के नाम इहे रहे: पहिला बेटा रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकर, जबबूलोन, लिआ के बेटा। आ राहेल के बेटा यूसुफ आ बिन्यामीन; आ बिल्हा के बेटा दान आ नफ्ताली। आ जिल्पा के बेटा गाद आ आशेर। आ याकूब के एकलौती बेटी लीआ के बेटी दीना।
23 उ लोग आके इसहाक आ रिबेका के सामने प्रणाम कइलन आ उ लोग के देख के याकूब आ उनकर सब बेटा लोग के आशीष दिहलन आ इसहाक बहुते खुश हो गइलन काहे कि ऊ अपना छोटका बेटा याकूब के बेटा लोग के देखले रहले आ ऊ ओह लोग के आशीर्वाद दिहले रहले.

अध्याय 34 के बा

1 एह चौवालीसवाँ जयंती के एह हफ्ता के छठवाँ साल में याकूब अपना बेटा लोग के आपन भेड़ चरावे खातिर भेजलन आ अपना नौकरन के ओह लोग के साथे शेकेम के चारागाह में भेज दिहलन।
2 अमोरी लोग के सात गो राजा ओह लोग के मारे खातिर एकजुट होके पेड़ के नीचे लुका के ओह लोग के मवेशी के शिकार बना लिहले।
3 याकूब, लेवी, यहूदा आ यूसुफ अपना पिता इसहाक के साथे घर में रहले। काहेकि उनकर आत्मा दुखी रहे आ उ लोग ओकरा के छोड़ ना पवलस, बिन्यामीन सबसे छोट रहले आ एही से उ अपना पिता के संगे रहले।
4 तफू के राजा आ अरेसा के राजा, सेरागन के राजा, सेलो के राजा, गाआस के राजा, बेथोरोन के राजा, माअनिसाकिर के राजा आ कनान देश में जंगल में रहे वाला सब लोग अइले।
5 उ लोग याकूब के इ बात के घोषणा कईले कि, 'देख, अमोरी के राजा तोहार बेटा के घेर लेले बाड़े अवुरी उनुकर झुंड लूट लेले बाड़े।'
6 ऊ अपना घर से उठ के आपन तीन गो बेटा आ अपना बाप के सब नौकर आ आपन नौकर आ तलवार लेके छह हजार आदमी के साथे ओह लोग के खिलाफ चल गइलन।
7 ऊ शेकेम के चारागाह में ओह लोग के मार दिहलन आ भागल लोग के पीछा कइलन आ तलवार के धार से मार दिहलन आ अरेसा आ तफू आ सरेगन आ सेलो आ अमानीसाकीर आ गा[गा] के मार दिहलन आ आपन झुंड बरामद कर लिहलन.

8 ऊ ओह लोग पर हावी हो गइलन आ ओह लोग पर कर लगा दिहलन कि ऊ लोग ओकरा के कर दे देव, जवन कि ओह लोग के जमीन के पांच गो फल के उपज रहे आ ऊ रोबेल आ तमनातरेस के निर्माण कइलन.
9 ऊ शांति से लवट के ओह लोग से मेल मिलाप कर लिहलन आ ऊ लोग उनकर नौकर बन गइलन जबले ऊ आ उनकर बेटा मिस्र ना गइलन.
10 आ एह हफ्ता के सातवाँ साल [2149 AM] में ऊ यूसुफ के भेजलन कि ऊ अपना घर से शेकेम देश में अपना भाई लोग के भलाई के बारे में जान लेव आ ऊ लोग दोथान देश में मिल गइल।
11 ऊ लोग ओकरा साथे धोखाधड़ी कइल आ ओकरा खिलाफ साजिश रच के ओकरा के मारे के साजिश रचल बाकिर आपन मन बदल के ओकरा के इश्माएल व्यापारियन के बेच दिहल आ ओकरा के मिस्र ले गइल आ ओकरा के एलेव शहर के याजक फिरौन के नपुंसक पोतीफर के बेच दिहल.
12 याकूब के बेटा एगो बछड़ा के मार के यूसुफ के कोट के खून में डुबा के सातवा महीना के दसवां दिन अपना पिता याकूब के भेज देले।
13 ऊ पूरा रात शोक मनावत रहलन, काहे कि ऊ लोग साँझ के ओकरा लगे ले आइल रहे आ ऊ अपना मौत के शोक से बोखार में आ गइलन आ कहलन कि एगो दुष्ट जानवर यूसुफ के खा गइल बा'। उनकर घर के सब लोग [ओह दिन उनकरा साथे शोक मनावत रहले, आ उ लोग] उ दिन भर उनकरा साथे दुखी आ शोक मनावत रहले।
14 उनकर बेटा आ बेटी उनकर दिलासा देवे खातिर उठल, लेकिन उ अपना बेटा खातिर दिलासा देवे से मना कर दिहलस।
15 ओह दिन बिल्हा सुनली कि यूसुफ के नाश हो गइल बा आ ऊ ओकरा शोक करत मर गइली आ ऊ कफ्रातेफ में रहत रहली आ यूसुफ के नाश भइला के बाद उनकर बेटी दीना भी मर गइली।
16 एक महीना में इ तीनों शोक इस्राएल पर हो गईल| उ लोग बिल्हा के राहेल के कब्र के सामने दफना देले अवुरी दीना के भी। उनकर बेटी, उ लोग उहाँ दफना देले।
17 उ एक साल यूसुफ के शोक मनावत रहले, लेकिन उ ना रुकले, काहेकी उ कहले रहले कि, 'हमरा के अपना बेटा के शोक मनावत कब्र में उतरे दीं'।
18 एही से इस्राएल के लोग खातिर ई तय कइल गइल बा कि ऊ लोग सातवाँ महीना के दसवाँ दिन -जवना दिन यूसुफ खातिर रोवे वाला खबर ओकरा पिता याकूब के लगे आइल रहे- ओह दिन अपना पाप के खातिर सातवाँ महीना के दसवाँ दिन एगो बकरी के बच्चा से अपना खातिर प्रायश्चित करस। काहेकि उ लोग अपना पिता के बेटा यूसुफ के प्रति स्नेह से दुखी हो गईल रहले।
19 आ आज के दिन तय कइल गइल बा कि ऊ लोग अपना पाप, अपना सब अपराध आ अपना सब गलती खातिर दुखी होखे, ताकि ऊ लोग साल में एक बेर ओह दिन अपना के साफ कर सके।
20 यूसुफ के नाश भइला के बाद याकूब के बेटा लोग अपना मेहरारू के बियाह कइल। रूबेन के मेहरारू के नाम 'अदा' ह; आ शिमोन के मेहरारू के नाम 'अदलबा' ह, जवन कनान के हई। लेवी के मेहरारू के नाम मेलका ह जवन अराम के बेटी हई आ तेरा के बेटा के वंशज हई। यहूदा के मेहरारू बेतासुएल के नाम रहे जवन कनान के रहे। इस्साकर के मेहरारू के नाम हिजाका आ जबलुन के मेहरारू के नाम निईमान रहे। आ दान के मेहरारू के नाम 'एगला; आ नफ्ताली के मेहरारू मेसोपोटामिया के रसु'उ के नाम; आ गाद के मेहरारू के नाम माका; आ आशेर के मेहरारू के नाम 'इजोना; आ यूसुफ के मेहरारू असनाथ के नाम मिस्र के रहे। आ बेंजामिन के मेहरारू के नाम 'इजासाका।'
21 शिमोन पश्चाताप क के मेसोपोटामिया से दूसरकी पत्नी के अपना भाई बना लेले।

अध्याय 35 के बा

1 पैंतालीसवीं जयंती के पहिला हफ्ता के पहिला साल में रिबेका अपना बेटा याकूब के बोलवली आ ओकरा के अपना पिता आ भाई के बारे में आज्ञा दिहली कि ऊ अपना जीवन भर ओह लोग के आदर करस।
2 याकूब कहले, 'हम सब कुछ ओइसने करब जइसन तू हमरा के कहले बाड़ू। काहे कि ई बात हमरा खातिर आदर आ महानता आ प्रभु के सामने धार्मिकता होई कि हम ओह लोग के आदर करीं।
3 आ तू भी हे माई, हमरा जनम के समय से लेके आज तक, हमार सब काम आ हमरा दिल में जवन कुछ बा, ओकरा के जानत बानी कि हम हमेशा सबके बारे में अच्छा सोचेनी।
4 आ हम ई काम कइसे ना करब जवन तू हमरा के दिहले बाड़ू कि हम अपना बाप आ भाई के आदर करीं!
5 बताईं माई, तू हमरा में कवन विकृति देखले बाड़ू त हम ओकरा से मुँह मोड़ लेब, त हमरा पर दया होई।'
6 उ ओकरा से कहली, 'हे बेटा, हम अपना पूरा दिन तोहरा में कवनो विकृत काम नईखी देखले, बालुक (केवल) सीधा काम नईखी देखले।' आ तबो हम तोहरा के साँच कहब, बेटा, हम एह साल मरब, आ हम एह साल अपना जिनिगी में ना जिंदा रहब। काहे कि हम अपना मौत के दिन सपना में देखले बानी कि हम एक सौ पचपन साल से आगे ना जिएब, अवुरी देख, हम अपना जीवन के सभ दिन पूरा क लेले बानी, जवन हम जिए के बा।'
7 याकूब अपना माई के बात सुन के हंस गईले। काहे कि ओकर माई ओकरा से कहले रहली कि ऊ मर जाईं. आ ऊ अपना ताकत के कब्जा में ओकरा सामने बइठल रहली आ अपना ताकत में कमजोर ना रहली. काहे कि ऊ अंदर-बाहर जाके देखली आ उनकर दाँत मजबूत हो गइल रहे आ उनकर जिनिगी भर कवनो बेमारी ना छूवल रहे।
8 याकूब ओकरा से कहले, 'माई, हम धन्य बानी, अगर हमार दिन तोहरा जीवन के दिन के नजदीक आ गईल अवुरी हमार ताकत आपके ताकत के रूप में हमरा संगे अयीसन रहे अवुरी तू ना मरब, काहेंकी तू हमरा संगे अपना मौत के बारे में बेकार मजाक करतानी।'
9 ऊ इसहाक के लगे जाके कहली, 'हम तोहरा से एगो निहोरा करत बानी कि एसाव के कसम खाईं कि ऊ याकूब के कवनो नुकसान ना करी आ ना ही दुश्मनी से ओकर पीछा करी। काहेकि तू एसाव के विचार के जवानी से ही जानत बाड़ू कि उ जवानी से विकृत बा अवुरी ओकरा में कवनो भलाई नईखे। काहे कि ऊ तोहरा मरला का बाद ओकरा के मारे के चाहत बा.
10 जब से उनकर भाई याकूब हारान गइल रहले, तब से लेके आज तक उ सब कुछ जानत बानी कि उ हमनी के पूरा मन से

छोड़ के हमनी के बुराई कईले बाड़े। तोहार झुंड के ऊ अपना लगे ले लिहले बा आ तोहार सब सम्पत्ति तोहरा सामने से लेके चल गइल बा.
11 जब हमनी के उनकरा से निहोरा कईनी जा त उ हमनी पर दया करे वाला आदमी निहन काम कईले।
12 उ तोहरा खिलाफ कड़ुआ बा काहे कि तू अपना सिद्ध आ सीधा बेटा याकूब के आशीष देले बाड़ू। काहे कि ओकरा में खाली भलाई के अलावा कवनो बुराई नईखे, आ जबसे ऊ हारान से आइल बाड़न तबसे आजु ले ऊ हमनी के कुछुओ ना लूटले बाड़न, काहे कि ऊ हमनी खातिर हर चीज अपना समय में ले आवेला, आ जब हमनी का ओकरा हाथ से पकड़ लेनी जा आ ऊ हमनी के आशीर्वाद देत बानी जा त पूरा मन से खुश रहेला, आ जबसे ऊ हारान से आइल बा तबसे आजु ले हमनी से अलगा नइखे भइल आ ऊ हमनी का साथे लगातार घर में रहेला आ हमनी के सम्मान करत रहेला.'
13 इसहाक ओकरा से कहलन कि हमहूँ याकूब के काम के जानत बानी आ देखत बानी कि ऊ हमनी के पूरा मन से आदर करत बाड़न। लेकिन हम एसाव से पहिले याकूब से जादे प्यार करत रहनी, काहेकि उ पहिला बच्चा रहले। लेकिन अब हम याकूब से एसाव से ज्यादा प्यार करेनी, काहेकि उ कई तरह के बुराई कईले बाड़े अवुरी उनुका में कवनो धार्मिकता नईखे, काहेंकी उनुकर सभ रास्ता अधर्म अवुरी हिंसा ह, [आ ओकरा आसपास कवनो धार्मिकता नईखे।]
14 अब हमार दिल उनकर सब काम से परेशान बा, ना उ ना उनकर वंशज के उद्धार होखे वाला बा, काहे कि उ लोग धरती से नाश हो जईहे अवुरी स्वर्ग के नीचे से जड़ से उखाड़ फेंकल जाई, काहेंकी उ अब्राहम के भगवान के छोड़ के अपना पत्नी अवुरी उनुका अशुद्धता अवुरी गलती के बाद, उ अवुरी उनुकर बच्चा के पीछे चल गईल बाड़े।
15 आ तू हमरा से कहत बाड़ू कि ऊ अपना भाई याकूब के ना मारी। भले ऊ कसम खा लेव कि ऊ अपना किरिया के पालन ना करी आ ऊ नीमन ना करी बलुक खाली बुराई करी.
16 लेकिन अगर उ अपना भाई याकूब के याकूब के हाथ में मारे के चाहत बा त ओकरा के याकूब के हाथ में दिहल जाई अवुरी उ ओकरा हाथ से ना बची, [काहे कि उ ओकरा हाथ में उतर जाई।]
17 आ याकूब से डेरा मत; काहे कि याकूब के रक्षक महान आ शक्तिशाली आ सम्मानित हवे, आ एसाव के रक्षक से अधिका प्रशंसा कइल जाला।'
18 रिबेका भेज के एसाव के बोलवली आ ऊ ओकरा लगे अइले आ ऊ ओकरा से कहली कि, हे बेटा, हमरा से एगो निहोरा बा कि हम तोहरा से कर सकीले आ तू ओकरा के पूरा करे के वादा करऽ.
19 उ कहले कि, 'तू हमरा से जवन कुछ कहब, हम ओकरा के पूरा करब अवुरी हम आपके निहोरा के ठुकरा ना देब।'
20 आ ऊ ओकरा से कहली: 'हम तोहरा से कहत बानी कि जवना दिन हम मरब, तू हमरा के अपना में ले जाईं आ हमरा के तोहरा पिता के महतारी सारा के लगे दफना दीं आ तू आ याकूब एक दूसरा से प्यार करबऽ आ दुनो में से केहू एक दूसरा के खिलाफ बुराई के इच्छा ना करी, बलुक खाली आपसी प्रेम के इच्छा होई, आ (एहसे) तू लोग समृद्ध होखब, हमार बेटा लोग, आ देश के बीच में इज्जत होई, आ कवनो दुश्मन तोहरा पर खुश ना होई, आ तू लोग एक ना होखब।' तोहरा से प्यार करे वाला सब लोग के नजर में आशीर्वाद आ दया।'
21 ऊ कहलन कि, 'तू जवन कुछ बतवले बाड़ऽ, हम तोहरा के ओह दिन दफना देब जवना दिन तू हमरा बाप के महतारी सारा के लगे मरब, जइसे कि तू चाहत रहलू कि ओकर हड्डी तोहरा हड्डी के लगे होखे।
22 हमार भाई याकूब भी, हम सब शरीर से जादे प्रेम करब। काहे कि हमरा पूरा धरती पर कवनो भाई नइखे, खाली ओकरा के छोड़ के, आ अगर हम ओकरा से प्यार करीं त ई हमरा खातिर कवनो बड़हन पुण्य नइखे; काहे कि उ हमार भाई ह, हमनी के तोहरा देह में एक संगे बोवल गईल बानी अवुरी हमनी के एक संगे तोहरा पेट से निकलल बानी अवुरी जदी हम अपना भाई से प्यार ना करब त हम केकरा से प्यार करब?
23 आ हम खुदे तोहरा से निहोरा करत बानी कि याकूब के हमरा बारे में आ हमरा बेटा लोग के बारे में सलाह दीं, काहे कि हम जानत बानी कि ऊ हमरा आ हमरा बेटा लोग पर निश्चित रूप से राजा बन जइहें, काहे कि जवना दिन हमार बाबूजी ओकरा के आशीष दिहलन ऊ ओकरा के ऊंच आ हमरा के निचला बना दिहलन.
24 हम तोहरा से कसम खात बानी कि हम ओकरा से प्यार करब, आ अपना जिनिगी भर ओकरा खिलाफ बुराई के इच्छा ना करब, बलुक खाली भलाई के इच्छा करब।'
25 ऊ एह सब बात के बारे में ओकरा से किरिया खइले। उ एसाव के नजर में याकूब के बोलवली अवुरी एसाव से कहल बात के मुताबिक उनुका के आज्ञा देली।
26 ऊ कहलन कि हम तोहार मन करे के काम करब। विश्वास करीं कि हमरा से भा हमरा बेटा लोग से एसाव के खिलाफ कवनो बुराई ना निकली अवुरी हम सिर्फ प्रेम के छोड़ के कवनो चीज़ में पहिला ना रहब।'
27 ओह रात ऊ आ उनकर बेटा लोग खात-पीयत रहे आ ओह रात तीन जयंती एक हफ्ता आ एक साल के उमिर में उनकर मौत हो गइल आ उनकर दू गो बेटा एसाव आ याकूब उनका के अपना पिता के महतारी सारा के लगे दुगुना गुफा में दफना दिहलन।

अध्याय 36 के बा

1 आ एह हफ्ता के छठवाँ साल [2162 AM] में इसहाक अपना दुनु बेटा एसाव आ याकूब के बोलवले आ ऊ लोग उनका लगे अइले आ ऊ ओह लोग से कहले: 'हमार बेटा लोग, हम अपना बाप-दादा के रास्ता पर चलत बानी, ओह अनन्त घर में जहाँ हमार बाप-दादा बाड़े।'
2 एही से हमरा के हमार पिता अब्राहम के लगे हित्ती एफ्रोन के खेत में दुगुना गुफा में दफना द, जहाँ अब्राहम दफनावे खातिर एगो कब्र खरीदले रहले। जवना कब्र में हम अपना खातिर खोदले रहनी, उहाँ हमरा के दफना दीं।
3 हे हमार बेटा लोग, हम तोहनी के इहे आज्ञा देत बानी कि धरती पर धर्म आ सीधापन के पालन करीं, ताकि प्रभु तोहनी पर उ सब कुछ ले आ सके जवन प्रभु अब्राहम आ ओकरा संतान के साथे कहले रहले।
4 हे बेटा लोग, आपन भाई लोग से एक दूसरा से प्रेम करीं जइसे कि एगो आदमी अपना आत्मा से प्यार करेला, आ हर केहू अपना

भाई के फायदा के खोज करे आ धरती पर एक साथ काम करे। आ एक दोसरा से आपन आत्मा जइसन प्यार करे के चाहीं.
5 मूर्ति के सवाल के बारे में हम तोहनी के आज्ञा आ सलाह देत बानी कि ओकरा के नकार दीं आ ओकरा से नफरत करीं आ ओकरा से प्यार मत करीं, काहे कि ऊ मूर्ति के पूजा करे वाला आ ओकरा सोझा प्रणाम करे वाला लोग खातिर धोखा से भरल बा.
6 हे हमार बेटा लोग, तोहनी के पिता अब्राहम के प्रभु परमेश्वर के याद करीं आ कइसे हमहूँ उनकर पूजा कइनी आ धार्मिकता आ आनन्द से उनकर सेवा कइनी, ताकि ऊ रउरा के ढेर कर सके आ तोहनी के भीड़ में स्वर्ग के तारा के रूप में बढ़ा सकस, आ तोहनी के धरती पर धार्मिकता के पौधा के रूप में स्थापित कर सकस जवन हमेशा खातिर सब पीढ़ी तक जड़ से ना उखाड़ल ना जाई।
7 आ अब हम तोहनी के एगो बड़हन किरिया खाइब -काहे कि एकरा से बड़ कवनो शपथ नइखे जवन महिमामंडित आ सम्मानित आ महान आ शानदार आ अद्भुत आ पराक्रमी नाम से होखे, जवन आकाश आ धरती आ सब चीजन के एक साथ बनवले बा- कि तू लोग ओकरा से डेराईब आ ओकर पूजा करब।
8 आ हर केहू अपना भाई से स्नेह आ धार्मिकता से प्यार करी आ अब से केहू अपना भाई के खिलाफ बुराई के इच्छा ना करी कि तोहनी के जीवन भर हमेशा खातिर बा कि तोहनी के अपना सब काम में सफलता मिल सके आ नाश ना हो जाईं।
9 अगर रउरा में से केहू अपना भाई के खिलाफ बुराई के योजना बनावत बा त जान लीं कि अब से जे भी अपना भाई के खिलाफ बुराई के योजना बनाई, उ ओकरा हाथ में गिर जाई अवुरी जिंदा लोग के देश से जड़ से उखाड़ फेंकल जाई अवुरी ओकर संतान स्वर्ग के नीचे से नाश हो जाई।
10 लेकिन उथल-पुथल आ निंदा, आक्रोश आ क्रोध के दिन, जइसे सदोम के जरा के ज्वालामुखी भस्म करे वाला आग के साथ, ओइसहीं उ अपना देश आ अपना शहर आ ओकर सब कुछ के जरा दिही, आ ओकरा के मनुष्य के संतान के अनुशासन के किताब से मिटा दिहल जाई, आ जीवन के किताब में ना लिखल जाई, लेकिन जवन विनाश के किताब में लिखल बा, उ अनन्त में चल जाई निंदा कइल; ताकि उनकर निंदा हमेशा नफरत में आ निंदा में आ क्रोध में आ यातना में आ आक्रोश में आ विपत्ति में आ बेमारी में हमेशा खातिर नवीनीकरण होखे।
11 हे बेटा लोग, हम तोहनी से कहत बानी आ गवाही देत बानी कि जवन न्याय अपना भाई के चोट पहुंचावे के चाहत बा।
12 उ दिन उ आपन सब संपत्ति दुनो के बीच बांट देले अवुरी बड़ हिस्सा के पहिला बच्चा के, बुर्ज अवुरी ओकरा आसपास के सभ चीज़ अवुरी किरिया के कुआँ में इब्राहीम के जवन कुछ भी रहे, ओकरा के दे देले।
13 उ कहले कि, 'ई बड़ हिस्सा हम जेठ बच्चा के देब।'
14 एसाव कहले, 'हम याकूब के बेच देले बानी अवुरी याकूब के आपन जन्मसिद्ध अधिकार दे देले बानी। ओकरा के दिहल जाव आ हमरा लगे एकरा बारे में एको शब्द नइखे कहे के, काहे कि ई ओकर ह.'
15 इसहाक कहले, "हमार बेटा लोग आ तोहरा संतान पर आजु तोहनी पर आशीष बनी काहे कि तू लोग हमरा के आराम देले बाड़, आउर जन्मसिद्ध अधिकार के लेके हमार मन दुखी नइखे कि कहीं तू ओकरा चलते बुराई मत करऽ।"
16 परमात्मा परमेश्वर धर्म के काम करे वाला आदमी के आ ओकर संतान के हमेशा खातिर आशीर्वाद देस।'
17 उ लोग के आज्ञा देके आशीष देके उ लोग उनका सोझा एक संगे खाना-पीना कईल, अवुरी उ खुश हो गईले, काहेंकी ओ लोग के बीच एक मन रहे अवुरी उ लोग उनुका से निकल के ओ दिन आराम कईले अवुरी सुत गईले।
18 ओह दिन इसहाक अपना बिछौना पर खुश होके सुत गइलन। ऊ अनन्त नींद सुत गइलन आ एक सौ अस्सी साल के उमिर में मर गइलन. ऊ पच्चीस हफ्ता पाँच साल पूरा कइलें; उनकर दू गो बेटा एसाव आ याकूब उनका के दफना दिहले।
19 एसाव एदोम के देश सेईर के पहाड़ में गईले अवुरी उहाँ रह गईले।
20 याकूब अपना पिता अब्राहम के प्रवासी देश के बुर्ज में हेब्रोन के पहाड़ में रहत रहले अवुरी उ अपना पीढ़ी के दिन के बंटवारा के मुताबिक पूरा मन से अवुरी देखाई देवे वाला आज्ञा के मुताबिक प्रभु के पूजा कईले।
21 पैंतालीसवाँ जयंती के दूसरा हफ्ता के चउथा साल [2167 AM] उनकर मेहरारू लीआ के मौत हो गइल आ ऊ ओकरा के अपना पिता के महतारी सारा के कब्र के बाईं ओर अपना महतारी रेबेका के लगे डबल गुफा में दफना दिहलन
22 उनकर सब बेटा आ उनकर बेटा उनकर मेहरारू लीआ के शोक मनावे आ ओकरा बारे में दिलासा देवे खातिर अइले, काहे कि उनकर बहिन राहेल के मरला के बाद उ ओकरा से बहुत प्यार करत रहले।
23 काहेकि उ अपना सब रास्ता में सिद्ध आ सीधा रहली आ याकूब के आदर करत रहली, आ जब तक उ उनकरा साथे रहली, उ उनकर मुँह से कवनो कठोर शब्द ना सुनत रहली, काहे कि उ कोमल आ शांतिप्रिय आ सीधा आ सम्मानजनक रहली।
24 ऊ उनकर जीवन में कइल सब काम के याद कइलन आ उनकर बहुत विलाप कइलन। काहे कि ऊ ओकरा से पूरा मन आ पूरा जान से प्यार करत रहले.

अध्याय 37 के बा

1 जवना दिन याकूब आ एसाव के पिता इसहाक के मौत भइल, [2162 AM] एसाव के बेटा लोग सुनल कि इसहाक अपना छोट बेटा याकूब के बड़का के हिस्सा दे दिहले बा आ ऊ लोग बहुत नाराज हो गइल।
2 उ लोग अपना बाप से झगड़ा करत कहले कि, 'तोहार बाप याकूब के बड़का के हिस्सा काहे देले बाड़े अवुरी तोहरा ऊपर से गुजर गईले, हालांकि तू बड़ अवुरी याकूब छोट बानी?'
3 ऊ ओह लोग से कहलन कि 'काहे कि हम आपन ज्येष्ठ अधिकार याकूब के एगो छोट मसूर के गंदगी में बेच देले रहनी आ जवना दिन हमार बाबूजी हमरा के शिकार करे आ पकड़े आ ओकरा खातिर कुछ अइसन ले आवे खातिर भेजले रहले जवना के ऊ हमरा के खाए आ आशीर्वाद देसु, ऊ छल से आके हमरा बाबूजी के खाना-पीना ले अइले आ हमार बाबूजी ओकरा के आशीर्वाद दिहलन आ हमरा के अपना हाथ में डाल दिहलन.
4 आ अब हमनी के बाप हमरा आ उनुका के कसम खइले बाड़न कि हमनी का ओकरा भाई के खिलाफ भी आपसी बुराई ना बनाईं जा आ हमनी के हर केहू अपना भाई से प्रेम आ शांति से रहब जा आ आपन रास्ता भ्रष्ट ना करब जा।'

5 उ लोग ओकरा से कहलस, 'हम ओकरा से मेल मिलाप करे खातिर तोहार बात ना सुनब। काहे कि हमनी के ताकत ओकरा ताकत से अधिका बा आ हमनी के ओकरा से अधिका ताकतवर बानी जा; हमनी के ओकरा खिलाफ जाके ओकरा के मार देब जा आ ओकरा अवुरी ओकरा बेटा के नाश क देब। अगर तू हमनी के साथे ना जाएब त हम तोहरा के भी नुकसान पहुंचाईब।
6 अब हमनी के बात सुनीं कि हमनी के अराम, फिलिस्ती, मोआब आ अम्मोन में भेजल जाव, आ हमनी के अपना खातिर चुनल आदमी चुनीं जा जे लड़ाई खातिर उत्सुक होखस, आ ओकरा खिलाफ जाके ओकरा से लड़ाई करीं जा, आ ओकरा के मजबूत होखे से पहिले धरती से सफाया कर दीं।'
7 उ लोग के पिता ओ लोग से कहले, 'मत जाके ओकरा से लड़ाई मत करीं, कहीं तू ओकरा सोझा ना गिर जाईब।'
8 उ लोग ओकरा से कहलस, 'जवानी से लेके आज तक ठीक इहे तोहार काम ह, अवुरी तू ओकरा जुआ के नीचे आपन गर्दन डालता।'
9 हमनी के इ बात ना सुनब।' ऊ लोग अपना बाप के दोस्त के अराम आ अदुराम में भेज दिहल आ अपना साथे एक हजार लड़ाकू, चुनल युद्धकर्मी के काम पर रखल।
10 मोआब आ अम्मोन के लोग में से एक हजार चुनल आदमी आ फिलिस्ती से एक हजार चुनल लड़ाकू आ एदोम आ होरी लोग से एक हजार चुनल लड़ाकू आ कित्तीम सेनानी सेनानी लोग ओह लोग के लगे आइल।
11 उ लोग अपना बाप से कहले, "ओकनी के संगे जाके ओ लोग के अगुवाई कर, ना त हम तोहरा के मार देब।'
12 ऊ ई देख के क्रोध आ क्रोध से भर गइल कि उनकर बेटा लोग उनका के अपना भाई याकूब के खिलाफ अगुवाई करे खातिर (ओकनी के) आगे जाए खातिर मजबूर कर रहल बा।
13 लेकिन ओकरा बाद उ अपना भाई याकूब के खिलाफ जवन बुराई अपना दिल में छिपल रहे, ओकरा के याद कईले। आ ओकरा ऊ किरिया याद ना आइल जवन ऊ अपना बाप आ अपना महतारी के किरिया खइले रहुवे कि ऊ अपना भाई याकूब का खिलाफ पूरा दिन कवनो बुराई ना सोची.
14 एह सब के बावजूद याकूब के इ ना मालूम रहे कि उ लोग उनुका खिलाफ लड़ाई में आवत बाड़े अवुरी उ अपना पत्नी लीआ के शोक मनावत रहले, जब तक कि उ लोग चार हजार योद्धा अवुरी चुनल युद्धकर्मी के संगे बुर्ज के बहुत नजदीक ना पहुंच गईले।
15 हेब्रोन के लोग ओकरा लगे भेजले कि, 'देखऽ तोहार भाई तोहरा से लड़े खातिर चार हजार लोग तलवार से बान्ह के आइल बा आ ऊ लोग ढाल आ हथियार लेके चलत बा'। काहेकि उ लोग एसाव से जादे याकूब से प्यार करत रहले। त उ लोग ओकरा के बतवले; काहे कि याकूब एसाव से भी ज्यादा उदार आ दयालु आदमी रहले।
16 याकूब तब तक विश्वास ना कईले जब तक कि उ लोग बुर्ज के बहुत नजदीक ना पहुंच गईले।
17 ऊ बुर्ज के फाटक बंद कर दिहलन। ऊ लड़ाई के मैदानन पर खड़ा होके अपना भाई एसाव से कहलन कि, 'जवना सांत्वना से तू हमरा मरल मेहरारू खातिर हमरा के दिलासा देबे आइल बाड़, ऊ उदात्त बा।' का ई ऊ किरिया ह जवन तू ओह लोग के मरला से पहिले अपना बाप के आ फेर अपना महतारी के किरिया खइले रहलू? तू शपथ तूड़ देले बाड़ अवुरी जवना पल तू अपना बाप के किरिया खईनी, ओसही तोहार निंदा हो गईल।'
18 तब एसाव जवाब दिहलन, 'ना त आदमी के संतान आ ना धरती के जानवरन के कवनो धार्मिकता के किरिया नइखे जवन कि कसम खा के ऊ लोग हमेशा खातिर किरिया खइले बा। लेकिन रोज एक दूसरा के खिलाफ बुराई के योजना बनावेले अवुरी हरेक अपना दुश्मन अवुरी दुश्मन के कईसे हत्या क सकता।
19 आ तू हमरा आ हमरा लइकन से हमेशा खातिर नफरत करत बाड़ऽ। आ तोहरा से भाईचारा के बंधन के पालन ना होखे।
20 ई बात सुनऽ जवन हम तोहरा के बतावत बानी कि अगर सूअर आपन चमड़ी बदल सकेला आ ओकर बाल ऊन नियर नरम बना सकेला, भा अगर ऊ हरन भा भेड़ के सींग नियर माथा पर सींग अंकुरित कर सकेला, त हम तोहरा साथे भाईचारा के बंधन के पालन करब, आ अगर स्तन अपना महतारी से अलग हो गइल, काहे कि तू हमरा खातिर भाई ना रहलू।
21 आ अगर भेड़िया मेमना के साथे मेल मिलाप करस ताकि उ लोग के ना खा सकस ना हिंसा ना कर सकस, आ अगर उनकर मन भलाई खातिर उनकरा प्रति बा, त हमरा मन में तोहरा प्रति शांति होई।
22 अगर शेर बैल के दोस्त बन के ओकरा से मेल मिलाप कर लेव, आ ओकरा साथे एक जुआ में बान्ह के ओकरा से जोत चले त हम तोहरा से मेल मिलाप करब।
23 आ जब काग रजा नियर उज्जर हो जाई त जान लीं कि हम तोहरा से प्यार कइले बानी आ तोहरा से मेल मिलाप करब, तोहरा के जड़ से उखाड़ दिहल जाई, आ तोहार बेटा जड़ से उखाड़ दिहल जाई, आ तोहरा खातिर कवनो शांति ना होई।'
24 जब याकूब देखलस कि ऊ अपना मन से आ पूरा जान से ओकरा प्रति बुराई के प्रवृत्ति रखले बा कि ऊ ओकरा के मारे आ ऊ जंगली सूअर नियर उछलत आइल बा जवन भाला पर चढ़ के ओकरा के छेद के मार देला आ ओकरा से पीछे ना हटेला।
25 तब उ अपना नोकरन से कहलन कि उ लोग उनका आ उनकर सब साथी लोग पर हमला करस।

अध्याय 38 के बा

1 एकरा बाद यहूदा अपना बाप याकूब से कहलस कि, 'हे बाबू, आपन धनुष मोड़ के आपन तीर भेज के दुश्मन के गिरा द अवुरी दुश्मन के मार द। आ का तोहरा लगे ताकत होखे, काहे कि हमनी का तोहार भाई के ना मारब जा, काहे कि ऊ तहरा जइसन बा, आ ऊ तोहरा जइसन बा, हमनी का ओकरा के (ई) सम्मान दीं.'
2 तब याकूब आपन धनुष मोड़ के तीर भेज के अपना भाई एसाव के मार के मार दिहलस।
3 ऊ फेरु से तीर भेज के 'अडोरन के अरामियन के बायां छाती पर मार दिहलस आ ओकरा के पीछे धकेल दिहलस आ ओकरा के मार दिहलस।
4 तब याकूब के बेटा लोग आ उनकर नौकर बुर्ज के चारो ओर दल में बँट के निकलल।
5 यहूदा सामने निकल गइलन आ ओकरा साथे नफ्ताली आ गाद आ ओकरा साथे पचास गो नौकर बुर्ज के दक्खिन ओर निकल

गइलन आ ऊ लोग अपना सोझा जवन कुछ मिलल ओकरा के मार दिहल आ ओहमें से एको आदमी ना बचल.
6 लेवी आ दान आ आशेर अपना साथे पचास गो आदमी के साथे बुर्ज के पूरब ओर निकलल लोग आ मोआब आ अम्मोन के लड़ाकू लोग के मार दिहल।
7 रूबेन, इस्साकर आ जबबुलन अपना साथे पचास आदमी के साथे बुर्ज के उत्तर ओर निकलल लोग आ पलिस्तीयन के लड़ाकू लोग के मार दिहल।
8 शिमोन आ बिन्यामीन आ रूबेन के बेटा हनोक आ पचास गो आदमी के साथे बुर्ज के पच्छिम ओर निकल गइलन आ ऊ लोग एदोम आ होरी लोग में से चार सौ आदमी के मार दिहल जवन कि मोट योद्धा रहले। छह सौ भाग गइलन आ एसाव के चार गो बेटा ओह लोग के साथे भाग गइलन आ ओह लोग के बाप के मारल पड़ल छोड़ दिहलन जइसे कि ऊ अदुराम के पहाड़ी पर गिरल रहले.
9 याकूब के बेटा लोग उनकर पीछा सेईर के पहाड़ तक चलल। याकूब अपना भाई के अदुराम के पहाड़ी प दफना देले अवुरी उ अपना घरे लवट गईले।
10 याकूब के बेटा सेईर के पहाड़ पर एसाव के बेटा लोग पर जोरदार दबाव डालल आ गरदन झुका के याकूब के बेटा लोग के सेवक बन गइल।
11 उ लोग अपना पिता के लगे भेजले कि उ लोग उनुका से मेल मिलाप करस कि ओ लोग के हत्या करी।
12 याकूब अपना बेटा लोग से मेल मिलाप करावे के खबर भेजले आ उ लोग ओह लोग से मेल मिलाप कर दिहलन आ ओह लोग पर दासता के जुआ लगा दिहलन, जवना से ऊ लोग याकूब आ उनकर बेटा लोग के हमेशा कर देत रहे।
13 जब तक याकूब मिस्र में ना गईले, तब तक उ लोग याकूब के कर देत रहले।
14 आजु ले एदोम के लइका लोग ओह दासता के जुआ से ना छोड़ल गइल जवन याकूब के बारह गो बेटा ओह लोग पर लगा दिहले रहले.
15 इहे राजा हवें जे एदोम के देश में इस्राएल के संतान पर कवनो राजा के राज ना होखे से पहिले अदोम में राज कइले रहले।
16 बेओर के बेटा बालाक एदोम में राज कइलन आ उनकर शहर के नाम दानाबा रहे।
17 बालाक मर गइलन आ ओकरा जगहा बोसर के ज़ारा के बेटा जोबाब राज कइलन।
18 अयौबाब मर गइलन आ ओकरा जगहा तेमान देश के असम राज कइलन।
19 असम मर गइल आ मोआब के खेत में मिदियान के मारे वाला बराद के बेटा अदाथ ओकरा जगह पर राज कइलस आ ओकर शहर के नाम अवित रहे।
20 आदाथ के मौत हो गइल आ ओकरा जगहा अमासेका के सलमान राज कइलन.
21 सलमान के मौत हो गइल, आ ओकरा जगह पर राबोत (नदी के किनारे) के शाऊल राज कइलन।
22 शाऊल मर गइलन आ ओकरा जगहा अकबोर के बेटा बाएलुनान राज कइलन।
23 अचबोर के बेटा बाएलुनान के मौत हो गइल आ ओकरा जगहा अदाथ राज कइलन आ उनकर मेहरारू के नाम मैताबीत रहे जवन मेताबेदजाआब के बेटी मतरात के बेटी रहली।
24 इहे राजा हवें जे एदोम के देश में राज कइले रहले।

अध्याय 39 के बा

1 याकूब अपना पिता के प्रवासी देश में कनान देश में रहत रहले। इहे याकूब के पीढ़ी ह।
2 जब उ लोग मिस्र के देश में ले गईले त यूसुफ सतरह साल के रहले अवुरी फिरौन के नपुंसक पोतीफर उनुका के खरीद लेले।
3 ऊ यूसुफ के अपना पूरा घर पर बइठा दिहलन आ यूसुफ के चलते मिस्र के घर पर प्रभु के आशीष मिलल आ प्रभु उनकर हर काम में सफलता दिहलन।
4 मिस्र के ऊ सब कुछ यूसुफ के हाथ में सौंप दिहलस। काहे कि ऊ देखलन कि प्रभु ओकरा साथे बाड़न आ ओकरा हर काम में प्रभु ओकरा के समृद्ध कइले बाड़न.
5 यूसुफ के रूप सुन्दर रहे [आउर बहुत सुन्दर रहे] आ ओकर मालिक के मेहरारू आँख उठा के यूसुफ के देखली आ ओकरा से प्यार कइली आ ओकरा से सुते के निहोरा कइली।
6 लेकिन उ आपन प्राण ना सौंपले अवुरी उ प्रभु अवुरी उनुकर पिता याकूब इब्राहीम के बात के बीच से जवन बात पढ़त रहले, ओकरा के याद कईले कि, जवना महिला के पति होखे, ओकरा संगे कवनो आदमी व्यभिचार ना करे। कि ओकरा खातिर स्वर्ग में परम परमेश्वर के सामने मौत के सजा तय कइल गइल बा आ ओकरा खिलाफ पाप के हमेशा प्रभु के सामने अनन्त किताबन में दर्ज कइल जाई।
7 यूसुफ के ई बात याद आके ओकरा साथे सुते से मना कर दिहलन।
8 उ एक साल तक उनकरा से निहोरा कईली, लेकिन उ ना मनले अवुरी ना सुनलस।
9 बाकिर ऊ ओकरा के गले लगा के घर में मजबूती से पकड़ लिहली ताकि ऊ ओकरा के अपना साथे सुते खातिर मजबूर कर सके आ घर के दरवाजा बंद क के ओकरा के मजबूती से पकड़ लिहली। लेकिन उ आपन कपड़ा ओकरा हाथ में छोड़ के दरवाजा तोड़ के ओकरा सोझा से बाहर भाग गईले।
10 ऊ मेहरारू देखलस कि ऊ ओकरा साथे लेट ना करीहें आ ऊ अपना मालिक के सामने ओकरा के निंदा कइली आ कहली कि 'तोहार हिब्रू सेवक, जेकरा से तू प्यार करत बाड़, हमरा के जबरदस्ती करे के कोशिश कइलस ताकि ऊ हमरा साथे लेट सके। आ जब हम आवाज उठवनी त ऊ भाग गइल आ जब हम ओकरा के पकड़ले रहीं त ऊ आपन कपड़ा हमरा हाथ में छोड़ दिहलसि आ ऊ दरवाजा तोड़ दिहलसि.'
11 मिस्त्री यूसुफ के कपड़ा आ टूटल दरवाजा देख के आपन मेहरारू के बात सुन के यूसुफ के ओह जगह पर जेल में डाल दिहलस जहाँ राजा जेल में बंद कैदियन के रखले रहले।
12 उ उहाँ जेल में रहले। जेल के पहरेदारन के मुखिया के नजर में प्रभु यूसुफ के अनुग्रह आ करुणा दिहलन, काहे कि ऊ देखले कि प्रभु उनका साथे बाड़न आ प्रभु उनकर हर काम के सफल बना दिहले बाड़न.
13 ऊ सब कुछ अपना हाथ में सौंप दिहलन आ जेल के पहरेदारन के प्रमुखन के पता ना रहे कि उनकरा साथे कुछुओ बा,

काहे कि यूसुफ सब कुछ करत रहले आ प्रभु एकरा के सिद्ध कर दिहलन।
14 उ दू साल तक उहाँ रहले। ओह घरी मिस्र के राजा फिरौन अपना दू गो नपुंसक, खबास आ मुख्य बेकर पर नाराज हो गइलन आ ऊ ओह लोग के मुख्य रसोइया के घर में रख दिहलन जहाँ यूसुफ के राखल गइल रहे.
15 जेल के पहरेदारन के प्रमुख यूसुफ के ओह लोग के सेवा करे खातिर नियुक्त कइले। आ ऊ ओह लोग के सामने सेवा कइलन.
16 उ दुनु जाना एगो सपना देखले, जवन कि मुख्य खबास अवुरी मुख्य बेकर रहले अवुरी उ लोग यूसुफ के सुनवले।
17 जइसे-जइसे ऊ ओह लोग के व्याख्या कइलन, ओइसहीं ओह लोग पर भइल, आ फिरौन मुख्य खबास आ (मुख्य) बेकर के अपना पद पर वापस कर दिहलन, जइसन कि यूसुफ ओह लोग के व्याख्या कइले रहले।
18 लेकिन मुख्य खबास जेल में यूसुफ के भुला गईल, हालांकि उ यूसुफ के बता देले रहले कि यूसुफ ओकरा के कईसे बतवले रहले, काहेकि उ भूला गईल रहले।

अध्याय 40 के बा

1 आ ओह दिन में फिरौन एक रात में दू गो सपना देखलन कि पूरा देश में होखे वाला अकाल के बारे में ऊ अपना नींद से जाग के मिस्र में सपना के सब व्याख्याकार आ जादूगरन के बोलवले आ आपन दू गो सपना बतवले आ ऊ लोग (ओह सपना के) ना बता पवलस।
2 तब मुख्य खबास यूसुफ के याद कइलस आ राजा से उनकर बात कइलस आ ऊ ओकरा के जेल से बाहर ले अइले आ ऊ आपन दू गो सपना अपना सामने रखले।
3 ऊ फिरौन के सामने कहले कि उनकर दू गो सपना एके ह, आ ऊ उनका से कहले, 'सात साल आवे वाला बा (जवना में पूरा मिस्र देश में भरपूरी होई, आ सात साल के अकाल के बाद, अइसन अकाल जवन पूरा देश में नइखे भइल।
4 अब फिरौन पूरा मिस्र देश में पर्यवेक्षक नियुक्त करस, आ उ लोग के भरमार के सालन में हर शहर में खाना के भंडार करस, आ सात साल के अकाल तक भोजन होई, आ अकाल से देश नाश ना होई, काहे कि अकाल बहुत भयंकर हो जाई।'
5 तब प्रभु फिरौन के नजर में यूसुफ के अनुग्रह आ दया कइलन आ फिरौन अपना सेवकन से कहलन। हमनी के ए आदमी निहन बुद्धिमान अवुरी समझदार आदमी ना मिली, काहेंकी प्रभु के आत्मा उनुका संगे बा।'
6 ऊ ओकरा के अपना पूरा राज्य में दूसरा के नियुक्ति कइलन आ पूरा मिस्र पर अधिकार दिहलन आ फिरौन के दूसरा रथ पर सवार कर दिहलन।
7 आ ऊ ओकरा के बाइसस कपड़ा पहिन दिहलन आ ओकरा गला में सोना के जंजीर लगा दिहलन आ (एक ठो हेराल्ड) ओकरा सोझा घोषणा कइलन कि ' 'एल 'एल वा 'अबीरेर,' आ ओकरा हाथ पर अंगूठी लगा के ओकरा के अपना पूरा घर के शासक बना दिहलन आ ओकरा के बड़ाई कइलन आ ओकरा से कहलन. 'हम तहरा से बड़ होखब खाली सिंहासन पर।'
8 यूसुफ पूरा मिस्र देश पर राज कइलन, फिरौन के सभ राजकुमार, उनकर सब नौकर आ राजा के काम करे वाला सभे उनकरा से प्यार करत रहले, काहे कि उ सीधा-सीधा चलत रहले, काहे कि उ बिना घमंड अवुरी अहंकार के रहले, अवुरी उ लोग के कवनो आदर ना करत रहले अवुरी वरदान ना लेत रहले, लेकिन उ देश के सभ लोग के सीधा-सीधा न्याय करत रहले।
9 यूसुफ के वजह से मिस्र के देश फिरौन के सामने शांति से रहे, काहे कि प्रभु उनकरा साथे रहले, आ उनकरा के जाने वाला आ उनकर बारे में सुनल लोग के सामने उनकर सब पीढ़ी खातिर अनुग्रह आ दया देले रहले, आ फिरौन के राज्य ठीक से व्यवस्थित रहे, आ ना त शैतान आ कवनो दुष्ट आदमी (ओह में) ना रहे।
10 राजा यूसुफ के नाम सेफन्टीफन रखलन आ हेलियोपोलिस के याजक के बेटी पोटिफर के बेटी यूसुफ के बियाह कर दिहलन।
11 जवना दिन यूसुफ फिरौन के सामने खड़ा रहले, उ तीस साल के रहले [जब उ फिरौन के सोझा खड़ा रहले।
12 ओही साल इसहाक के मौत हो गइल। आ जइसे यूसुफ अपना दू गो सपना के व्याख्या में कहले रहले, जइसन कि ऊ कहले रहले, पूरा मिस्र देश पर सात साल के भरमार रहे आ मिस्र के देश में भरपूर पैदावार भइल, एक नाप (उत्पादन) अठारह सौ नाप।
13 यूसुफ हर शहर में खाना बटोरत रहले जब तक कि उ लोग अनाज से भर ना गईल, जब तक कि उ लोग ओकरा के भीड़ के हिसाब से नाप ना पवले।

अध्याय 41 के बा

1 पैंतालीसवाँ जयंती पर दूसरा हफ्ता, (आ) दूसरा साल में, [2165 AM] यहूदा अपना पहिला बेटा एर के खातिर ले लिहले, जे अराम के बेटी लोग में से एगो मेहरारू रहली, जेकर नाम तामार रहे।
2 लेकिन उ ओकरा से नफरत करत रहले अवुरी ओकरा संगे ना लेटत रहले, काहेंकी उनुकर महतारी कनान के बेटी में से रहली अवुरी उनुका के अपना महतारी के रिश्तेदार से पत्नी लेवे के चाहत रहले, लेकिन उनुकर पिता यहूदा उनुका के अनुमति ना देत रहले।
3 यहूदा के पहिला बच्चा एर दुष्ट रहे आ प्रभु ओकरा के मार दिहलस।
4 यहूदा ओकर भाई ओनान से कहलस कि, 'अपना भाई के पत्नी के पास जाके ओकरा खातिर पति के भाई के कर्तव्य निभावऽ आ अपना भाई के संतान पैदा करऽ।'
5 ओनान जान गईले कि उ बीज ओकर ना होई, (लेकिन) सिर्फ ओकर भाई के होई, अवुरी उ अपना भाई के पत्नी के घर में जाके बीज के जमीन प उझड़ देलस, अवुरी उ प्रभु के नजर में दुष्ट रहले अवुरी उ ओकरा के मार देले।
6 यहूदा आपन पतोह तामार से कहलस कि जब तक हमार बेटा शेला बड़ ना हो जाई, तब तक तोहरा पिता के घर में विधवा बन के रहब।
7 ऊ बड़ हो गइलन। लेकिन यहूदा के पत्नी बेदसुएल अपना बेटा शेला के बियाह ना करे के अनुमति ना दिहली। यहूदा के मेहरारू बेदसुएल के मौत [2168 AM] एह हफ्ता के पांचवा साल में हो गईल।
8 छठवाँ साल में यहूदा तिमना में आपन भेड़ काट के चल गइलन। [2169 AM] आ उ लोग तामार से कहलस कि, 'देख, तोहार ससुर आपन भेड़ काट के तिमना जात बाड़े।'

9 उ आपन विधवा के कपड़ा उतार के घूंघट पहिन के सज-धज के तिमना के रास्ता से सटल फाटक में बईठ गईली।
10 जब यहूदा जात रहले त उ ओकरा के मिल गईले अवुरी उनुका के वेश्या समझले अवुरी कहले कि, 'हमरा के तोहरा लगे आवे दीं'। आ ऊ ओकरा से कहली कि भीतर आ जा,' आ ऊ भीतर चल गइल.
11 उ ओकरा से कहली, 'हमरा के हमार किराया दे द'। आ ऊ ओकरा से कहले, 'हमरा हाथ में कुछुओ नइखे, सिवाय हमार अंगूठी जवन हमरा अँगुरी पर बा, आ हमार हार आ हमार डंडा जवन हमरा हाथ में बा।'
12 ऊ ओकरा से कहली कि जबले तू हमरा के किराया ना भेजब तबले हमरा के दे दीं' आ ऊ ओकरा से कहली कि हम तोहरा लगे बकरी के बकरी भेजब'; ऊ ओकरा के दे दिहलन आ ऊ ओकरा लगे चल गइलन आ ऊ ओकरा से गर्भवती हो गइली.
13 यहूदा अपना भेड़ के लगे गईल अवुरी उ अपना पिता के घरे चल गईल।
14 यहूदा अपना चरवाहा अदुलामी के हाथ से बकरी के बकरी भेजलस, लेकिन उ बकरी के ना मिलल। उ ओह जगह के लोग से पूछले कि, 'इहाँ जवन वेश्या रहे उ कहाँ बा?' उ लोग ओकरा से कहलस कि; 'हमनी के साथे इहाँ कवनो वेश्या नइखे।'
15 ऊ लवट के ओकरा के सूचित कइलन आ कहलन कि ऊ ओकरा के नइखे मिलल, हम ओह जगह के लोग से पूछनी त ऊ लोग हमरा से कहल कि, "इहाँ कवनो वेश्या नइखे." ' 1999 में भइल रहे।
16 उ कहले कि, 'उ (ओकनी के) रखे, कहीं हमनी के मजाक के कारण मत बन जाईं।' तीन महीना पूरा भइला पर पता चलल कि ऊ गर्भवती बाड़ी आ ऊ लोग यहूदा से कहलन कि देखऽ, तोहार पतोह तामार वेश्यावृत्ति से गर्भवती बाड़ी।
17 यहूदा अपना पिता के घरे जाके अपना बाप आ भाई लोग से कहलस कि, 'उनका के बाहर ले आवऽ आ ओकरा के जरा दीं, काहेकि ऊ इस्राएल में अशुद्धि कइले बिया।'
18 जब उ लोग ओकरा के जरा के ले अइले त उ अपना ससुर के लगे अंगूठी, हार अवुरी लाठी भेजली कि, 'पता लीं कि इ केकर हवे, काहेंकी हम उनुका से गर्भवती बानी।'
19 यहूदा मान लिहले आ कहलन कि तामार हमरा से अधिका धर्मी हउवें.
20 आ एह से उ लोग ओकरा के ना जरावे' आ एही से ओकरा के शेला के ना दिहल गईल, अवुरी उ फेर से ओकरा लगे ना गईले।
21 ओकरा बाद एह दूसरा हफ्ता के सातवाँ साल में पेरेज [2170 AM] आ जेराह के दू गो बेटा भइल।
22 ओकरा बाद सात साल के फल पूरा हो गईल, जवना के बारे में यूसुफ फिरौन से कहले रहले।
23 यहूदा मान लिहले कि ऊ जवन काम कइले बाड़न ऊ बुरा ह, काहे कि ऊ अपना पतोह का साथे पड़ल रहलन आ ओकरा के अपना नजर में घृणित मानत रहलन आ मान लिहलन कि ऊ उल्लंघन कइले बाड़न आ भटक गइल बाड़न, काहे कि ऊ अपना बेटा के स्किन खोल दिहले बाड़न आ अपना अपराध का चलते ऊ प्रभु के सोझा विलाप करे लगले आ निहोरा करे लगले.
24 हम सपना में ओकरा के बतवनी कि ओकरा के माफ कर दिहल गइल काहे कि ऊ पूरा तरह से निहोरा कइलन आ विलाप कइलन आ फेर से ई काम ना कइलन.
25 ऊ माफी पा लिहलन काहे कि ऊ अपना पाप आ अज्ञानता से मुड़ गइलन काहे कि ऊ हमनी के भगवान के सामने बहुते उल्लंघन कइलन. आ जे अइसन काम करेला, जे अपना सास के साथे लेट जाला, ओकरा के आग से जरा देव कि ओकरा में जरे, काहे कि ओकरा पर अशुद्धि आ प्रदूषण बा, आग से ओकरा के जरा देव.
26 तू इस्राएल के लोग के आज्ञा दीं कि ओह लोग के बीच कवनो अशुद्धि ना होखे, काहे कि जे केहू अपना पतोह भा सास के साथे लेटत बा ऊ अशुद्धि कइले बा। उ लोग ओकरा संगे सुतल आदमी के आग से जरा देवे अवुरी ओसही महिला के भी जरा देवे, त उ इस्राएल से क्रोध अवुरी सजा के दूर क दिहे।
27 हम यहूदा से कहनी कि उनकर दुनु बेटा उनकरा साथे ना सुतल रहले आ एही से उनकर संतान दूसरा पीढ़ी खातिर स्थिर हो गइल बा आ जड़ से उखाड़ल ना चाहत रहले।
28 काहेकि उ एक आँख से जाके सजा के मांग कईले रहले, माने कि इब्राहीम के फैसला के मुताबिक जवन उ अपना बेटा के आदेश देले रहले, यहूदा ओकरा के आग से जरा देवे के कोशिश कईले रहले।

अध्याय 42 के बा

1 पैंतालीसवाँ जयंती के तीसरा हफ्ता के पहिला साल में [2171 AM] देश में अकाल आवे लागल आ बरखा धरती के देवे से मना कर दिहलस, काहे कि कवनो भी चीज ना भइल।
2 धरती बंजर हो गइल, लेकिन मिस्र के देश में भोजन रहे, काहे कि यूसुफ सात साल के भरपाई में देश के बीज बटोरले रहले अवुरी ओकरा के बचा लेले रहले।
3 मिस्र के लोग यूसुफ के लगे अईले कि उ लोग के खाना देवे, उ भंडार खोलले, जवना में पहिला साल के अनाज रहे अवुरी उ ओकरा के सोना के बदला में देश के लोग के बेच देले।
4 <कनान के देश में अकाल बहुत जादे रहे> आ याकूब सुनले कि मिस्र में खाना बा, त उ अपना दस बेटा के भेजले कि उ लोग मिस्र में उनुका खातिर खाना बनावे। लेकिन बेंजामिन के उ ना भेजले, अवुरी <याकूब के दस बेटा> (उहाँ) जाए वाला लोग के बीच <मिस्र में> पहुंच गईले।
5 यूसुफ ओ लोग के पहचान लिहले, लेकिन उ लोग उनुका के ना पहिचान पवले, त उ ओ लोग से बात कईले अवुरी पूछताछ कईले अवुरी कहले कि; 'का रउवां जासूस ना हईं आ का रउवां देश के नजदीकी के खोज करे ना आइल बानी? 'आ ऊ ओह लोग के वार्ड में डाल दिहले.'
6 एकरा बाद उ ओ लोग के फेर से मुक्त क देले अवुरी शिमोन के अकेले बंद क देले अवुरी अपना नौ भाई के भेज देले।
7 ऊ ओह लोग के बोरा में अनाज भर दिहलन आ ओह लोग के सोना ओह लोग के बोरा में डाल दिहलन बाकिर ऊ लोग के पता ना चलल.
8 ऊ ओह लोग के आपन छोट भाई के ले आवे के आदेश दिहलन काहे कि ऊ लोग ओकरा के बतवले रहे कि उनकर बाप जिंदा बाड़न आ छोट भाई.
9 उ लोग मिस्र के देश से चढ़ के कनान के देश में आ गईले। उ लोग अपना पिता के उ सब बात बतवले जवन कि उ लोग के संगे भईल बा अवुरी कईसे देश के मालिक ओ लोग से कवनो प्रकार

के बात कईले अवुरी जब तक उ लोग बिन्यामीन के ना ले आवस, तब तक शिमोन के पकड़ लेले रहले।
10 याकूब कहले, 'हमरा से तू लोग हमरा लइका-लइकी के वंचित कर देले बाड़S! यूसुफ नइखन आ शिमोन भी नइखे, आ तू लोग बिन्यामीन के ले जाइब। हमरा पर तोहार दुष्टता आ गइल बा।
11 'उ कहलन कि हमार बेटा तोहरा साथे ना उतरी कि कहीं ऊ बेमार ना पड़ जाव। काहे कि ओह लोग के माई दू गो बेटा के जनम दिहली आ एगो नाश हो गइल बा आ ईहो तू हमरा से ले लेबS। अगर शायद सड़क पर बोखार हो जाव त रउरा दुख से हमार बुढ़ापा के मौत के ओर उतार देतीं।'
12 ऊ देखलन कि उनकर पइसा हर आदमी के बोरा में वापस कर दिहल गइल बा आ एही से ऊ उनका के भेजे से डेरा गइलन।
13 कनान देश में आ मिस्र के छोड़ के बाकी सब देशन में अकाल बढ़ल आ बहुते बढ़ गइल, काहे कि मिस्र के बहुत लोग जब यूसुफ के बीज बटोर के भंडार में डालत देखले रहले आ अकाल के सालन खातिर ओकरा के संरक्षित करत देखले रहले.
14 मिस्र के लोग अपना अकाल के पहिला साल में ओकरा से आपन पेट भरत रहे।
15 लेकिन जब इस्राएल देखलस कि देश में अकाल बहुत जादे बा अवुरी कवनो मुक्ति नईखे, त उ अपना बेटा से कहलस कि, 'फिर से जाके हमनी खाती खाना बनाव, ताकि हमनी के ना मरी जा।'
16 उ लोग कहल कि हम ना जाईब। जबले हमनी के छोट भाई हमनी के संगे ना जाई, हमनी के ना जाईब जा।'
17 इस्राएल देखलस कि अगर उ ओकरा के अपना संगे ना भेजले त उ सब अकाल के चलते नाश हो जईहे
18 रूबेन कहले कि, 'उनुका के हमरा हाथ में दे द, अवुरी जदी हम ओकरा के अपना लगे ना ले आईब त ओकरा जान के जगह हमरा दुनो बेटा के हत्या क दिही।'
19 उ ओकरा से कहले, 'उ तोहरा संगे ना जईहे।' यहूदा नजदीक आके कहलस कि, 'ओकरा के हमरा संगे भेज द, अवुरी जदी हम ओकरा के अपना लगे ना ले आईब त हम अपना जीवन भर आपके सोझा दोष उठावे के चाही।'
20 आ एह हफ्ता के दूसरा साल में महीना के पहिला दिन [2172 Am] ओकरा के अपना साथे भेजले, आ ऊ लोग जे भी गइल रहे, ओकरा साथे मिस्र के देश में आ गइल आ (ओकनी के हाथ में) उपहार, स्टेक्टे आ बादाम आ टेरेबिंथ नट्स आ शुद्ध शहद रहे।
21 उ लोग जाके यूसुफ के सामने खड़ा हो गईले, त उ अपना भाई बिन्यामीन के देखले अवुरी उनुका के जान गईले अवुरी उनुका से कहले कि, का इ आपके छोट भाई ह?' उ लोग ओकरा से कहलस कि उहे ह। आ कहलन कि प्रभु तोहरा पर कृपा करस, बेटा!'
22 ऊ ओकरा के अपना घर में भेज दिहलन आ ऊ शिमोन के ओह लोग का लगे ले अइलन आ ऊ लोग के भोज बनवले आ ऊ लोग ओकरा के ऊ उपहार भेंट कइल जवन ऊ लोग अपना हाथ में ले आइल रहे.
23 उ लोग उनकरा से पहिले खाना खात रहले अवुरी उ सभके हिस्सा देले, लेकिन बिन्यामीन के हिस्सा ओ लोग के कवनो हिस्सा से सात गुना बड़ रहे।
24 उ लोग खा-पी के उठ के अपना गदहा के संगे रह गईले।
25 यूसुफ एगो योजना बनवले जवना से ऊ ओह लोग के विचार जान सके कि ओह लोग में शांति के विचार हावी बा कि ना, आ ऊ अपना घर के देखरेख करे वाला भंडारी से कहलन कि, 'ओकनी के सब बोरा में खाना भर के ओह लोग के पइसा ओह लोग के बर्तन में वापस कर दीं आ हमार प्याला, चांदी के प्याला जवना से हम पीयत बानी, ओकरा के छोटका के बोरा में डाल के भेज दीं.

अध्याय 43 के बा

1 ऊ यूसुफ के कहला के मुताबिक काम कइलन आ ओह लोग खातिर ओह लोग के सब बोरा में खाना भर दिहलन आ ओह लोग के पइसा बोरा में डाल दिहलन आ प्याला बिन्यामीन के बोरा में डाल दिहलन.
2 आ सबेरे-सबेरे ऊ लोग चल गइल आ अइसन भइल कि जब ऊ लोग ओहिजा से चल गइल त यूसुफ अपना घर के भंडारी से कहलन: 'ओकनी के पीछा करS, भाग के ओह लोग के पकड़ लीं आ कहत कि, "भलाई खातिर तू हमरा के बुराई के बदला देले बाड़; तू हमरा से चांदी के ऊ प्याला चोरा लेले बाड़, जवना से हमार मालिक पीयेले।" आ ओह लोग के छोट भाई के हमरा लगे वापस ले आवS आ हमरा अपना न्याय के आसन पर जाए से पहिले जल्दी से (उनुका) ले आवS.'
3 ऊ ओह लोग के पीछे-पीछे भागल आ एह बात के अनुसार उनकरा से कहलन।
4 उ लोग ओकरा से कहलस, 'भगवान तोहार नौकर इ काम ना करस, आ तोहार मालिक के घर से कवनो बर्तन चोरा लेव, आ उ पईसा भी जवन हमनी के पहिला बेर बोरा में मिलल रहे, हमनी के तोहार नौकर कनान देश से वापस ले आईल रहनी जा।'
5 तब हमनी के कवनो बर्तन कइसे चोरी करे के चाहीं? देखS इहाँ हमनी के आ हमनी के बोरा खोजत बानी जा आ हमनी में से केहू के बोरा में जहाँ-जहाँ प्याला मिल जाई, ओकरा के मार दिहल जाव आ हमनी के आ हमनी के गदहा तोहरा मालिक के सेवा करब जा।'
6 ऊ ओह लोग से कहले, 'अइसन ना, जेकरा साथे हम मिलब, ओकरा के हम खाली नौकर बना लेब, आ रउआ लोग शांति से अपना घरे लवटब।'
7 जब ऊ ओह लोग के बर्तन में खोजत रहले, जवन कि बड़का से शुरू होके छोटका से खतम होत रहे, त उ बिन्यामीन के बोरा में मिलल।
8 ऊ लोग आपन कपड़ा फाड़ के गदहा के बोझ डाल के शहर में लवट के यूसुफ के घरे आ गइलन आ सभे यूसुफ के सामने जमीन पर मुड़ के झुक गइलन।
9 यूसुफ ओह लोग से कहलन, 'तू लोग बुराई कइले बाड़S।' आ ऊ लोग कहल कि हमनी का का कहब जा आ कइसे आपन बचाव करब जा? हमनी के मालिक अपना नौकरन के उल्लंघन के पता लगा लेले बाड़े। देख हम अपना मालिक के सेवक हईं आ गदहा भी।
10 'त यूसुफ उनकरा से कहले, 'हम भी प्रभु से डेरात बानी। रहल बात तोहनी के त अपना घरे जाके आपन भाई के हमार नौकर बने दीं, काहेकि तू लोग बुराई कइले बाड़S। का तू नइख जानत कि आदमी अपना प्याला में ओइसहीं रमता जइसे हम एह प्याला से खुश बानी? आ तबो तू हमरा से चोरा लेले बाड़ू।'

11 यहूदा कहलस, 'हे मालिक, तोहार सेवक के हमरा मालिक के कान में एक बात कहे के चाहीं कि तोहार सेवक के महतारी हमनी के बाप से दू भाई के जन्म दिहलस: एगो चल गइल आ ऊ भटक गइल आ ऊ ना मिलल, आ ऊ अकेले अपना महतारी से बचल बा, आ तोहार सेवक हमनी के बाप ओकरा से प्यार करेला, आ ओकर जान भी एह जीवन से बान्हल बा।' (लड़का) के बा।
12 जब हमनी के तोहार सेवक हमनी के बाप के लगे जाईं जा आ लइका हमनी के साथे ना होई त ऊ मर जाई आ हमनी के अपना बाप के दुख से मर के गिरा देब जा।
13 अब तोहार नौकर हमरा के अपना मालिक के दास बन के ओह लइका के जगह पर रहे दीं आ ओह लइका के अपना भाई लोग के साथे जाए दीं, काहे कि हम तोहार नौकर हमनी के बाप के हाथ से ओकरा खातिर जमानत बन गइल बानी आ अगर हम ओकरा के वापस ना ले आईब त तोहार नौकर हमेशा खातिर हमनी के बाप के दोष सुनाई।'
14 यूसुफ देखलन कि उ सब लोग एक दूसरा के भलाई में मेल खात बा, आ उ अपना के ना रोक पवले अवुरी उ ओ लोग के बतवले कि उ यूसुफ हवे।
15 ऊ ओह लोग से इब्रानी भाषा में बात कइलन आ ओह लोग के गरदन पर गिर के रोवत रहले.
16 लेकिन उ लोग ओकरा के ना जानत रहले अवुरी उ लोग रोवे लगले। ऊ ओह लोग से कहलन कि हमरा खातिर मत रोईं, बलुक जल्दी से हमरा बाप के हमरा लगे ले आवऽ. आ तू लोग देखत बाड़ऽ कि हमार मुँह बोलत बा आ हमार भाई बिन्यामीन के आँख देखत बाड़ऽ।
17 काहे कि देखऽ ई अकाल के दूसरा साल ह आ अबहीं पांच साल बा जवना में फसल ना मिलल बा, ना पेड़ के फल आ जोत नइखे भइल।
18 जल्दी से नीचे आ जा, ताकि तू लोग अकाल में नाश मत होखब आ अपना संपत्ति के चलते दुखी मत होखब, काहेकि प्रभु हमरा के तोहनी से पहिले भेजले बाड़े कि हम बहुत लोग के जिंदा रह सके।
19 आ हमरा बाबूजी के बताईं कि हम अभी जिंदा बानी, आ तू देखऽ कि प्रभु हमरा के फिरौन के बाप बना दिहले बाड़न आ अपना घर आ पूरा मिस्र के मालिक बनवले बाड़न।
20 हमरा पिता के हमार पूरा महिमा आऊ सब धन आ महिमा के बारे में बताईं जवन प्रभु हमरा के देले बाड़े।'
21 फिरौन के मुह के आज्ञा से उ ओह लोग के रथ आ रास्ता खातिर खाना दे दिहलन आ सभका के कई रंग के कपड़ा आ चांदी दे दिहलन।
22 उ लोग के बाप के कपड़ा आ चांदी आ दस गो गदहा भेज दिहलन जवन कि अनाज लेके चलत रहे आ ऊ ओह लोग के भेज दिहलन।
23 उ लोग जाके अपना बाप के बतवले कि यूसुफ जिंदा बाड़े अवुरी धरती के सभ जाति के खाई नापतारे अवुरी उ पूरा मिस्र के राजकीय बाड़े।
24 उनकर बाप ई बात पर विश्वास ना कइलन, काहे कि ऊ अपना मन में बौखला गइल रहले। बाकिर जब ऊ यूसुफ के भेजल गाड़ियन के देखलन त उनकर आत्मा के जान फेर से जिंदा हो गइल आ ऊ कहलन कि अगर यूसुफ जिंदा बाड़न त हमरा खातिर काफी बा; हम मरला से पहिले नीचे जाके ओकरा के देख लेब।'

अध्याय 44 के बा

1 इस्राएल तीसरा महीना के अमावस्या के दिन अपना घर से हारान से निकलल आ शपथ के कुआँ के रास्ता पर चल गइल आ एह महीना के सात तारीख के ऊ अपना पिता इसहाक के भगवान के बलि चढ़वलस।
2 याकूब के उ सपना याद आ गईल जवन उ बेथेल में देखले रहले अवुरी उ मिस्र जाए से डेरा गईले।
3 जब उ यूसुफ के लगे आवे के बात भेजे के सोचत रहले कि उ नीचे ना जाए के चाहत रहले, त उ सात दिन तक उहाँ रहले, जदी शायद उनुका कवनो दर्शन देखाई देवे कि उ रहे के चाही कि नीचे जाए के चाही।
4 ऊ पहिला फल के फसल के परब पुरान अनाज से मनावत रहले, काहे कि पूरा कनान देश में मुट्ठी भर बीज ना रहे, काहे कि सब जानवर आ मवेशी आ चिरई आ आदमी पर भी अकाल पड़ल रहे।
5 सोलहवाँ दिन परमेस् वर ओकरा से प्रगट होके कहलन, 'याकूब, याकूब'। आ ऊ कहले, 'हम इहाँ बानी।' आ ऊ ओकरा से कहलन कि हम तोहार पुरखन के भगवान हईं, अब्राहम आ इसहाक के भगवान हईं; मिस्र में उतरे से मत डेराईं, काहे कि हम उहाँ तोहरा के एगो बड़हन राष्ट्र बना देब हम तोहरा साथे उतरब, आ तोहरा के (फिर से) ऊपर ले अइब, आ एही देश में तोहरा के दफना दिहल जाई, आ यूसुफ तोहरा आँख पर हाथ डाल दीहें।
6 मत डेराईं; मिस्र में उतर जा।'
7 उनकर बेटा आ उनकर बेटा लोग उठ के आपन बाप आ आपन संपत्ति गाड़ी पर बइठा दिहल।
8 इस्राएल एह तीसरा महीना के सोलहवाँ दिन किरिया के कुआँ से उठ के मिस्र के देश में चल गइल।
9 इस्राएल यहूदा के अपना बेटा यूसुफ के लगे गोशेन देश के जाँच करे खातिर अपना से पहिले भेजलस, काहे कि यूसुफ अपना भाई लोग से कहले रहले कि उ लोग ओकरा लगे आके ओहिजा रहस।
10 इ मिस्र के देश में सबसे बढ़िया (जमीन) रहे, आ ओकरा नजदीक, सब (ओकनी के) खातिर आ मवेशी खातिर भी।
11 याकूब के बेटा लोग के नाम इहे ह जवन कि अपना पिता याकूब के संगे मिस्र गईल रहले।
12 इस्राएल के पहिला बच्चा रूबेन; इहे उनकर बेटा हनोक, पल्लू, हेस्रोन आ कार्मी-पांच के नाम ह।
13 शिमोन आ उनकर बेटा लोग; उनकर बेटा लोग के नाम इहे ह: यमुएल, यामीन, ओहद, याकीन, सोहर, आ सफाती औरत के बेटा शाउल-सात।
14 लेवी आ उनकर बेटा लोग; उनकर बेटा लोग के नाम इहे ह: गेरशोन, कोहत आ मेरारी-चार।
15 यहूदा आ ओकर बेटा लोग; उनकर बेटा के नाम इहे ह: शेला, पेरेज आ जेरा-चार।
16 इसाकर आ उनकर बेटा लोग; उनकर बेटा के नाम इहे ह: तोला, फुआ, यासुब आ शिमरोन-पाँच।
17 जबबूलोन आ ओकर बेटा लोग; उनकर बेटा के नाम इहे ह: सेरेद, एलोन आ यहलेल-चार।

18 ई याकूब के बेटा आ उनकर बेटा, जेकरा के लीआ मेसोपोटामिया में याकूब से जनमवली, छह गो आ उनकर एक बहिन दीना आ लीआ के बेटा लोग के सब प्राणी आ उनकर बेटा जे उनकर बाप याकूब के साथे मिस्र गइल रहले, उनइस साल के रहले आ उनकर बाप याकूब उनकरा साथे रहला के बाद उनतीस साल के रहले।
19 याकूब के मेहरारू लीआ के दासी जिल्पा के बेटा जे याकूब के गाद आ अशूर के जनम दिहली।
20 इहे उनकर बेटा के नाम ह जवन उनका साथे मिस्र गईल रहले। गाद के बेटा सिफियोन, हग्गी, शुनी, एजबोन, <आ एरी>, आरेली आ आरोदी-आठ रहलन।
21 आशेर के बेटा इमना, इश्वा, <आ इशवी>, बेरिया आ सेरा, उनकर एक बहिन-छह।
22 सब लोग चौदह गो आ लीआ के सब लोग चौवालीस गो रहलन।
23 याकूब के मेहरारू राहेल के बेटा यूसुफ आ बिन्यामीन रहलन।
24 यूसुफ के पिता के मिस्र में अइला से पहिले मिस्र में यूसुफ के जनम भइल रहे, जेकरा के हेलियोपोलिस के पोतीफर याजक के बेटी असनाथ के जनम भइल रहे, मनश्शे आ एफ्राइम-तीन।
25 बिन्यामीन के बेटा बेला, बेकर, अशबेल, गेरा, नामान, एही, रोश, मुप्पीम, हुप्पीम आ अर्द-एगारह।
26 राहेल के सब लोग चौदह गो रहे।
27 याकूब के मेहरारू राहेल के दासी बिलहा के बेटा दान आ नप्ताली रहलन।
28 इहे उ लोग के बेटा के नाम ह जवन कि उ लोग के संगे मिस्र गईल रहले। दान के बेटा हुशिम, सामोन आ असुदी रहलन। आ 'इजाका, आ सलोमन-छह।'
29 जवना साल उ लोग मिस्र में घुसल रहले, उहे साल उ लोग मर गईले अवुरी उहाँ अकेले दान हुशिम रह गईले।
30 नफ्ताली याहजीएल, गुनी, जेजर, शल्लुम आ 'इव.
31 अकाल के बरिसन के बाद पैदा भइल इव मिस्र में मर गइलन।
32 राहेल के सब लोग छब्बीस रहे।
33 याकूब के जे मिस्र में गइलन, सत्तर आदमी रहलन। ई उनकर लइका आ उनकर संतान के संतान हवें, सब सत्तर गो, लेकिन पांच गो यूसुफ से पहिले मिस्र में मर गइल रहले, आ उनकर कवनो संतान ना रहे।
34 कनान देश में यहूदा के दू गो बेटा एर आ ओनान मर गइलन आ ओह लोग के कवनो संतान ना भइल आ इस्राएल के लोग नाश भइल लोग के दफना दिहल आ ऊ लोग सत्तर गैर-यहूदी राष्ट्रन में गिनल गइल.

अध्याय 45 के बा

1 इजराइल चउथा दिन अमावस्या के दिन मिस्र के देश गोशेन में चल गइल। महीना, पैंतालीसवीं जयंती के तीसरा हफ्ता के दूसरा साल में।
2 यूसुफ अपना बाप याकूब से मिले गोशेन देश में चल गइलन आ ऊ अपना पिता के गर्दन पर गिर के रोवत रहले।
3 इस्राएल यूसुफ से कहलस कि अब जबसे हम तोहरा के देखले बानी तबसे हम मर जाइब, आ अब इस्राएल के प्रभु परमेश्वर के आशीष मिले, इब्राहीम के परमेश्वर आ इसहाक के परमेश्वर, जे अपना सेवक याकूब से आपन दया आ कृपा ना रोकले।
4 हमरा खातिर ई काफी बा कि हम जिंदा रहते तोहार चेहरा देखले बानी। हँ, ऊ दर्शन साँच ह जवन हम बेथेल में देखले रहनी। हमार भगवान प्रभु के युग-युग तक धन्यवाद होखे, अवुरी उनुकर नाम के आशीर्वाद होखे।'
5 यूसुफ आ उनकर भाई लोग अपना बाप के सामने रोटी खात शराब पीयत रहले आ याकूब बहुते खुशी से खुश हो गइलन काहे कि ऊ यूसुफ के अपना भाई लोग के साथे खाना खात आ अपना सोझा पीयत देखलन आ ऊ सब कुछ के रचयिता के आशीष दिहलन जे उनका के बचा के रखले रहले आ उनकर बारह गो बेटा के संजो के रखले रहले.
6 यूसुफ अपना पिता आ अपना भाई लोग के गोशेन देश आ रामसेस आ आसपास के पूरा इलाका में रहे के अधिकार देले रहले, जवना पर उ फिरौन के सामने राज करत रहले। इस्राएल आ ओकर बेटा गोशेन देश में रहत रहले, मिस्र आ इस्राएल के सबसे बढ़िया हिस्सा जब ऊ मिस्र में अइले त एक सौ तीस साल के रहले।
7 यूसुफ अपना पिता आ भाई लोग के आ ओह लोग के संपत्ति के भी ओतना रोटी से पोसले जेतना कि सात साल के अकाल के दौरान उ लोग के पर्याप्त रहे।
8 अकाल के चलते मिस्र के देश के कष्ट हो गईल अवुरी यूसुफ खाना के बदला में फिरौन के पूरा मिस्र के जमीन हासिल क लेले अवुरी फिरौन खाती लोग अवुरी ओ लोग के मवेशी अवुरी सब कुछ के अपना कब्जा में ले लेले।
9 अकाल के साल पूरा हो गइल आ यूसुफ ओह देश के लोग के बीज आ खाना दे दिहलन कि ऊ लोग आठवाँ साल में बोवे के काम कर सके, काहे कि नदी पूरा मिस्र देश में उफन गइल रहे।
10 काहे कि अकाल के सात साल में उ पानी भर गईल रहे अवुरी नदी के किनारे कुछ जगह प सिंचाई कईले रहे, लेकिन अब उ पानी में उफन गईल रहे अवुरी मिस्र के लोग जमीन के बोवा देले रहले अवुरी ओ साल बहुत खाई पैदा भईल रहे।
11 पैंतालीसवाँ जयंती के चउथा हफ्ता के पहिला साल रहे।
12 यूसुफ फसल के फसल के पांचवा हिस्सा राजा खातिर लेके चार भाग ओकरा खातिर खाना आ बीज खातिर छोड़ दिहलन आ यूसुफ आज तक मिस्र देश खातिर एकरा के नियम बनवले।
13 इस्राएल मिस्र के देश में सतरह साल तक रहले, आ जवन दिन उ जियले उ सब दिन तीन जुबली, एक सौ सतालीस साल रहे, आ पैंतालीसवीं जुबली के पांचवा हफ्ता के चउथा साल [2188 AM] में उनुकर मौत हो गईल।
14 इस्राएल उनकर मरला से पहिले उनकर बेटा लोग के आशीष दिहलस आ मिस्र के देश में उनकरा पर होखे वाला सब बात बतवलस। आऊ ओह लोग के बता दिहलन कि आखिरी समय में ओह लोग पर का होखे वाला बा आ आशीष दिहलन आ यूसुफ के ओह देश में दू गो हिस्सा दिहलन.
15 ऊ अपना बाप-दादा के साथे सुत गइलन आ कनान देश के दुगुना गुफा में दफन हो गइलन, जवन उनकर बाप अब्राहम के लगे उ कब्र में रहे जवन ऊ हेब्रोन के दुगुना गुफा में खुद खातिर खोदले रहले।
16 ऊ आपन सब किताब आ अपना बाप-दादा के किताब अपना बेटा लेवी के दे दिहलन कि ऊ ओह किताबन के संरक्षित कर सके आ आजु ले अपना लइकन खातिर नवीकरण कर सके.

अध्याय 46 के बा

1 आ अइसन भइल कि याकूब के मरला के बाद इस्राएल के संतान मिस्र के देस में बढ़ल, आ ऊ लोग एगो बड़हन राष्ट्र बन गइल, आ ऊ लोग एक मन में रहे, एह से ऊ भाई भाई से प्यार कइल आ हर आदमी अपना भाई के मदद कइल, आ ऊ लोग भरपूर बढ़ल आ बेहद बढ़ल, दस [2242 AM] हफ्ता के साल, यूसुफ के जीवन के पूरा दिन।
2 यूसुफ के अपना पिता याकूब के बाद जिनिगी के पूरा दिन शैतान ना कवनो बुराई रहे, काहे कि यूसुफ के जीवन के पूरा मिस्र के लोग इस्राएल के लोग के आदर करत रहले।
3 यूसुफ एक सौ दस साल के उमिर में मर गइलन। सतरह साल कनान देश में रहलन आ दस साल तक नौकर रहलन आ तीन साल जेल में रहलन आ अस्सी साल राजा के अधीन रहलन आ पूरा मिस्र देश पर राज कइलन।
4 उ आउर उनकर सब भाई आऊ सब पीढ़ी मर गईले|
5 उ मरला से पहिले इस्राएल के लोग के आदेश देले कि जब उ लोग मिस्र से निकले त उनुकर हड्डी अपना संगे लेके चले।
6 ऊ ओह लोग के अपना हड्डी के बारे में किरिया खइले, काहे कि ऊ जानत रहले कि मिस्र के लोग ओकरा के फेर से कनान देश में ना ले आके दफनावे वाला बा, काहे कि कनान के राजा मकामरोन अश्शूर के देश में रहत घरी मिस्र के राजा से घाटी में लड़ के उहाँ ओकरा के मार दिहलस आ मिस्र के लोग के पीछा कनान के फाटक तक ले गइल।
7 बाकिर ऊ घुस ना पवले काहे कि एगो अउरी नया राजा मिस्र के राजा बन गइल रहले आ ऊ ओकरा से मजबूत रहले आ कनान देश में लवट अइले आ मिस्र के फाटक बंद हो गइल रहे आ केहू ना निकलल आ केहू मिस्र में ना आइल.
8 छियालीसवाँ जयंती में छठवाँ हफ्ता में दूसरा साल में यूसुफ के मौत हो गइल आ ऊ लोग ओकरा के मिस्र देश में दफना दिहल आ [2242 AM] उनकर सभ भाई लोग उनकरा बाद मर गइल।
9 मिस्र के राजा सतालीसवाँ जुबली [2263 AM] में, दूसरा साल के दूसरा हफ्ता में, कनान के राजा से युद्ध में निकल गईले अवुरी इस्राएल के लोग यूसुफ के हड्डी के छोड़ के याकूब के संतान के सभ हड्डी के पैदा कईले अवुरी उ लोग खेत में पहाड़ के दुगुना गुफा में दफना देले।
10 ओहमें से अधिकतर लोग मिस्र लवट गइल बाकिर कुछ लोग हेब्रोन के पहाड़ में रह गइल आ तोहार बाप अम्राम ओह लोग का साथे रह गइल.
11 कनान के राजा मिस्र के राजा पर जीत हासिल कइलस आ मिस्र के फाटक बंद कर दिहलस।
12 उ इस्राएल के लोग के दुख देवे के एगो बुरा षड्यंत्र रचले अवुरी मिस्र के लोग से कहले कि, 'देख, इस्राएल के लोग हमनी से जादे बढ़ल अवुरी बढ़ गईल बा।'
13 आईं आ हमनी के ओह लोग के साथे बुद्धिमानी से व्यवहार करीं जा, ओकरा से पहिले कि ऊ लोग ढेर हो जाव आ हमनी के ओह लोग के गुलामी के शिकार कर दीं जा, ओकरा से पहिले कि युद्ध हमनी पर होखे आ ओकरा से पहिले कि ऊ लोग भी हमनी के खिलाफ लड़ाई लड़े। ना त उ लोग हमनी के दुश्मन के संगे मिल के हमनी के देश से निकाल दिहे, काहेकी उनुकर दिल अवुरी चेहरा कनान देश के ओर बा।'
14 ऊ ओह लोग के गुलामी के शिकार करे खातिर काम के मालिकन के नियुक्ति कइले। फिरौन, पिथोम आ रामसेस खातिर मजबूत शहर बनवले आ मिस्र के शहरन में गिरल सब देवाल आ किलाबंदी बनवले।
15 ऊ लोग ओह लोग के कड़ाई से सेवा करवले आ जेतना बुराई कइल लोग ओतने बढ़ल आ बढ़त गइल।
16 मिस्र के लोग इस्राएल के लोग के घृणित करत रहे।

अध्याय 47 के बा

1 सातवाँ हफ्ता, सातवाँ साल, सत्तालीसवाँ जयंती में, तोहार पिता कनान देश से निकलले, आ तोहार जनम चउथा हफ्ता, छठवाँ साल में, अड़तालीसवाँ जयंती में भइल। इ इस्राएल के लोग पर कष्ट के समय रहे।
2 मिस्र के राजा फिरौन ओ लोग के बारे में एगो आदेश देले कि उ लोग अपना सभ नर बच्चा के नदी में फेंक देवे।
3 उ लोग सात महीना तक ओ लोग के घर में डाल देले, जब तक कि तू पैदा ना भईल
4 तोहार माई तोहरा के तीन महीना तक छिपा के रखली आ उ लोग ओकरा बारे में बतवली। ऊ तोहरा खातिर एगो जहाज बनवली आ ओकरा के गड़हा आ डामर से ढंक के नदी के किनारे झंडा में रखली आ सात दिन तक तोहरा के ओहमें रखली आ रात में तोहार माई आके तोहरा के दूध पियावत रहली आ दिन में तोहार बहिन मरियम तोहरा के चिरई से बचावत रहली।
5 ओह घरी फिरौन के बेटी थर्मुथ नदी में नहाए अइली त ऊ तोहार आवाज सुनली आ ऊ अपना लइकिन से कहली कि तोहरा के बाहर ले आवऽ आ ऊ लोग तोहरा के अपना लगे ले आइल।
6 ऊ तोहरा के जहाज से निकाल के तोहरा पर दया कइली।
7 तोहार बहिन ओकरा से कहली, 'का हम जाके इब्रानी मेहरारू में से कवनो एक के बोला के तोहरा खातिर एह बच्चा के दूध पियावे आ दूध पियावे?'
8 ऊ कहली <उनका से>: 'जा।' उ जाके तोहार माई योकेबेद के बोला के आपन मजदूरी देके तोहरा के दूध पियावत रहली।
9 ओकरा बाद जब तू बड़ हो गइलऽ त तोहरा के फिरौन के बेटी के लगे ले अइले आ तू ओकर बेटा बन गइलऽ आ तोहार बाप अम्राम तोहरा के लिखे के सिखवले आ तीन हफ्ता पूरा भइला के बाद तोहरा के राजघराना में ले अइले।
10 आ तू तीन हफ्ता के साल दरबार में तब तक रहनी जब तक [2351-] शाही दरबार से निकलनी आ देखनी कि एगो मिस्र के तोहरा दोस्त के मारत रहे जवन [2372 AM] इस्राएल के संतान के रहे, आ तू ओकरा के मार के बालू में छिपा देनी।
11 दूसरा दिन तू आ इस्राएल के दू गो लोग एक साथ झगड़ा कइनी आ गलत काम करे वाला से कहनी कि, 'तू अपना भाई के काहे मारत बाड़?'
12 ऊ खिसिया के आक्रोशित होके कहले, 'तोहरा के हमनी के राजकुमार आ न्यायाधीश के बनवले? का तूँ हमरा के मारे के सोचत बाड़ऽ जइसे काल्हु मिस्र के मारले रहलू?' आ तू एह बातन के चलते डेरा के भाग गइनी।

अध्याय 48 के बा

1 उनचालीसवाँ जयंती के तीसरा हफ्ता के छठवाँ साल में तूँ निकल के मिद्यान के देश में पांच हफ्ता एक साल रह गइलऽ। पचासवाँ जयंती पर दूसरा साल में दूसरा हफ्ता में तू मिस्र में वापस आ गईनी।
2 आ तू खुद जानत बाड़ू कि ऊ तोहरा से [2410 AM] सिनाई पहाड़ पर का कहले रहलन, आ जब तू मिस्र लवटत रहलू <रास्ता में जब तू ओकरा से ठहरला पर मिलल> त राजकुमार मस्टेमा तोहरा से का कइल चाहत रहलू।
3 का ऊ अपना पूरा ताकत से तोहरा के मारे आ मिस्र के लोग के तोहरा हाथ से बचावे के कोशिश ना कइलन जब ऊ देखलस कि तोहरा के मिस्र के लोग पर न्याय आ बदला लेवे खातिर भेजल गइल बा?
4 हम तोहरा के ओकरा हाथ से बचा लेहनी आ तू जवन चमत्कार आ चमत्कार मिस्र में फिरौन, ओकर पूरा घर, ओकर नौकर आ ओकर लोग के खिलाफ करे खातिर भेजल गईल रहलू, ओकरा के कईनी।
5 इस्राएल खातिर प्रभु ओह लोग से बहुते बदला लिहलन आ ओह लोग के खून आ बेंग, जूँ आ कुकुर के मक्खी आ घातक फोड़ा से मार दिहलन. आ उनकर मवेशी मरला से; आ ओला-पत्थर से, एह से ऊ ओह लोग खातिर जवन कुछ बढ़ल रहे, ओकरा के नष्ट कर दिहलन; आ टिड्डियन के द्वारा जवन ओला आ अन्हार से छोड़ल अवशेष के खा गइल। आ आदमी आ जानवरन के पहिलका बच्चा के <मौत से> आ ओह लोग के सभ मूर्तियन पर प्रभु बदला लेके आग से जरा दिहलन।
6 आऊ सब कुछ तोहरा हाथ से भेजल गइल कि तू (ई सब बात) पूरा होखे से पहिले बता दीं आ तू मिस्र के राजा से ओकर सब नौकरन आ ओकर लोग के सामने बात करऽ।
7 सब कुछ तोहरा बात के अनुसार भइल। मिस्र के देश पर दस गो बड़हन आ भयानक न्याय आइल कि तू इस्राएल खातिर ओकरा पर बदला ले सकीले.
8 प्रभु इस्राएल खातिर आ अपना वाचा के अनुसार, जवन उ अब्राहम के साथे तय कईले रहले, उ सब कुछ कईले कि उ ओ लोग के बदला लेवे के चाही, जईसे कि उ लोग ओ लोग के जबरन गुलाम बना देले रहले।
9 राजकुमार मस्तेमा तोहरा खिलाफ खड़ा होके तोहरा के फिरौन के हाथ में डाले के कोशिश कइलस आ मिस्र के जादूगरन के मदद कइलस।
10 ऊ लोग खड़ा होके तोहरा सोझा ऊ बुराई कइल जवन हमनी के ओह लोग के करे के अनुमति देले रहनी जा, लेकिन जवना उपाय के हमनी के ओह लोग के हाथ से ना करे देनी जा।
11 प्रभु ओह लोग के घातक अल्सर से मार दिहलन आ ऊ लोग खड़ा ना हो पावल काहे कि हमनी का ओह लोग के नष्ट कर दिहनी जा कि ऊ लोग एको निशानी ना कर पवलसि.
12 आ सभ (एह) चमत्कार आ चमत्कार के बावजूद राजकुमार मस्टेमा के शर्म ना लागल काहे कि ऊ हिम्मत से मिस्र के लोग से चिल्ला के मिस्र के सभ शक्ति, रथ, घोड़ा आ मिस्र के लोग के सब सेना के साथे तोहरा पीछा करे खातिर पुकारलस।
13 हम मिस्र आ इस्राएल के बीच में खड़ा रहनी आ हमनी के इस्राएल के ओकरा हाथ से आ ओकरा लोग के हाथ से बचा दिहनी जा आ प्रभु ओह लोग के समुंदर के बीच से अइसे ले अइले जइसे ऊ सूखल भूमि होखे।
14 जवना सब लोग के उ इस्राएल के पीछा करे खातिर ले अइले, प्रभु हमनी के परमेश्वर, ओह लोग के समुंदर के बीच में, इस्राएल के लोग के नीचे के खाई के गहिराई में डाल दिहलन, ठीक ओसही जइसे मिस्र के लोग अपना लइकन के नदी में फेंकले रहे, उ ओह लोग में से 1,000,000 लोग से बदला लिहले, आ एक हजार मजबूत आ ऊर्जावान आदमी एक दूध पियला के कारण नाश हो गइल तोहरा लोग के लइकन के जवन ऊ लोग नदी में फेंकले रहे।
15 चौदहवाँ, पन्द्रहवाँ, सोलहवाँ, सतरहवाँ आ अठारहवाँ दिन राजकुमार मस्तेमा के इस्राएल के लोग के पीछे बान्ह के जेल में डाल दिहल गइल ताकि ऊ ओह लोग पर आरोप ना लगावे।
16 उन्नीसवाँ दिन हमनी के ओ लोग के छोड़ देनी जा ताकि उ लोग मिस्र के मदद कर सके आ इस्राएल के लोग के पीछा कर सके।
17 ऊ ओह लोग के दिल कठोर कर दिहलन आ जिद्द कर दिहलन आ हमनी के परमेस् वर यहोवा के चाल चलल कि ऊ मिस्र के लोग के मार के समुंदर में फेंक देसु.
18 चौदहवाँ दिन हमनी के ओकरा के बान्ह दिहनी जा कि ऊ ओह दिन इस्राएल के लोग पर आरोप मत लगावे जब ऊ लोग मिस्र के लोग से चांदी के बर्तन आ कपड़ा, चांदी के बर्तन, सोना के बर्तन आ कांसा के बर्तन मंगले, ताकि मिस्र के लोग के ओह बंधन के बदला में लूट लिहल जा सके।
19 हमनी के इस्राएल के लोग के खाली हाथ मिस्र से ना निकलनी जा|

अध्याय 49 के बा

1 फसह के बारे में जवन आज्ञा प्रभु तोहरा के आज्ञा देले रहले, ओकरा के याद करीं कि पहिला महीना के चौदहवां के एकरा मौसम में मनाईं, साँझ होखे से पहिले ओकरा के मार दीं, आ सूरज डूबे के समय से पन्द्रह तारीख के साँझ रात में खा लीं।
2 काहे कि एह रात -तब के शुरुआत आ खुशी के शुरुआत- तू लोग मिस्र में फसह के पर्व खात रहलू, जब मिस्र के देश में मस्तमा के सभ शक्ति के छोड़ दिहल गईल रहे, जवन कि फिरौन के पहिला बच्चा से लेके चक्की में बंदी बना के नौकरानी के पहिला बच्चा तक अवुरी मवेशी तक के सभ पहिला बच्चा के मार देवे।
3 आऊ इहे निशानी ह जवन प्रभु ओह लोग के देले बाड़न: जवना घर के छोर पर उ लोग पहिला साल के मेमना के खून देखले रहे, ओह घर में उ लोग के मारे खातिर ना घुसे के चाहीं, बलुक ओकरा से गुजरे के चाहीं, ताकि घर में मौजूद सब लोग के उद्धार हो सके काहे कि खून के निशान ओकरा छोर पर रहे।
4 परमेस् वर के शक् ति सभ प्रभु के आज्ञा के अनुसार सब कुछ कइल आ उ लोग इस्राएल के सब लोग के लगे से गुजरल आ ओह लोग के बीच से कवनो पशु, या आदमी, या कुकुर के नाश करे खातिर महामारी ओह लोग पर ना आइल।
5 मिस्र में ई महामारी बहुते भयावह हो गइल आ मिस्र में अइसन कवनो घर ना रहे जहाँ केहू के मौत ना भइल होखे आ रोअल आ विलाप कइल गइल होखे.
6 पूरा इस्राएल फसह के मेमना के मांस खात रहे, शराब पीवत रहे, आ अपना पुरखन के प्रभु परमेश्वर के तारीफ करत रहे,

आशीष देत रहे आ धन्यवाद देत रहे, आ मिस्र के जुआ के नीचे से आ बुरा दासता से निकले खातिर तैयार रहे।
7 आ तू अपना जीवन के पूरा दिन आज के याद राखऽ आ ओकरा पूरा नियम के अनुसार साल में एक बेर ओकरा दिन पर साल दर साल ओकरा दिन पर, भा महीना से महीना पर स्थगित मत करीं।
8 काहेकि ई एगो अनन्त नियम ह, आ स्वर्ग के पाटी पर उकेरल बा कि सब इस्राएल के लोग के बारे में ई नियम ह कि उ लोग हर साल साल में एक बेर, पूरा पीढ़ी में एकरा के मनावे। आ दिन के कवनो सीमा नइखे, काहे कि ई हमेशा खातिर तय बा.
9 जे आदमी अशुद्धता से मुक्त होखे आ ओकरा दिन के मौका पर ओकरा के मनावे ना आवे, ताकि ओकरा परब के दिन प्रभु के सामने कवनो स्वीकार्य बलिदान ले आवे आ ओकरा परब के दिन प्रभु के सामने खाए-पीये, ऊ आदमी के काट दिहल जाई, जवन साफ आ नजदीक में बा, काहे कि उ अपना निर्धारित समय में प्रभु के बलिदान ना चढ़वले, त उ अपना पर अपराध उठाई।
10 इस्राएल के लोग आके फसह के दिन, पहिला महीना के चौदहवाँ दिन, साँझ के बीच, दिन के तीसरा भाग से लेके रात के तीसरा भाग तक मनावे, काहेकि दिन के दू भाग रोशनी के दिहल जाला आ एक तिहाई हिस्सा साँझ के।
11 प्रभु तोहरा के इहे आज्ञा देले रहले कि साँझ के बीच में एकरा के पालन करीं।
12 एकरा के रोशनी के कवनो समय में मारल जायज नईखे, बालुक सांझ के सीमा में एकरा के मारल जायज बा अवुरी शाम के समय, रात के तिहाई हिस्सा तक एकरा के खाए के चाही अवुरी रात के तिहाई भाग से लेके एकरा सभ मांस से जवन कुछ बचल बा, ओकरा के आग से जरा देवे के चाही।
13 ऊ लोग एकरा के पानी से ना पकाई आ ना कच्चा खाई, बलुक आग पर भुन के खाई, ओकर माथा ओकरा भीतरी से आ गोड़ से ओकरा के आग से भुन के ओकर कवनो हड्डी ना टूटी। काहे कि इस्राएल के लोग के कवनो हड्डी कुचलल ना जाई।
14 एही से प्रभु इस्राएल के लोग के आज्ञा दिहलन कि फसह के परब के दिन मनावल जाव आ उ लोग ओकर कवनो हड्डी ना तोड़ी। काहे कि ई परब के दिन ह आ आज्ञा दिहल दिन ह, आ दिन से दिन आ महीना से महीना ना गुजरल हो सकेला बाकिर एकरा परब के दिन एकरा के मनावल जाव.
15 आ तू इस्राएल के संतान के आज्ञा दीं कि ऊ लोग अपना दिन भर, हर साल, साल में एक बेर, ओकर निर्धारित समय के दिन फसह मनावे, आ ई प्रभु के सोझा एगो यादगार कुआँ के रूप में आई, आ ओह साल में कवनो विपत्ति ना आई कि ऊ लोग अपना समय में फसह के पर्व मनावे, ओकरा आज्ञा के अनुसार हर तरह से।
16 उ लोग एकरा के प्रभु के पवित्र स्थान के बाहर ना खाई, बल्कि प्रभु के पवित्र स्थान के सामने ना खाई अवुरी इस्राएल के सभ लोग एकरा के अपना निर्धारित समय में मनावे।
17 जे भी आदमी अपना दिन में आईल बा, उ बीस साल से ऊपर के उमिर से प्रभु के सामने तोहरे परमेश्वर के पवित्र स्थान में खाई। काहे कि एही तरह से लिखल बा आ तय कइल गइल बा कि ऊ लोग एकरा के प्रभु के पवित्र स्थान में खाए.
18 जब इस्राएल के लोग कनान के देश में आके अपना कवनो गोत्र में प्रभु के तम्बू के बीच में जब तक प्रभु के पवित्र स्थान ना बन जाई, तब तक उ लोग आके प्रभु के तम्बू के बीच में फसह मनावे, अवुरी साल दर साल एकरा के प्रभु के सोझा मार देवे।
19 जवना दिन अपना विरासत के देश में प्रभु के नाम से घर बनल होई, ओ दिन उ लोग उहाँ जाके सांझ के, सूर्यास्त के समय, दिन के तिहाई भाग में फसह के पर्व के हत्या करीहे।
20 ऊ लोग ओकर खून वेदी के दहलीज पर चढ़ाई आ ओकर चर्बी वेदी पर लागल आग पर रखी आ ओकर मांस के आग से भुन के ओह घर के आँगन में खाई जवन प्रभु के नाम पर पवित्र कइल गइल बा।
21 ऊ लोग अपना शहरन में फसह ना मना सकेला, ना ही कवनो जगह पर, सिवाय प्रभु के तम्बू के सामने भा उनकर घर के सामने जहाँ उनकर नाम रहल बा। आ उ लोग प्रभु से भटक ना जइहें।
22 हे मूसा, तू इस्राएल के लोग के फसह के नियम के पालन करे के आज्ञा दीं, जइसे कि तोहरा के आज्ञा दिहल गइल रहे। तू हर साल आ ओकरा दिन के दिन आ बिना खमीर के रोटी के परब के बारे में बताईं कि ऊ लोग सात दिन तक बिना खमीर के रोटी खाए, (आ) ओकर परब मनावे के चाहीं आ ओह सात दिन के खुशी के दौरान हर दिन अपना भगवान के वेदी पर प्रभु के सामने एगो बलिदान ले आवे के चाहीं।
23 जबले तू लोग मिस्र से निकल के शूर के जंगल में ना घुसल तबले जल्दबाजी में ई परब मनावत रहलू। काहे कि समुंदर के किनारे तू लोग एकरा के पूरा कइले बाड़ऽ।

अध्याय 50 के बा

1 एह व्यवस्था के बाद हम तोहरा के सिन के रेगिस्तान में सब्त के दिन के बारे में बता दिहनी जवन एलीम आ सिनाई के बीच में बा।
2 हम तोहके सिनाई पहाड़ पर मौजूद देश के सब्त के दिन के बारे में बतवनी आ सालन के सब्त के दिन में जुबली साल के बारे में बतवनी, लेकिन जब तक तू ओह देश में ना जाईब, जवना के तू अपना कब्जा में ना लेब, तब तक ओकर साल के बारे में हम तोहरा के ना बतवनी।
3 जबले ऊ लोग ओहिजा रहत तबले ऊ लोग आपन सब्त के दिन मनावल जाई आ ऊ लोग जयंती साल के बारे में जान जाई.
4 एही से हम तोहरा खातिर साल-हफ्ता आ साल आ जुबली तय कइले बानी: आदम के दिन से लेके आज तक [2410 AM] आ एक हफ्ता आ दू साल तक उनचालीस जयंती बा, आ अब चालीस साल आवे वाला बा (शाब्दिक रूप से 'दूर') प्रभु के आज्ञा के सीखला खातिर [2450 AM] जब तक कि उ यरदन के पार कनान के देश में ना जाके पश्चिम में ना जाई।
5 आ जुबली तब तक बीतत रही जब तक कि इस्राएल व्यभिचार, अशुद्धि, अशुद्धि, पाप आ गलती के सब अपराध से मुक्त ना हो जाई आ पूरा देश में भरोसा के साथ ना रह जाई आ अब शैतान भा कवनो बुराई ना रही आ देश ओह समय से हमेशा खातिर साफ हो जाई।
6 आ देखऽ सब्त के दिन के बारे में आज्ञा -हम तोहरा खातिर (उनका) लिखले बानी- आ ओकर नियमन के सब न्याय।
7 छह दिन मेहनत करऽ, लेकिन सातवाँ दिन तोहार परमेश्वर प्रभु के सब्त के दिन ह। एह में तू लोग, आपन बेटा, आपन नौकर-चाकर आ आपन नौकरानी, आ आपन सब मवेशी आ प्रवासी भी जे रउवा साथे बा, कवनो तरह के काम ना करीं।

8 आ जे आदमी ओह दिन के कवनो काम करी, ऊ मर जाई, जे ओह दिन के अपवित्र करी, जे अपना मेहरारू के साथे लेट जाई, भा जे कहत बा कि ऊ एह पर कुछ करी, ऊ कवनो खरीद-बिक्री के लेके ओह पर निकल जाई, आ जे केहू ओह पर पानी खींची जवना के ऊ छठवाँ दिन अपना खातिर ना तइयार कइले रहुवे, आ जे कवनो बोझ उठा के ओकरा के अपना डेरा से बाहर निकाले भा ओकरा से बाहर निकाले के काम करी घर मर जाई।
9 तू सब्त के दिन जवन भी काम ना करीं, सिवाय छठवाँ दिन अपना खातिर जवन काम तैयार कइले बानी, ओकरा के खाईं, पीईं आ आराम करीं, आ ओह दिन के हर काम से सब्त के दिन रखीं, आ रउआ सभे के परब आ पवित्र दिन के दिन देले बाड़न, आउर पूरा इस्राएल खातिर पवित्र राज्य के एगो दिन आज हमेशा खातिर ओह लोग के दिन के बीच बा।
10 काहेकि प्रभु इस्राएल के बहुत आदर देले बाड़न कि उ लोग एह परब के दिन खा-पी के तृप्त हो जास आ ओकरा पर लोबान जरावल आ दिन भर आ सब्त के दिन प्रभु के सामने बलिदान आ बलिदान ले आवे के अलावा मनुष्य के संतान के मेहनत से आराम करस।
11 ई काम खाली सब्त के दिन रउरा परमेस् वर के पवित्र स्थान में कइल जाई। ताकि उ लोग इस्राएल के प्रायश्चित करस कि उ लोग प्रभु के सामने खुश होखे वाला याद में दिन-प्रतिदिन लगातार बलिदान देस, अवुरी उ हमेशा दिन-प्रतिदिन ओ लोग के ओईसन ग्रहण करस, जईसे कि आपके आदेश दिहल गईल बा।
12 आ हर आदमी जे ओह पर कवनो काम करेला, भा कवनो यात्रा करेला, भा खेत में जोती करेला, चाहे ऊ अपना घर में होखे भा कवनो दोसरा जगह, आ जे आग जरावे, भा कवनो जानवर पर सवार होखे, भा समुद्र में जहाज से यात्रा करेला, आ जे कवनो चीज के मारत बा भा मारत बा, भा जानवर भा चिरई के मारत बा, भा जे कवनो जानवर भा चिरई भा मछरी पकड़त बा, भा जे उपवास करत बा भा लड़ाई करत बा सब्त के दिन के बारे में:
13 जे आदमी सब्त के दिन एह में से कवनो काम करी, उ मर जाई, ताकि इस्राएल के लोग देश के सब्त के दिन के बारे में दिहल आज्ञा के अनुसार सब्त के दिन के पालन करी, जईसे कि उ पाटी में लिखल बा, जवन कि उ हमरा हाथ में देले रहले कि हम तोहरा खातिर मौसम के नियम अवुरी मौसम के समय के समय के बंटवारा के मुताबिक लिखी। एकरा साथे दिन के बंटवारा के लेखा-जोखा पूरा हो गइल बा।